

श्रीमत्ता कीजिये १ अपूर्व अवसर ११ हाथ से न जाय १११

पूज्य श्री १८०८ श्री जवाहिरतालजी महाराज के व्याख्यानों
द्वारा जो पुस्तकें निकलती हैं —

उनके पढ़ने से दण्ड, जाति, नीति और जैन धर्म के गूढ़ रहस्यों के साथ साथ
परोपकार वृत्ति का प्रसार होता है तथा जैसे-जैसे इन देवी गुणों की
सत्ता बढ़ती जायगी वैसे वैसे संसार की पादार्थ आसुरी
भावों का मूलोच्छेद होता जायगा ।

यदि आप ऐसे २ अनेक ग्रंथों को पढ़ना चाहत हों तो आज ही जीवन
कार्यालय अमरेश्वर के स्थायी माहक बाहर एक रुपया और ज्यादा
जमाकर दोगे तो आपसे यह पुस्तकें तुक दोस्त दूसरा बराबर मिल जायगी
और इससे धर्म की भी वृद्धि होगी तथा समय पर पुस्तकें भी मिलेगी
रुपया पूरा होने पर हिसाब भेज दिया जायगा ।

आज तक दयादान सम्बन्धी अपूर्व सर्व विचित्रों से परिपूर्ण
एसी पुस्तकें जैन समाज में प्रकाशित नहीं हुई हैं
संस्थापक समाज ने इन पुस्तकों को वाक्यान्तर मनमोह से जल्द कराने के
लिये दो दो बार तन, मन धन, से महान प्रयत्न किया किंतु दया धर्म
प्रेमी सरकार ने दया धर्म के सिद्धांतों की पूर्ण रक्षा की है ।
“सर्वर्म महान” (१२०० १६ कं अराज का प्रय ८० १) में ।
‘चित्रमय धनुष्मया विचार’ (जिनमें दयादान सम्बन्धी २०
विषय रहेंगे) इसका मूल्य आठ धान ।
यह पुस्तकें अपने से पहिले ही इस मूल्य में मिल सकेंगी बाद में
नहीं दी जायगी इसलिये अभी से अपना और अपने
मित्रों का नाम माहकों की श्रेणी में लिखा दें ।

जीवन ग्रन्थमाला

चौथे खंड

जीवन ग्रन्थमाला का १६ वाँ पुष्प

उक्काई सूत्र मूल पाठ



मुख्य

सन् १९३४ }

चार आना

{ प्रथमावृत्ति
६००

प्रकाशक

द्योतेलाल यति

जीवन कार्यालय अजमेर



मुद्रक

नयमल लुणिया

आदर्श प्रेस, अजमेर १७० ७ ३६

संचालक-श्रीतमल लुणिया

उक्काई सूक्तं (पदमोपांगं)



(सूत्र१) तेण कालेण तेण समणं चपा नामनयरी
 होत्था, रिद्धत्थिमिपसमिद्धा पमुइयजणजाणय्या
 आइएणजणमणूसा हलमयमहससमकिट्टविकिट्टलट्ट
 पणत्तसेउसीमा कुक्कुटसडेयगामपउरा उच्छुजव-
 सालिकलिया गोमहिमगवेलगप्पभूया आयावत
 चेइयजुवइविविहसरिणविट्ठयट्टला उक्कोडियगायग
 ठिभेयगभट्टतक्कासडरक्खरहिया रोमा णिरुवइया
 सुभिकग्वा चीमत्थसुहावासा अणेगकोडिकुट्टवि-
 याइएणणिब्बुयसुहा णडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलवग-
 कट्टगपवगलासगआइग्गवगलखमवत्तण्ड हत्तुववी-
 णियअणेगतालायराणुचरिया आरामुज्जाणअगट्टत-
 लागदीहियवप्पिणिगुणोववेया नदणवणसन्निभप्प
 गासा उन्विद्धन्निडलगभीरगायफलिहा चक्कगयमु-
 सुट्ठिओरोहसयग्घिमलकुराडघणट्टप्पवेसा धणुकु-
 ढिलवंकपागारपरिक्खित्ता कविसीमयवट्टरइयस-
 ठियविरायमाणा अट्टालयचरियदारगोपुरतोरण-
 उणपसुविभत्तरायमग्गा छेयापरिवरइयदढफलिह-

इदकीला चिवणिचणिछेयसिप्पियाडणणि बुधसुहा
 मिंघाडगतिगचउक्कचचपणिघावणचिवहवत्थुपरि
 मडिया सुरम्मा नरयइपविइणमहिहइपहा अणे
 गवरतुरगमत्तकुजररहपहकरसीयसदमाणीआइण-
 जाणजुग्गा विमउलणयणलिणिसोभियजला पडुर-
 धरभचणसण्णिमहिया उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा
 पासादीया दरिमणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

सू० (२) तीसे ण चपाए णपरीण बहिया
 उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाण पुण्णभदे णाम वेइण होत्था,
 चिराईण दुव्वपुरिसपण्णत्ते पोराणे सदिण चित्तिण
 कित्तिण णाण सच्छत्ते सज्झण सघण्ठे सपडागे
 पडागाइपडागमडिण सलोमहत्ये कयवेयहिण लाव-
 ल्लोइयमहिण गोसीसमरसरत्तचदणदहरदिणपचणु
 लितले उवचियचदणकलसे चदणघडसुकयतोरण-
 पडिदुवारदेसभाण आमत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारिय-
 मल्लदामकलावे पचवरणसरमसुरहिमुक्कपुप्फपुजो-
 वधारकलिण कालागुरुपवरकुट्टुरुत्तुम्हधूवमयमघ-
 तगधुध्दयाभिरामे सुगधवरगधगधिण गधवट्ठिभूए
 णटणहगजल्लमल्लमुट्ठियवेलवयपवगकहगलासग आ-
 इम्वगलएमवत्तुणइल्लतुवधीणियमुयगमागहपरिग
 गयहुजणजाणवयस्स विस्सुयकित्तिण बहजणस्स

आहुस्स आहुणिज्जे पाहुणिज्जे अच्चणिज्जे वंद-
णिज्जे नमसणिज्जे पूयणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्मा-
णाणिज्जे कल्लाणं भंगलं देवयं चेइय विणएणं पज्जु-
चासणिज्जे दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सणिहियपा-
टिहेरे जागसहस्सभागपडिच्छए बहुजणो अच्चेइ
आगम्म पुण्णभद चेइय पुण्णभद चेइय ॥

(सू० ३) से ण पुण्णभदे चेइए एक्केण महया
वणसंडेण सव्वओ समंता सपरिक्खित्ते, से ण
वणसडे किएहे किएहोभासे नीले नीलोभासे हरिए
हरिओभासे सीए सीओभासे णिद्धे णिद्धोभासे
तिव्वे तिव्वोभासे किएहे किएहच्छाए नीले नील
च्छाए हरिए हरियच्छाए सीए सीयच्छाए णिद्धे
णिद्धच्छाए तिव्वे तिव्वच्छाए घणकडिअरुडि-
च्छाए रम्मे महामेहणिकुरवभूए ।

ते ण पायवा मूलमतो कदमतो खंधमतो
तयामतो सालमतो पवालमतो पत्तमतो पुप्फमतो
फलमतो बीयमतो अणुपुब्बसुजायरहलवट्टभाव-
परिणया एक्खधा अणेगसाला अणेगसाहप्पसाह-
विडिमा अणेगनरवामसुप्पसारिय अगगेज्झघणवि-
उलवट्टखधा अच्छिद्धपत्ता अविरलपत्ता अवार्डण-
पत्ता अणईअपत्ता [] निद्धूयजरठपडुपत्ता एवह-

रियभिसतपत्तभारधधारगभीरदरिसिणिजा उवणि
 गगयणपतरुणपत्तपल्लवकोमलञ्जलचलतकिसलय
 सुकुमालपवालमोहियपरकुरग्गमिहरा णिच्च कुसु-
 मिया णिच्च माइया णिच्च लवइया णिच्च यव-
 इया णिच्च गुलइया णिच्च गोच्छिद्रया णिच्च जम-
 लिया णिच्च जुवलिया णिच्च विणमिया णिच्चं
 पणमिया णिच्च कुसुमियमाइयलवइयधउइयगुलइय-
 गोच्छिद्रयजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभ-
 त्तापिंडभजरिघडिसयधरा सुययरहिणमयणसालको-
 इल कोहगकभिगारगकोंडलगजीवजीवगणदीमुहक-
 विलपिगलरग्गकारडचववायक्कलहससारसअणे-
 गसउणगणमिहृणविरइयसइदुणइयमहुरमरणाइण
 मुरम्मे नपिडि यममरमनुयारिकार
 त्तावपयकुरुमासवलोतामहुरगुमगुमतगु
 अन्मितरपुष्कफले याहिरपत्तोउरणे

अणेरगराजाणजुग्गसिवियपरिमोयणा सुरम्मा पा-
सादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

(सू० ४) तस्म ण वणसडस्म बहुमज्झदेम-
भाए एत्थ ण मह एक्के अमोगवरपायवे, परणत्ते
[] कुमविकुमविसुद्धरुक्खमूले मूलमते कंदमंते
जाव परिमोयणे सुरम्मे पासादीण दरिसणिज्जे
अभिरूवे पडिरूवे ।

से ण अमोगवरपायवे अणणेहि बहूहि तिल-
णहिं लडणहिं छत्तोवेहि सिरीसेहि सत्तणणेहि
दरिवरणेहि लोद्वेहि धवेहिं चदणेहि अज्जुणेहिं
णीवेहि कुडणहिं कलपेहि मब्बेहि फणसेहि दाडि-
मेहिं सालेहि तालेहिं तमालेहिं पियणहिं पियणहिं
पुरोवगेहिं रायस्सुगेहिं णदिस्सुगेहिं सव्वओ
समता सपरिक्खित्ते ।

ते ण तिलया लवइया जाव णदिस्सुवा कुस-
विकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमतो कदमंतो एणसि
चरणओ भाणियव्वो जाव मित्रियपरिमोयणा सुर-
म्मा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ।

ते ण तिलया जाव णदिरूखा अणणेहिं बहूहिं
पडमलयाहिं णागलयाहिं असोयलयाहिं चपगल-
याहिं चूपलयाहिं वणलयाहिं वासतियलयाहिं

रियभिसंतपत्तभारभयारगभीरदरिमणिजा उद्यपि
 गगणपतमणपत्तपल्लवकोमलउज्जलचलतकिसलय
 सुकुमालपद्मालसोदियवरकुरंगसिहरा णिच कुसु-
 मिया णिच्च माइया णिच्च लवइया णिच्च थव-
 इया णिच्च गुलइया णिच्च गोच्छिइया णिच्च जम-
 लिया णिच्च जुबलिया णिच्च विणमिया णिच्चं
 पणमिया णिच्च कुसुमियमाइयलवइयथउदयगुलइय-
 गोच्छिइयजमलियजुबलियविणमिधपणमियसुविभ-
 त्तापिटभजरियडिमधधरा सुयवरहिणमयणसालको-
 इल मोहगकभिगारगकोडलगजीवजीवगणदीमुहक-
 विलपिगलरूपगकारडचक्रायकलहससारसअणे-
 गसउणगणमिहृणविरइयसद्वदुणइयमहुरसरणाइण
 सुरम्मे मपिडियदरियभमरमहुरियरिपहकरपरिलिन्तम-
 ताक्षप्यकुसुमासवलोलमहुरगुमगुमतगुजतदेसभागे
 अञ्जितरपुष्कफले वाहिरपत्तोच्छरणे पत्तेहि य
 पुष्केहि य उच्छरणपडियलिच्छरणे माउफले निरो
 यण अटण णाणाविहगेच्छगुम्ममहवगरम्मसोदिए
 विचित्तमुहकेउभूण वावीपुम्परिणीदीहियासु य
 मुनिपेसिय रम्मजालहरण, पिडिमणीहारिमसुगमि
 मुहसुरभिमणहर च महया गधद्धणि मुयता
 णाणाविहगुच्छगुम्ममहवगधरगमुहमेउकेउयहुला

अणेगरहजाणजुगसिवियपरिमोयणा सुरम्मा पा-
साटीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

(सू० ४) तस्म ण चणसडस्स बभूमज्झदेस-
भाण एत्थ ण मह एक्के असोगवरपायवे, पणत्ते
[] कुमरिकुसविसुद्धरुक्खमूले मूलमते कदमते
जाव परिमोयणे सुरम्मे पामादीण दरिसणिज्जे
अभिरूवे पडिरूवे ।

से ण असोगवरपायवे अण्णेहि बहुरि तिल-
गहि लउणहि उत्तोवेहि सिरीसेहि मत्तवण्णेहि
दहिवण्णेहि लोद्धेहि धवेहि चदण्णेहि अज्जुणेहि
णीवेहि कुडणहि कलपेहि मब्बेहि फणसेहि ढाडि-
मेहि सालेहि तालेहि तमालेहि पियणहि पियगृहि
पुरोवगेहि रायम्भरेहि णदिरुक्खेहि सव्वओ
समता सपरिक्किन्ते ।

ते ण तिलया लवइया जाव णदिरुक्खा कुस-
विकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमतो कदमतो एणसि
चण्णओ भाणियओ जाव सिमियपरिमोयणा सुर-
म्मा पासाटीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ।

ते ण तिलया जाव णदिरुक्खा अण्णेहि बहुरि
वडमलयाहि णागलयाहि असोयत्तायाहि चपगल-
याहि चूपलयाहि वणलयाहि वासतियलयाहि

अहमुत्तायलपारि कुदलपारिं सामलपारिं सव्यओ
समता सपरिरित्ता ।

ताओ ण पउमलयाओ णिच्च कुसुमिगाओ
जाव चटिसयधरीओ पासादीयाओ दरिसणिज्जाओ
अभिरूवाओ पडिरूवाओ ॥

(सू० ५) तस्स ए असोगवरपापघस्स हेट्ठा
ईसिं राघसमलीखे एत्थ ण मह एक्केपुढविसित्तापट्टण
पणत्ते, विक्खभायामउस्सेहसुप्पमाणे किरहे
अजणघणकिराणकुवलयहलधरकोसेज्जागासके
सरुज्जलगीलजणसिगभेदरिद्वयजवूफलअसणसक-
णवंधणणीलुप्पलपत्तानिकरअयसिकुसुमप्यगासे मर-
णयमसारकलित्तणयणकीयरामिरणे णिद्वघणे
अट्टमिरे आयमयतलोवमे सुरम्मे ईहामियउसभतु-
रगनरमगरविहगवालगाकिण्णररुसरभचमरकुजर
चणलयपउमलयभस्तिचित्ते आईणगरूपवूरणवणीय
तूलफरिमेमोहा सणसठिए पामादीए दरिसणिज्जे
अभिरूवेपाडिरूवे ॥

(सू० ६) तत्थ ण चपाए णयरीए कृणिए णामं
राया परिवसइ, महयाहिमवतमहतमलयमदरमहिं-
दसारे अच्चतविसुद्धदीहरायकुलवससुप्पसृण णिर-
तर रायलक्खणविराइयगमगे घट्टजणवट्टमाणपूहए

सन्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुइए मुद्धाहिसित्ते माउपि-
 उसुजाए दयपत्ते सीमकरे सीमंधरे खेमकरे खेमधरे
 मणुस्सिदे जणवयपिया जणवयपाले जणवयपुरोहिए
 सेउकरे केउकरे णग्गवरे पुरिसवरे पुरिससीहे पुरि-
 सवग्गे पुरिसासीत्तिसे पुरिसपुडरीण पुरिसव
 गघहत्थी अड्ढेदित्ते त्तिसे विच्छिण्णविडलभवन
 सयणामणजाणवाहणाइएणे बहुधणबहुजायरुवरय
 णआओगपओगसपउत्ते विच्छिद्धियपउर भत्तपाणे
 बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुणजत
 कोसकोट्ठागाराउधागारे यलव दु-यलपचामित्ते
 ओह्यकटय निह्यकटय मलियकटय उद्वियकटय
 अकटय ओह्यसत्तु निह्यसत्तु मलियसत्तु
 उद्वियसत्तु निज्जियसत्तु पराइयसत्तु चवगय-
 दुब्भिरय मारिभयविप्पमुक्क खेम सिव सुभिकव
 पसतर्द्धिवटमर रज्ज पसासेमाणे बिहरइ ॥

(मृ० ७) तस्स ण कोणियस्स रणो धारिणी
 णाम देवी होत्था, सुकुमालपाणिपाया अहीणपडि-
 पुणपचिंदियसरीरा लक्खणवंजणगुणोववेयामाणु-
 म्माणप्पमाणपडिपुणसुजायसन्वगसुदरगी ससि
 सोमाकारकंनपियदमणा सुरूया करयलपरिमियपस-
 त्थतिवली मलियमज्झा कुडनुल्लिरियगंडलेहा कोमु

इय। यणियरमिमलपडिपुण्णमोमवयणा मिंगारांगार-
 चाम्पेसासगयगयहसियभणियविहियविलासमल
 लियसलावणिउणजुत्तोवयारकूसला [सुन्दरथणज-
 घणययणकरचरणनयणलाउणविलासकलिया] पा-
 सादीया दिसिजिजा अभिरुया पडिरुया, कोणि
 एणएणा भममारपुत्तेण सद्धिअणुरत्ता अविरत्ता
 इहे सहकरिमरमरुवगघे पचविहे माणुस्सए काम-
 भोण पच्चणुअउमाणी जिरइ ॥

(सू० ८) तस्म ण कोखियस्स रण्णो णक्के पुरिसे
 यिउल्लभययित्ति भगवओ पवित्तिवाउए भगवओ
 तहवसिय पवित्ति णिवेदेइ ।

तस्स ण पुरिसस्स यहवे अण्णे पुरिसा दिरण-
 भतिभत्तवेअणा भगवओ पवित्तिवाउया भगवओ
 तहवमिय पवित्ति णिवेदेति ॥

(सू० ९) तेण कालेण तेण भमएण कोणिणराया
 भममारपुत्ते वाहिरियाण उउट्ठाणसालाण अणेमग-
 णणागदहणायगराईसरतलवरमाडधियकोडुवियम-
 तिमहामनिगणगदोवारियअमचचेडपीढमदनगरनि-
 गममेट्टिसेणावइसत्थवाहदूयसधियालसद्धि सपरि-
 चुडे चिदहरइ ॥

(सू० १०) तैण कालेण तेण समण्ण समणे
 भगव महावीरे आइगरे तित्थगरे सहसंबुद्धे पुरि-
 सुत्तमे पुरिससीहे पुरिमवरपुंडरीण पुरिसवरगध-
 हत्थी अभयदण चम्बुदण मग्गदण मरणदण जीव-
 दण दीवो ताण सरण गट्टं पड्डा वम्मवरचाउरत-
 चक्खवट्ठी अप्पडिहयउरणाणदमणधरे वियट्ठच्छउमे
 जिणे जाणए तिरणे तारण मुत्ते मोयण बुद्धे योए
 मन्वणण मन्वदरिसी सिवमयलमरुपमणतमक्खव
 मन्वावाहमपुणरावत्तिथ सिद्धिगइणामधेय ठाणं
 मंपाचिउकामे अरहा जिणे केवली सत्तहत्थुस्मेहे
 ममचउरंससठाणसठिण वज्जरिसहनारायसवयणे
 अणुलोमवाउवेगे ककगहणी कवोयपरिणामे सउ-
 णिपोसविट्ठतरोरुपरिणण पउमुप्पलगधसरिसनि-
 स्ताससुरभिवयणे छवी निरायरुउत्तामपसत्थअइ-
 सेयनिरुवमपले जल्लमल्लकलकमेयरयदोसवज्जियम-
 रीरनिरुवलेवे छायाउज्जोइयगमगे घणगिचियसुचद्ध-
 लक्खणुणणयकूटागारनिभपिडियग्गसिरण साम-
 लिवोटघणनिचियच्छोडियमिउविसयपमत्थसुहुम-
 लक्खणसुगधसुदरमुयमोयगभिगनेलकज्जलपरिट्ठ-
 भमरगणणिद्धनिकुरुननिचियकुचियपयाहिणावत्त-
 मुद्धमिरण दालिमपुक्कप्पगासतवणिज्जसरिसनिम्म-

लसुणिद्वकेसतकेसभूमी घण (निचिय) [] छत्तागारुत्त-
 मगदेसे णिव्वणसमलट्टमट्टचद द्वममणिटाले उड्डवइ-
 पडिपुण्णसोमवयणे अलीणपमाणजुत्तसण्णे सुस्स
 वणे पीणमसलकवोलदेसभाए आणामियचावइल-
 किएहभराइतणुरुमिणणिद्वममुहे अवदालियपुड-
 रीयणयणे कोयासियधवलपत्त जच्छे गरुलायतउज्जु-
 तुगणासे उचियसिलप्पवालविषफलसण्णिभाह-
 रोहे पट्टर समिसपलविमल्लणिम्मलसल्लगोम्बीर-
 फेणकुददगरयमुणालियाधउलदतसेढी अम्बडदते
 अण्णुडियदते अधिरलदते सुणिद्वदते सुजायदते
 एगदतसेढी विअ अणेगदते हुयवहणिद्व तधोपम
 त्ततवणिज्जरत्तातलतालुजीहे अवट्टियसुधिभत्ताधि
 त्तमसू मसलसठियपमत्थसद्दूलविउलहणुए चउर
 गुलसुप्पमाणकुवरसरिसम्भीवे चरमहिस उराहसो-

लेहे चक्रपाणिलेहे दिसासोत्थिधपाणिलेहे चटसूर-
संरचक्रदिसासोत्थिधपाणिलेहे कणगसिलायलुज्ज
लपसत्थसमतलउयचियविच्छिणपिटुलवच्छे सि-
रिवच्छक्रियवच्छे अकरडुयकणगरुयथनिम्मलसु-
जायनिरुवहयदेहधारी अट्टसहस्सपडिपुणवरपुरि-
सलक्खणधरे सणयपासे संगयपासे सुदरपासे
सुजायपामे मियमाइयपीणरइयपासे उज्जुयसमस-
हियजच्चतणुकसिणणिद्धआइज्जलटहरमणिज्जरो-
मराई भसविहगसुजायपीणकुच्छी भसोयरे सुह-
करणे पडमवियडणाभे गंगावत्तगपयाहिणावत्ततर-
गभगुररविकिरणतरुणयोहियअकोसायतपडभगभी-
रत्रियडणाभे साहयसोणदमुसलदप्पणणिकरियवर-
कणगच्छरुसरिसवरवइरवलियमज्जे पमुइयवरतुर-
गसीहयरवट्टियकडी वरतुरगसुजायसुगुज्जभदेसे
आइरणहडव्व णिम्बलेवे वरचारणतुल्लविक्रमधिल
सियगई गयमसणसुजायसन्निभोरु समुग्गणिम-
गगूढजाण एणीकुरुविंदावत्तवट्ठाणुपुण्वजवे सठिय-
सुसिलिद्ध विमिद्ध गूढगुप्फे सुप्पइट्ठियकुम्भचारु
चलणे अणुपुण्वसुसहयगुलीण उणयतणुतथणिद्ध
णक्खे रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतले अट्टसह-
स्सवरपुरिसलक्खणधरे नगनगरमगरसागरचक्रकवरं-

लसुणिद्वये सतके सभूमी घण (निचिय) [] उत्तागारुत्त-
 मगदेमे णिब्बणसमलट्टमट्टचदद्वममणिडाले उट्टवइ-
 पटिपुण्णसोमवयणे अलीणपमाणजुत्तासवणे सुस्स
 वणे पीणमसलकवोलदेसभाए आणामियचायरुइल-
 किएहम्भराहतणुकसिणणिद्वममुहे अयदालियपुड-
 रीयणधणे कोयासियप्रवलपत्त गच्छे गरुलायतउज्जु-
 तुगणासे उयचियसिलप्पवाल्लिषफलसण्णिभाह-
 रोहे पट्टर समिसयलविमलणिम्मलसव्वगोक्खीर-
 केणकुददगरयमुणालियाधवलदतमेही अग्रदत्ते
 अप्पुडियदत्ते अग्रिलदत्ते सुणिद्वदत्ते सुजायदत्ते
 एगदतमेही विथ अणेगदत्ते इयवह्णिद्व नधोयत-
 स्सतवणिज्जरत्ततलतालुजीहे अवह्णियसुविभत्तधि
 त्तमसू मसलसठियपमत्थसद्दूलविउलहणुण चउर-
 गुलसुप्पमाणरुववरसरिसगीवे वरमहिस गराह सो-
 हसद्दूलउसभनागवरपडिपुण्णविउलहणुण जुगस-
 स्मिभपीणरइयपीरपउट्टसुसठियसुसिलिह्विसिह्व-
 घणधिरसुयद्वसधिपुरवरकलिहवह्णियमुए सुयईस-
 रविउलभोगआयाणवल्लिहउच्छूददीहयाह रत्ततलो
 वइयमउयमसलसुजायलक्खणपसत्थअच्छिहजाल-
 पाणी पीवरकोमलवरगुली आयत्तधतलिणमुइरुह-
 लणिद्वणरुवे चदपाणिलेहे सूरपाणि लेहे सखपाणि-

लेहे चक्षुषाणिलेहे दिसासोत्थिषपाणिलेहे चदसूर-
 सखचक्षुदिसासोत्थिषपाणिलेहे कणगसिलायलुज्ज-
 लपसत्थसमतलउवचियविच्छिन्नपिटुलवच्छे सि-
 रिवच्छक्षियवच्छे अकरडुयकणगरुययनिम्मलसु-
 जायनिरुवहयदेहधारी अट्टसहस्सपडिपुणवरपुरि-
 सलक्खणधरे सणयपासे संगयपासे सुदरपासे
 सुजायपामे मियमाहयपीणरइयपासे उज्जुयसमस-
 हियजच्चतणुकसिणणिद्धआइज्जलडहरमणिज्जरो-
 मराई भसविहगसुजायपीणकुच्छी भसोयरे सुह-
 करणे पडमवियडणाभे गगावत्सगपयाहिणावत्ततरं-
 गभंगुररविकिरणतरुणयोहियअकोसायतपडमगभी-
 रवियडणाभे साहयसोणदमुसलदप्पणणिकुरियवर-
 कणगङ्गकुरुरिसवरवइरवलियमज्जे पमुइयधरतुर-
 गसीहधरवट्टियकडी वरतुरगसुजायसुगुज्जभदेसे
 आइरणहउव्व निरुवलेवे वरधारणतुल्लविक्रमधिल
 सिधगई गयमसणसुजायसन्निभोरु समुग्गणिम-
 गगूढजाणू एणीकुरुविदावत्तवट्टाणुपुव्वजघे सठिय-
 सुमिलिद्ध विमिद्ध गूढगुप्फे सुप्पइट्टियकुम्भचारु
 चलणे अणुपुव्वसुसहयगुलीण उणयतणुतपणिद्ध
 णक्खे रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतले अट्टसह-
 स्सवरपुरिसलक्खणधरे नगनगरमगरसागरचक्षुरुवरं-

गमगल कियचलणे तिसिद्धरूवे द्रुयवहनिधूमजलि-
 यतद्वितद्वियतरुणरविकिरणसरिसनेण अणासवे
 अममे अकिंचणे छिन्नमोण निरुयलेये ववगयपेमरा-
 गदोसमोहे निग्गथस्स पउपणस्म देमए सत्थनापणे
 पहट्ठावए ममणगपई ममणगविंदपरियट्ठए चउत्ती-
 सयुद्धवपण,इसंमपत्ते पणतोससत्थययणाइमेस-
 पत्ते आगासगएण चक्खेण आगासगएण छत्तेण
 आगाभियाहि चामरारिं आगासफालियामण्ण
 मपायवोद्वेण सींहासणेण धम्मज्झाण्ण पुराओ पक
 द्विज्जमाणेण (चउइसहि ममणसाहस्सोहि छत्ती-
 साए अज्जियामाहस्सोहि) सध्दिमपरियुडे पुट्ठा-
 णुपुट्ठिव चामाणे गामाणुग्गाम दूइज्जमाणे सुहसुहेण
 विहरमाणे चवाए णपराए चहिवा उयणगरग्गाम
 उवागए चप नरिपुएण भइ चेइय समोसरिउकामे॥

(सू. ११) तण्ण से पवित्तिगाउए इमीसे
 कहाए लद्धे समाने इट्ठ तुट्ठचित्तमाणदिए पीइमणे
 परमसामणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए एहाए
 कयपल्लिगम्मेकयकोउयमगलपायछित्तोसुट्ठप्पावेसाह
 मगलाइ वत्थाइ पवरपरिणिए अप्पमहग्घाभरणात्त-
 कियसरारे सयाओ गिहाओ पडिणिस्सवमइ मयाओ
 गिहाओ पडिणिस्सवित्ता चगाए णयरीए मज्झ

मज्जेण जेणेव कोणियस्स ररणो गिहे जेणेव घा-
हिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव कूणिए राया भभ-
मारपुत्ते तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता
करयलपरिगग्रियं सिरसावत्त मत्थए अजलि कट्ठु
जण विजएण वद्धावेइ २ एव घयासीः—

जस्स णं देवाणुप्पिया दसण कस्सति जस्म ण
देवाणुप्पिया दसणं पोत्ति जस्स ण देवाणुप्पिया
दसण पत्थति जस्म ण देवाणुप्पिया दसण अभि-
लसति जस्स ण देवाणुप्पिया णामगोयस्सवि सब-
णयाए णट्ठतुट्ठ जाव हियया भवति, से ण समणे
भगव महावीरे पुब्बाणुप्पिवि चरमाणे गामाणुग्गाम
दूइज्जमाणे चपाए णयरीए उवणगरग्गाम उवागए
घप णगरि पुण्णभइ चेइय समोमरिउकामे, त
एव देवाणुप्पियाण पिपट्ठयाए पिय णिवेडेमि, पियं
ते भवउ ॥

(सू० १०) तए ण से कूणिए राया
भभसारपुत्ते तस्स पवित्तिवाउयस्स अतिए
एयमट्ठ सोचा निसग्गम णट्ठतुट्ठ जाव हियए]
वियसियउरकमलणयणवयणे पयलिवरकडगतुडि-
यकेयूरमउडकडलहारविरायतरइयवच्छे पालघपल
घमाणघोलतभूसणघरे ससभभ तुरिय चवल नरिदे

सीहासणाओ अन्मुद्धेइ २ स्ता पायपीठाओ पच्चो-
 रुहइ २ स्ता [वेरुलियवरिद्धरिद्धअजणनिउणोविय-
 मिसिमिसितमणिरयणमडियाओ] पाउयाओ
 ओमुयइ २ स्ता अघरहु पच रायककुहाइ, तजहाः -
 (१) खग्ग (२) छत्त (३) उप्फेस (४) वारणाओ
 (५) वालवीयण गगसाडिय उत्तरासग करेइ २ स्ता
 आयते चोक्के परमसुइभूण अजलिमउलियगहत्थे
 तित्थगराभिमुहे मस्तइ पयाइ अणुगच्छइ सत्तठ
 पयाइ अणुगच्छिस्ता वाम जाणु अचेइ वाम जाणु
 अचेत्ता दाहिण जाणु धरणितलसि साहहु तिक्खु-
 स्तो मुद्धाण धरणितलमि निवेसइ २ स्ता ईसि पच्चु-
 णमइ पच्चुणमिस्ता कडगतुटियधभियाओ
 मुयाओ पडिस्ताहरइ २ स्ता करयल जाव कहु
 एव वयासी —

णमोऽत्थु ण अरिहताण भगवताण आइगराण
 तित्थगराण सयसमुद्धाण पुरिसुत्तमाण पुरिससी-
 हाण पुरिसिवरपुडरीयाण पुरिसवरगघट्थीणलोगुत्त
 माण लोगनाहाण लोगहियाण लोगपईचाण लोगप-
 ज्जोयगराण अभयदयाण चरुखुदयाण मग्गदयाण
 मरणदयाण जीवदयाण घोहिदयाण धम्मदयाण
 धम्मदेसयाण धम्मनायगाण धम्मसारहीण धम्मवर-

चाउरतचक्रवद्दीणं दीवो ताण सरणं गई पइट्ठा अप्प-
 डिह्यवरनाणदसणधराण वियट्छउमाण जिणाण
 जावयाण तिरणाण तारयाण बुद्धाण बोहयाण मुत्ताण
 मोघगाणं मन्वणूण सन्वदरिसीण सिवमयलमरुय-
 मणतमक्खयमब्बा धाहमपुणरावत्ति सिद्धिगइणा-
 मधेयं ठाणं सपत्ताणं, नमोऽत्थु, ण समणस्स भगवओ
 महावीरस्स आदिगरस्स तित्थगरस्स जाव सपावि-
 इकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स, वदामि
 ण भगवत्त तत्थ गय इहगण, पासउ मे [समे] भगव
 तत्थगण इहगयति कट्ठुवदइणमसइ वदित्ता णमसित्ता
 सोहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे निसीयइ, निसीइत्ता
 तस्स पवित्तिवाउयस्स अट्ठुत्तर सयसइस्सं पीइदाण
 दलयइ, दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता
 सम्माणित्ता एवं वयासी—

जया ण देवाणुत्पिया । समणे भगव महावीरे
 इहमागच्छेज्जा इह समोसरिज्जा इहेव चपाण णय-
 रीण वट्ठिया पुण्णभहे चेइए अहापटिस्सुव उग्गाहं
 उग्गिण्हित्ता [अरहा जिणे केवली समणगण-
 परिवुडे] सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे
 विहरेज्जा तथा ण मम एयमट्ठ निवेदिज्जासित्ति
 कट्ठु विसज्जिण ॥

(सू० १३) तए ण समणे भगव महावीरे
 कल्ल पाउल्लभायाए रयणीए फुल्लुपल्लकमलकोमलु-
 म्मिलियमि अहापदुरे पहाए रत्तसोगल्लगासकिमुय-
 सुयमुहगुजद्वरागसरिमे कमलागरसट्ठोहए उट्ठिय-
 म्मि सुरे सहस्सरसिंमि दिणयरे तयसा जलंन []
 जेणेव चपा णयरी जेणेव पुरेणमहे चेहए []
 तेणेव उवागच्छइ ५ सा अहापटिरुव उगार उगि-
 ण्हत्ता [] सजमेए तवमा अप्पाण भावेमाणे
 विहरइ ॥

(सू० १४) तेण कालेण तेण समण समणम्म
 भगवओ महावीरस्स अतेयासी रहरे समणा भग-
 वतो अप्पेगइया उग्गपव्वइया भोगपव्वइया राह-
 णणायकोरव्वत्तियपव्वइया भद्धा जोहा सेणा-
 च्छे पसत्थारो सेट्ठी इव्वा अरणे ॥ पहवे एवमा-
 इणो उत्तमजाइकुलरुवविणयविरणाणदणलाव-
 णविद्धमपहाणसोभगगतियुत्ता बहुधणघणणि-
 चयपरियालफिड्डिया णरवडगुणाडरेगा इच्छियभोगा
 सुहसपल्ललिया किपागफलोवम च मुणियविसय
 सोरुग्ग जलनुज्जुयसमाण कुसग्गजलधिन्दुचचल
 जीविय य णाऊण अद्दुधुमिण रयमिउ पडग्गलग
 सविदुणित्ताण चइत्ता हिरण जाव [] पव्वइया,

अप्पेगइया अद्वमासपरिआया अप्पेगइया मासय-
रिआया-एव दुमास तिमास जाव एक्कारस अप्पेग-
इया वासपरिआया दुवास निवास अप्पेगइया अणे-
गवासपरिआया संजमेण तवसा अप्पाण भावमाणा
विहरंति ॥

(सू १५) तेण कालेण तेणं समण्ण ममणस्स
भगवओ महावीरस्स अतेवामी पएवे निग्गथा
भगवतो अप्पेगइया आभिणिवाहियणाणीं जाव
केवलणाणो अप्पेगइया मणवलिया वयवलिया
काययलिया [] अप्पेगइया मणेण सावाणुग्गह-
समत्था [] अप्पेगइया गेलोमहिपत्ता एवं जल्लो-
सहि विप्पोसहि आमोमहि मव्वोसहि अप्पेगइया
कोवुद्धो एव बोयवुद्धो पडवुद्धि अप्पेगइया पयाणु
सारो अप्पेगइया सभिन्नसोया अप्पेगइया ग्धीरा-
सवा अप्पेगइया मट्टयासवा अप्पेगइया सप्पिया
सवा अप्पेगइया अरुणीणमहाणसिया एवं उज्जु-
मई अप्पेगइया विउलमई विउव्वणिट्ठिपत्ता चारणा
विज्जाहरा आगासाट्ठवार्ईणो, अप्पेगइया कणगावलं
तवोरम्म पटिवण्णा एव एगावलि रुद्धागसीहनि-
क्कीलिय तवोरम्म पटिवण्णा अप्पेगइया महालय
सीहनिक्कीलिय तवोरम्म पटिवण्णा भइपडिम महा-

भद्रपट्टिमं सव्यश्चोभद्रपट्टिमं आयविलवध्दमाण
 तवोरुम्म पट्टिवण्णा मासिय भिक्खुपट्टिम एव
 दोमासिय पट्टिम तिमासिय पट्टिम जाव सत्तमा-
 मिय भिक्खुपट्टिम पट्टिवण्णा अप्पेगइया पट्टमं
 सत्तराइदिय भिक्खुपट्टिम पट्टिवण्णा जाव तवस-
 त्तराइदिय भिक्खुपट्टिम पट्टिवण्णा अहोराइदिय
 भिक्खुपट्टिम पट्टिवण्णा एक्कराइदिय भिक्खुप-
 ट्टिम पट्टिवण्णा मत्तसत्तमिय भिक्खुपट्टिम अट्ठ-
 अट्ठमिय भिक्खुपट्टिम णवणवमिय भिक्खुपट्टिमं
 दसदसमिय भिक्खुपट्टिम [] खुड्डिय मोयपट्टिमं
 पट्टिवण्णा महल्लिय मोयपट्टिम पट्टिवण्णा जवमज्झ
 चदपट्टिम पट्टिवण्णा बहर (वज्ज) मज्झ चदपट्टिम
 पट्टिवण्णा [] सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा
 विहरति ॥

(सू. १६) तेण कालेण तेण समणस्स समणस्स
 भगवश्चो महावीरस्स अनेवामी बह्वे धेरा भगवतो
 जाइसपण्णा कुलसपण्णा बलसपण्णा रुवसपण्णा
 त्रिणयसपण्णा णाणसपण्णा दमणसपण्णा चरित्त
 सपण्णा लज्जासपण्णा ताघसपण्णा ओयस
 तेयंसी वच्चसी जससा जियकोटा जियमाण
 जियमाया जियलोभा जियइदिया जियणिहा जिय

रोसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का वयप्पहाणा
 गुणप्पहाणा करणप्पहाणा चरणप्पहाणा णिग्गहप्प-
 हाणा निच्छयप्पहाणा अज्जवप्पहाणा मद्वप्पहाणा
 लाघवप्पहाणा सतिप्पहाणा मुत्तिप्पहाणा विज्जा-
 पहाणा मतप्पहाणा वेयप्पहाणा यभप्पहाणा नय-
 प्पहाणा नियमप्पहाणा सच्चप्पहाणा सोयप्पहाणा
 चान्वयणा लज्जातवस्सोजिइंदिया सोही अणियाणा
 अप्पुस्सुया अप्पहिल्लेसा अप्पडिल्लेस्सा सुसामण-
 रया दत्ता इणमेव णिग्गथ पावयण पुरश्चोकाडं
 विहरति [] ।

तेसि ण भगवताणं आयावायावि विदिता
 भवति परवाया विदिता भवति आयावाय
 जमइत्ता नलवणमिव मत्तमातगा अच्छिद्वपसिण-
 वागरणा रयणकरटगसमाणा कुत्तियावणभूया पर-
 वादियमइणा [] दुवालसगिणो समत्तगणिपिडग-
 धरा सव्वरुक्खरसरिणवाइणो सव्वभासाणुगामिणो
 अजिणा जिणसकासा जिणाइव अचित्त वागर-
 माणा सजमेण तवसा अप्पाणभावेमाणा विहरति ॥

(सू. १७) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
 भगवगो महावीरस्म अनेवासी बह्वे अणगारा
 भगवंतो हरियासमिया भासासमिया एसणसमिया

आयाणभटमत्तनिकम्बेवणाममिया उच्चारपासव-
णनेलसिंघाणजल्लपारिद्धाणियासमिया मणगुत्ता
वयगुत्ता फायगुत्ता गुत्ता गुत्तिदिया गुत्तवभयारी
अममा अकिंचणा [] छिण्णग्गया छिण्णमोया
निम्बलेया कसपाईव सुत्ततोया सख इव निरगणा
जीयो विअ अपटिहयगई जच्चरुणगपिव जाय-
रूवा, आदरिसफलगा इव पागडभाव कुम्भो इव
गुत्तिदिया पुफत्तरपत्त व निम्बलेया गगणमिष नि-
रालगणा अणिलो इव निरालया चदो इव सोम-
लेसा सरो इव दित्ततेया सागरो इव गभीरा विहग
इव सव्वओ विप्पसुत्तका मदरो इव अपरुपा सार-
यसलिल इव सुद्धतियया गग्गिधिसाण व तग-
जाया भाट्टपम्मी व अप्पमत्ता कुजरो इव सोदीरा
यसभो इव जायत्वामा सीतो इव बुद्धरिसा वसु-
धरा इव मव्वफासनिमहा सुहयहयासणे इव
तेपमा जलता ।

नत्थि ण तेसिण भगवताण कत्थइ पटिगधे
भवइ, से य पडिपधे चउट्ठिहे पणत्ते, त जहा-
दव्वओ गित्तओ कालओ भावया, दव्वओ ण
सचित्ताचित्तमीसिण्णसु दव्वेसु, गेत्तओ गामे वा
एणरे वा एण्णे वा रेत्ते वा गेले वा घरे वा अगणे

वा, कालयो समण वा आवलियाण वा जाव
[] अयणे वा अणयरे वा, दीहकालसजोगे,
भावयो कोहे वा माणे वा मायाण वा लोहे वा
भए वा हासे वा, एव तेसि ण भवड ।

ते ण भगवतो वासावासवज्ज अट्ट गिम्हहे-
मतियाणि मासाणि नामे एगराइया णयरे पच-
राइया वासीचन्दण समाणकप्पा समलेट्टुकवणा
समसुहदुस्सा इहलोगपरलोगअप्पडियद्धा संसार-
पारगामी कम्मणिग्घायणट्टाए अम्भुट्टिया विह-
रति [] ।

(सू १८) तेमि ण भगवताण एण्णं विहा-
रेणं विहरमाणाण इमे एयारूवे अन्निभतरयाहिरए
त्तवोवहाणे होत्था, त जहा-अन्निभतरण (वि)
छव्विहे, याहिरण वि छव्विहे ॥

(सू १९) से कि त याहिरण ? २ छव्विहे
पणत्ते, त जहा-(१) अणसणे (२) उणो (ओघमो)
अरिया (३) भिरुत्तायरिया (४) रसपरिच्चाए (५)
कायकिलेसे (६) पडिसंलीणया । से कि त अणसणे ?
२ दुविहे पणत्ते, त जहा-(१) इत्तरिए, य (२)
आवरुहिए य । से कि त इत्तरिए ? अणेगविहे,
पणत्ते, त जहा-(१) चउत्थमत्ते (२), छट्ठमत्ते

(३) अष्टमभक्ते (४) दसमभक्ते (५) बारसभक्ते (६) चउदसभक्ते (७) सोलसभक्ते (८) अद्वमासिण भक्ते (९) मासिण भक्ते (१०) दोमासिण भक्ते (११) तेमासिण भक्ते (१२) चउमासिण भक्ते (१३) पंचमासिण भक्ते (१४) छम्मासिण भक्ते, से त इत्तरिए । से कि त आचकणि १ २ दुविहे पणत्ते, त जहा-(१) पाओवगमणे य (२) भत्तपच्चकखाणे य । से कि त पाओवगमणे १ २ दुविहे पणत्ते त जहा-(१) थाघाइमे य (२) निब्बाथाइमे य नियमा अप्पटिकम्मे, से त पाओवगमणे । से कि त भत्तपच्चकखाणे १ २ दुविहे पणत्ते, त जहा-(१) थाघाइमे य (२) निब्बाथाइमे य नियमा मपट्टिकम्मे, से त भत्तपच्चकखाणे, से त अणसणे ।

से किं त ओमोयरियाओ १ दुविहा पणत्ता, त जहा-(१) दब्बोमोयरिया य (२) भाघोमोअरिया य, से किं त दब्बोमोअरिया १ २ दुविहा पणत्ता, त जहा-(१) उवगरणदब्बोमोअरिया य (२) भत्तपाणदब्बोमोअरिया य । से कि त उवगरणदब्बोमोअरिया १ २ तिविहा पणत्ता, त जहा-(१) एगे चत्थे (२) एगे पाण (३) चिपत्तोवकरणसाइज्जणया, से त उवगरणदब्बोमोअरिया । से

किं त भत्तपाणदब्बोमोयरिया ? २ अणेगविहा
 पणत्ता, त जहा-(१) अट्ट कुस्कुडिअडगप्प-
 माणमेत्ते कवले आहारमाणे अप्पाहारे (२) दुवालस
 कुस्कुडि अडगप्पमाणमेत्त कवले आहारमाणे अव-
 द्दोमोयरिया (३) मोलस कुस्कुडिअडगप्पमाणमेत्ते
 कवले आहारमाणे दुभागपत्तोमोयरिया (४) चउवोस
 कुस्कुडिअडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पत्तो-
 मोयरिया (५) एकत्तीस कुस्कुडिअडगप्पमाण-
 मेत्ते कवले आहारमाणे किंचूणोमोयरिया (६)
 पत्तीसं कुस्कुडिअडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे
 पमाणपत्ता (७) एत्तो एणेण वि घासेण ऊणय
 आहारमाहारेमाणे मसणे णिग्गथे णो पकामरस-
 भोईत्ति वत्तव्व सिया, से त भत्तपाणदब्बोमोय-
 रिया, से त दब्बोमोयरिया । से कि त भावोमो-
 यरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता त जहा-(१)
 अप्पकोहे (२) अप्पमाणे (३) अप्पमाण (४) अप्प-
 तोहे (५) अप्पमहे (६) अप्पभक्के, से त भावो-
 मोयरिया, से तं ओमोयरिया । से कि त भिक्खा-
 यरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, त जहा-(१)
 दब्बाभिग्गहचरण (२) ऐत्ताभिग्गहचरण (३) का-
 लाभिग्गहचरण (४) भावा भिग्गहचरण (५) उक्खि-

तचरण ६) निक्खित्तचरण (७) उम्भित्तनिक्खित्तचरण (८) निक्खित्तउम्भित्तचरण (९) वहिज्जमाणचरण (१०) साहरिज्जमाणचरण (११) उवणीयचरण (१२) अवणीयचरण (१३) उवणीयअवणीयचरण (१४) अवणीयउवणीयचरण (१५) ससट्ठचरण (१६) अससट्ठचरण (१७) तज्जायससट्ठचरण (१८) अणायचरण (१९) मोणचरण (२०) दिट्ठलाभिण (२१) अदिट्ठलाभिण (२२) पुट्ठलाभिण (२३) अपुट्ठलाभिण (२४) भिक्खलाभिण (२५) अभिक्खलाभिण (२६) अणगिलायण (२७) ओवणिहिण (२८) परिमियपिट्ठवाइण (२९) सुट्ठेसणिण (३०) सखायत्तिण, से त भिक्खापरिया ।

से कि त रसपरिद्याण ? २ अणोगविहे पणत्ते त जहा-(१) निट्ठियत्तिण (२) पणीयरसपरिद्याण (३) आयाभिलण (४) आयामसित्थभोई (५) अरसाहारे (६) विरसाहारे (७) अताहारे (८) पताहारे (९) लूहाहारे मे त रसपरिद्याण । मे कि त कायकिलेसे ? २ अणोगविहे पणत्ते, त जहा-(१) ठाणट्ठिइए (ठाणाइण) (२) उक्कुट्ठया सणिण (३) पडिमट्ठाई (४) वीरासणिण (५) नेसल्लिण दण्डायए लउडसाई (६) आयावण (७) थवाउडए (८) अरुट्ठयाण (९)

अणिद्वए [-] सञ्चगायपरिकम्मविभूमविप्पमुक्के,
 से त्ता फायकिलेसे । से किं त पटिसलीणया ? १
 चउच्चिहा पणत्ता, त जहा (१) इदियपटिसली-
 णया (२) रुसायपटिमलीणया (३) जोगपटिसलीणया
 (४) चियित्तमयणामंणसेवणया मे किं त इदियपटि-
 सलीणया ? २ पचचिहा पणत्ता, त जहा (१) सो-
 इदियविसयप्पयारनिरोहो वा सोइदियविमयपत्तेसु
 अत्थेसु रागदोमनिग्गहो वा (२) चर्म्मिदियविस-
 यप्पयारनिरोहो वा चर्म्मिदियविसयपत्तेसु अत्थेसु
 रागदोसनिग्गहो वा (३) घाणिदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा घाणिदियविसयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोसनिग्गहो वा (४) जिर्म्मिदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा जिर्म्मिदियविमयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोमनिग्गहो वा (५) फासिदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा फासिदियविसयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोमनिग्गहो वा, से त इदियपटिमलीणया । मे
 किं त रुसायपटिसलीणया ? २ चउच्चिहा पणत्ता
 तजहा (१) कोहम्सुदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स
 वा कोहस्स विफलीकरण (२) माणस्सुदयनिरोहो
 वा उदयपत्तस्स वा माणस्स विफलीकरणं (३)
 भायाउदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स (ताण) वा

विणश्चो (१) वेयावच्च (४) सज्जमाथो (५)
भाण (६) विडसग्गो । मे किं त पायच्छित्तो ? २
दसविहे पणत्ते, त जहा-(१) आलोपणारिहे
(२) पट्टिकमणारिहे (३) तवुभणारिहे (४)
विवेगारिहे (५) विडस्सग्गारिहे (६) तवारिहे
(७) छेदारिहे (८) मलारिहे (९) थणपट्टप्पा-
रिहे (१०) पारचिघारिहे, सं त पायच्छित्तो । से किं
त विणण् ? सत्तविहे पणत्ते, त जहा-(१) णाण-
विणण (२) दंसणविणण (३) अरिस्सविणण (४)
मणविणण (५) बडवणिण (६) कायविणण (७)
लोगोवघारविणण । से किं त णाणविणण ? पचविहे
पणत्ते, त जहा-(१) आभिणियोत्थिणणविणण
(२) सुयणाणविणण (३) ओत्थिणाणविणण (४) मणप-
ज्जवणाणविणण (५) केवलणाणविणण, संतणाण-
विणण । मे किं त दंसणविणण ? दुविहे पणत्ते,
तं जहा-(१) सुस्सूमणाविणण (२) अण्णच्चा-
सायणाविणण । मे किं त सुस्सूमणाविणण ? २
अणेगविहे पणत्ते । त जहा-(१) अज्जमुठाणे
इवा (२) आमणाभिग्गहे इवा (३) आसणप्प-
दाणे इवा (४) सक्कारे इवा (५) मम्मणो इवा
(६) किडकम्मो इवा (७) अजलिपग्गहे इवा

मायाय विफलीकरण (४) लोहस्सुदयणिरोहो वा
 उदयपत्तस्स वा लोहस्स विफलीकरण, से तं
 कसायपडिसलीणया । से किं त जोगपडिसलीणया ?
 २ तिविहा पणत्ता, तजहा (१) मणजोगपडि-
 सलीणया । (२) वयजोगपडिसलीणया (३)
 कायजोगपडिसलीणया । से किं त मणजोगपडिस-
 लीणया ? (१) अकुसलमणणिरोहो वा (२)
 कुसलमणउदीरण वा, से त मणजोगपडिसलीणया ।
 से किं त वयजोगपडिसलीणया ? (१) अकुसल-
 वयणिरोहो वा (२) कुसलवयउदीरण वा, से त
 वयजोगपडिसलीणया । से किं त कायजोगपडि-
 सलीणया ? २ जण सुसमारियपाणिपाण कुम्मो
 इव गुत्तिदिग्ग सव्वगायपडिसलीणे चिट्ठइ, से त
 कायजोगपडिसलीणया । से किं त विवित्तसयणा-
 सणसेवणया ? २ जण आरामेसु उज्जाणेषु देव
 कुलेसु सभासु पवासु पणियगिहेसु पणियसालासु
 इत्थोपसुपडगससत्तविरहियासु वसहोसु फासु-
 एसणिज्ज पोढफलगसेज्जासथारग उवसपज्जिस्ताण
 विहरइ, से त पडिमलीणया, सेत बाहिरए तवे ।

(सू० २०) से किं त अर्न्निभतरण तवे ? २
 उन्विहे पणत्ते । त जहा (१) पायच्छित्त (२)

विणश्चो (३) वेयावच्च (४) मज्झाश्चो (५)
भाणं (६) विउसग्गो । से किं त पायच्छित्तो ? २
दसविहे पणत्ते, त जहा-(१) आलोयणारिहे
(२) पडिक्कमणारिहे (३) तदुभयारिहे (४)
विचेगारिहे (५) विउस्सगारिहे (६) तयारिहे
(७) छेदारिहे (८) मूलारिहे (९) अणवट्टप्पा-
रिहे (१०) पारचियारिहे, से त पायच्छित्तो । से किं
तं विणण ? सत्तविहे पणत्ते, त जहा-(१) पाण-
विणण (२) दसणविणण (३) चरित्तविणण (४)
मणविणण (५) बइवणण (६) कायविणण (७)
लोगोवयारविणण । से किं त पाणविणण ? पच्चविहे
पणत्ते, त जहा-(१) आभिणिबोहियणाणविणण
(२) सुयणाणविणण (३) ओहिणाणविणण (४) मणप-
ज्जवणाणविणण (५) केवलणाणविणण, सेतणाण-
विणण । से किं त दंसणविणण ? दुविहे पणत्ते,
तं जहा-(१) सुस्सूसणाविणण (२) अण्णा-
सायणाविणण । से किं त सुस्सूमणाविणण ? २
अणेगविहे पणत्ते । त जहा-(१) अज्मुठाणे
इवा (२) आसणाभिगाहे इवा (३) आसणप्प-
दाणे इवा (४) सक्कारे इवा (५) मम्मणे इवा
(६) किइकम्मे इवा (७) अजलिपग्गाहे इवा

(८) एतस्स अणुगच्छणया (९) ठियस्स, पज्जु-
वासणया (१०) गच्छतस्स; पडिसमारणया, से तं
सुस्तुमणाविणए ।

१. से किं त अणच्चासायणाविणए ? २ पणयाली-
सविहे पणत्ते, त जहा—(१) अरहताण अणच्चा-
सायणया (२) अरहतपणत्तस्स धम्मस्स अणच्चा-
सायणया (३) आयरियाण अणच्चात्मयणया एवं
(४) उवज्झावाण (५) येराण (६) कुलस्स (७)
गणस्स (८) सग्गस्स (९) किरियाणं (१०) समो-
गिअस्स (११) आभिणिधोहियणाणस्स (१२) सुय-
णाणस्स (१३) ओहिणाणस्स (१४) मणपज्जवणा-
णस्स (१५) केवलणाणस्स (१५—३०) एणस्सि चेव
भत्तिवट्टमाणे (३१—४५) एणस्सि सेत्तणाण चेव
वरणस्सजलणया, से त अणच्चासायणाविणए
से त दस्सणविणए से किं त चरित्तविणए ? पचविहे
पणत्ते । त जहा—(१) सामाइयचरित्तविणए (२)
छेदोवट्ठावणियचरित्तविणए (३) परिहारमिसुद्धि-
चरित्तविणए (४) सुट्टमसपरापचरित्तविणए (५)
अत्तकम्मापचरित्त विणए, से त चरित्तविणए । से
किं त मणविणए ? दुविहे पणत्ते । त जहा—(१)
पसत्थमणविणए (२) अपसत्थमणविणए । से किं

त अपसत्थमणविणए ? जे य मणे (१) मावज्जे
(२) सकिरिण (३) सकक्कमे (४) कट्ठण (५)
णिट्ठरे (६) फस्से (७) अण्हयकरे (८) छेयकरे
(९) भेयकरे (१०) परितावणकरे (११) उद्वणकरे
(१२) भूओघघाइण तहप्पगार मणोणोपहारेज्जा,
मे तं अपसत्थमणविणण ? सेकि त पसत्थ पणोवि-
णण ? त चेव पसत्थ णेयव्व । एव चेववइवि-
णओऽवि एण्हिं पण्हिचेवणेयव्वो, से त वइविणण ।

से किं त कायविणए ? २ दुमिहे पणत्ते,
तजहा (१) पसत्थकायविणए (२) अपस-
त्थकायविणण । से किं त (२) अपसत्थ
कायविणए ? २ सत्तविहे पणत्ते, त जहा
(१) अणाउत्तं गमणे (२) अणाउत्त ठाणे
(३) अणाउत्त निमीदणे (४) अणाउत्त तुयट्ठणे
(५) अणाउत्त उल्लघणे (६) अणाउत्त पल्लघणे
(७) अणाउत्त सन्निदियकायजोगजुजणया, मे त
अपसत्थकायविणए । से किं त पसत्थकायविण ? ए
२ एव चेव पसत्थ भाणियव्व, से त पसत्थ-
कायविणण, से त कयाविणए । से किं त
लोगोवयार- विणए ? २ सत्तविहे पणत्ते ।
त जहा-(१) अन्भासवत्तिय (२) परच्छदाणु-

वत्तिय (३) कज्जहेउ (४) कयपडिकिरिया (५) अत्त-
गवेसणया (६) देसकालण्णया (७) सन्नहेसु अप्प-
डिलोमया, से त लोगोवयारविणए, से त विणए ।

से किं त वेयावच्चे ? २ दसविहे पणत्ते ।

त जहा—(१) आयरियवेयावच्चे (२) उवज्झापवे-
यावच्चे (३) सेहवेयावच्चे (४) गिलाणवेयावच्चे (५)
सयस्सिवेयावच्चे (६) थेरवेयावच्चे (७) साहाम्मिय-
वेयावच्चे (८) कुलवेयावच्चे (९) गणवेयावच्चे (१०)
सघवेयावच्चे, से त वेयावच्चे । से किं त सज्झाण ?

२ पचविहे पणत्ते, त जहा—(१) वायणा (२) पडि-
पुच्छणा (३) परियट्ठणा (४) अणुप्पेहा (५) धम्म-
कहा, से त सज्झाण । से किं त भाणे ? चउ-
व्विहे पणत्ते, त जहा—(१) अट्ठज्झाणे (२) रुह-
ज्झाणे (३) धम्मज्झाणे (४) सुफज्झाणे । अट्ठ-
ज्झाणे चउव्विहे पणत्ते, त जहा—(१) अमणु

णसपयोगसपउत्तेतस्स विप्पयोगस्सतिसमण्णा-
गण्याविभवइ, (२) मणुणसपयोगसपउत्ते तस्स
अविप्पयोगस्सतिसमण्णापण यावि भवइ (३)
आपरुसपयोगसपउत्ते तस्स विप्पयोगस्सतिसम-
ण्णागण यावि भवइ (४) परिजूसियकाम भोग-
सपयोगसपउत्ते तस्स अविप्पयोगस्सतिसमण्णा-

गए यावि भवइ । अदृस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणा पएणत्ता, त जहा—(१) कदणया (२) सोयणया (३) तिप्पणया (४) विलवणया । रुद्धज्जाणे चउन्विहे पएणत्ते, त जहा—(१) हिंसाणुवधी (२) मोसाणुवधी (३) तेणाणवधी (४) सारक्कणणुवधी । रुद्धस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणा पएणत्ता, त जहा—(१) उमएणदोसे (२) बह्मुदोसे (३) अएणाणदोसे (४) आमरणतदोसे । धम्मज्जाणे चउन्विहे चउप्पडोयारे पएणत्ते, तं जहा—(१) आणाविजण (२) अवायविजण (३) विवागविजण (४) सठाणविजण । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणा पएणत्ता, त जहा—(१) आणारुई (२) णिसग्गरुई (३) उवएसरुई (४) सुत्तरुई । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि आलंयणा पएणत्ता, त जहा—(१) वायणा (२) पुच्छणा (३) परियट्ठणा (४) धम्मकहा । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पएणत्ताओ, त जहा—(१) अणिच्चाणुप्पेहा (२) असरणाणुप्पेहा (३) एगत्ताणुप्पेहा (४) ससाराणुप्पेहा । सुक्कज्जाणे चउन्विहे चउप्पडोयारे पएणत्ते, त जहा—(१) पुट्टत्तवियक्केसवियारी (२) एगत्तवियक्के अवियारी (३) सुहुमफिरिए अण्णडिवाई (४) समु-

छिन्नकिरिण्यणियद्वी । सुकस्त ण भाणस्स चत्तारि
लङ्गवणा, पणत्ता, त जहा—(१) विवेगे (२)
विउसग्गे (३) अज्जहे (४) असम्मोहे । सुकस्त ण
भाणस्स चत्तारि आलवणा पणत्ता, त जहा—
(१) ग्गनी (२) मुत्तो (३) अज्जवे (४) महवे ।
सुकस्म ण भाणस्स चत्तारी अणुप्पेहाओ पणत्ताओ,
त जहा (१) अयायाणुप्पेहा (२) असुभाणुप्पेहा
(३) अणतचित्तिपाणुप्पेहा (४) विप्परिणामा-
णुप्पेहा, मे त भाणे ।

— से किं त विउस्सग्गे ? २ दुविहे पणत्ते, त
जेहा (१) दब्बविउस्सग्गे (२) भावविउस्सग्गे य ।
मे किं त दब्बविउस्सग्गे ? २ चउच्चिहे पणत्ते,
त जहा (१) मरीरविउस्सग्गे (२) गणविउस्सग्गे
(३) उव्हिविउस्सग्गे (४) भत्त पाण विउस्सग्गे,
से त दब्बविउस्सग्गे । मे किं त भावविउस्सग्गे ? २
तियिहे पणत्ते, त जहा (१) कसायविउस्सग्गे
(२) सत्तायविउस्सग्गे (३) कम्मविउस्सग्गे । से
किं त कसायविउस्सग्गे ? २ चउच्चिहे पणत्ते,
त जहा — (१) कोहकसायविउस्सग्गे (२)
माणकसायविउस्सग्गे (३) मायाकसायविउस्सग्गे
(४) खोहकसायविउस्सग्गे, से त कसायविउस्सग्गे ।

से किं त ससारविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पणत्ते,
त जहाः—(१) णेरइयससारविउस्सग्गे (२)
तिरियससारविउस्सग्गे (३) मणुपससारविउ-
स्सग्गे (४) देवससारविउमग्गे, से त ससार-
विउस्सग्गे, से किं त कम्मविउस्सग्गे ? ३ अट्ठ-
विहे पणत्ते, त जहाः—(१) णाणावरणिज्ज-
कम्मविउस्सग्गे (२) दरिसणावरणिज्जकम्मविउ-
स्सग्गे (३) वेयण्णिज्जकम्मविउस्सग्गे (४) मोह-
णीयकम्मविउस्सग्गे (५) आउयकम्मविउस्सग्गे
(६) णामकम्मविउस्सग्गे (७) गोयकम्मविउस्सग्गे
(८) अंतरायकम्मविउस्सग्गे, से त कम्मविउ-
स्सग्गे, स त भावविउस्सग्गे से त विउस्सग्गे ।

(सू० २१) तेण कालेण तेण समएण समणस्स
भगवओ महावीरस्स धएवे अणगारा भगवता
अप्पेगइया आयाएधरा जाव विवागसुयधरा
तत्थ तत्थ तहि तहिं देसे देसे गच्छाग-
च्छिं गुम्मागुम्मि फट्ठाफट्ठि अप्पेगइया
थायंति अप्पेगइया पट्ठिपुच्छति अप्पेगइया परि-
पट्ठति अप्पेगइया अणुप्पेहति अप्पेगइया अक्खे-
वणीओ विक्खेवणीओ सवेयणीओ णिव्वेयणीओ
अउव्विहाओ कहाओ कहति अप्पेगइया उट्ठजाणू

णिद्ध तधोयतस्ततवणिज्जरस्ततलतालुजीहा श्रंजण
 घणकसिणम्यगरमणिज्जणिद्धकेमा वामेगकुडलधरा
 अइचदणाणुलित्तगत्ता । ईसिमिलिधपुष्फप्पगासाइ
 सुहुमाइ असकिलिद्धाइ सुहुमाइ चत्याइ पवरपरि-
 रिया घघ च पदम समइक्कता चिइय चवय असपत्ता-
 भदे जोव्वणे घट्टमाणा तलभगयतुडियपवरभूसण-
 निम्मलमणिरयणमडियभुया दम्ममुद्दामडियग्गहत्था
 चूलामणिचिंघगया सुग्गा महडिडियां महज्जुइया
 महव्यला महायसा महासोक्खा मटाणुभागा हार-
 विरायवच्छा कडगतुडियथभियभुया अगयकुडल-
 मट्टगडतलाकण्णापीढधारी विचित्तवत्थाभरणा
 विचित्तमालामउलिमउटा कल्लाणगयपवरवत्थपरि-
 हिया कल्लाणगयपवरमल्लाणुलेवणा भासुरयोदी
 पलपवणमालधरा । दिव्वेण वण्णेण, दिव्वेण
 गघेण, दिव्वेण रूवेण—दिव्वेण फासेण दिव्वे-
 ण सघाण (घघणे) ण दिव्वेण सठाणेण दिव्वाए
 इट्ठीए दिव्वाए जुत्तीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए
 दिव्वाए अघीए दिव्वेण दिव्वेण तेएण दिव्वाए
 लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा
 समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय आगम्मा-
 गम्म रत्ता समण भगव महावीर तिक्खुतो आ-

याहिण पयाहिण करेइ २ ता वदति णमसति
[वदिता] णमसित्ता ण च्चासएणेणाइदूरे सुस्स-
समाणा णमसमाणा अभिमुहा णिणएण पजलिउडा
पज्जुवासति ॥

(सू० २३) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
भगवओ महावीरस्स पत्तवे असुरिदवज्जिया भव-
णवामी देवा अतिय पाउब्भवित्था णागपइणो
सुवएणा विज्जू अग्गीया दीवा उदहो विसाकुमारा
य पवणथणिया य भवणवामी णागफडागरुलवय-
रपुणकलसमीहयगयमगरमउडवद्धमाणिज्जुत्त-
विचित्ताचियगया सुरूवा महिड्ढिया सेमत चेव
जावपज्जुवासति ॥

(सू० २४) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
भगवओ महावीरस्स पत्तवे चाणमतरा देवा अतियं
पाउब्भवित्था पिसायभूया य जेस्सवरग्गसा किंन-
रकिंपुरिसभुयगपइणो य महाकाया गघव्वणिकाय-
गणा णिउणगघव्वगीयरइणो अणपरिणय पणपणि-
यइसियादियभूयवादियकदियमहाकदिया य कुहंड-
पयण्यदेवा सचलचवलचित्तकीलणदवप्पिया गभीरह-
सियभणियपीयगीयणच्चणरई वणमालामेलमउड-
कुडलसच्छदविउव्वियाहरणचारुविभूसणधरा स-

व्योउयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोभंतकनवियसत-
चित्तायणमागरइयवच्छा कामगमी कामरूषधारी

जिणदंसणुस्सुयागमणजणियहासा पालगपुप्फगसो-
मणसमिमिरिवच्छणदियावत्तकामगमपीइगममणो-
गमविमलसव्वओमइसरिसणामवेज्जेहिं विमाणेहिं
ओइएणा वदगा जिणिदंमिगमहिसवराहृछगलदइदु-
रहयगयवडभुयगखग्गउसभंकविडिमपागडियचिय-
मउडा पसिडिलवरमउडतिरीडधारी कुंडलउज्जोवि-
याणणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पडमपम्हगोरा
सेया सुभयएणगघफामा उत्तमवेउव्विणो त्रिघहव-
त्थगधमल्लधारी महिडिडया महज्जुतिया जाव पज-
लिउडा पज्जुवासति [] ॥

(सू० २७) तएण चपाए णयरीए सिंघाडगतिगच
उक्कचवरचउम्मुहमहापरपहेसु मइया जणमदे इ वा
[] जणपूहे इ वा जणयोले इ वा जणकलकले इ वा
जणुम्मीतिया जणुक्कलिया इ वा जणससिण चाए
इवा यहुजणो अएणमएस्स एवमाइक्खइ एव भासइ
एव पएणवेइ एव पक्खेइ—“एव एतु देवाणु-
प्पिया ! समणे भगव महावीरे आइगरे तित्थ-
गरे मयसबुद्धे पुरिसुत्तमे जाव सपाविउक्कामे पुव्वा-
णुपुव्वि चरमाणे गामाणुग्गामं दइज्जमाणे इहमा-
गए इहसपत्ते इह समोसडे इहेव चपाए णयरीए
धारिं पुएणमदे चेइए अरापडिरूव उग्गहं उग्गि-

वज्रोदयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोभतकृतवियसंत-
चित्तगणमालरइयवच्छा कामगमी कामरूवधारी
णाणाविहवण्णरागवरवत्थचित्तचित्तयणियसणा वि-
चिह्देसीणेवत्थगगहियवेसा पमुइयकदप्पकलहकेली-
कोलाहलप्पिया हासयो लवट्टला अणेगमणिरयणवि-
चिह्णिज्जुत्तविचित्तविचिगया सुरूया महिद्धिया
जाय पज्जुवासति ॥

(सू० २५) तेण कालेण तेण समणण ममणस्स
भगवद्धो महावीरस्स (घट्टमाणस्स) पहवे जोइमिया
देवा अतिय पाउब्भवित्था, विहस्मती चदसूरसुफस-
णिच्छरा राहु धूमकेतुपुहा य अगारका य तत्ततयणि
ज्जकणगयणा जे य गहा जोइसमि चार चरति केऊ
य गइरइया अट्टाचीमविहा य णग्गस्सदेवगणा
णाणासठाणसठियाओ ण पचवण्णाओ ताराओ
ठियलेस्सा चारिणोय अविम्साममट्ठलगई पत्तेय-
णामकपागडियचिधमउत्ता महिद्धिया—जाय प-
ज्जुवासति ॥

(सू० २६) तेण कालेण तेण समणण समणस्स
भगवद्धो महावीरस्स वेमाणिया देवा अतिय पाउब्भ-
वित्था सोहम्मीमाणसणकुमारमाहिंदयभलतगमहा-
सुफस हस्साराणपपाणयारणअच्चुयवई पहिट्ठा देवा

जिणदंसणुस्सुयागमणजणियहासा पालगपुप्फगसो-
मणसमिमिरिवच्छणदियावत्तकामगमपीइगममणो-
गमचिमलसब्बओभइसरिसणामवेज्जेहि विमाणेहि
ओइएणा वदगा जिणिंदंमिगमहिसवराहएगलदइदु-
रहयगयवइभुयगखग्गउसभकविद्धिमपागडियचिघ-
मउडा पसिदिलवरमउडतिरीडधारी कुंडलउज्जोवि-
याणणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा
सेया सुभवणगघफाम्मा उत्तमवेउव्विणो विउहव-
त्थगघमल्लधारी महिडिइया महज्जुतिया जाय पज-
लिउडा पज्जुवासति [] ॥

(सू० २७) तए ण चपाए णयरीए सिंघाडगतिगथ
उक्कचवरचउम्मुहमहापहपरेसु मएया जणमहे इ वा
[] जणरूहे इ वा जणयोले इ वा जणकलरूले इ वा
जणुम्मीतिवा जणुक्कलिया इ वा जणसणिण चाए
इवा यहुजणो अएणमएस्स एवमाइक्खइएव भासइ
एव पएणवेइ एव परूवेइ—“एव खलु देवाणु-
प्पिया ! समणे भगव महावीरे आइगरे तित्थ-
गरे मयसबुद्धे पुरिसुत्तमे जाय सपात्रिकामे पुण्या-
णुपुडिंय चरमाणे गामाणुग्गाम दूइज्जमाणे इहमा-
गए इहसपत्ते इह समोसदे इहेव चपाए णयरीए
यार्हि पुएणभहे चेइए अहापडिरूव उग्गहं उग्गि-

ध्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोमतकतवियसत-
चित्तरणमालरइयवच्छा कामगमी कामरूवधारी
णाणाविहवणरागवरवत्यचित्तचित्तयणियसणा वि
विहदेसीणेवत्थग्गहियवेसा पमुइयकदप्पकलहकेली-
फोलाहलपिया हासवोलवटुला अणोगमणिरयणावि-
विहणिज्जुत्तविचित्तचिंघगया सुरूया महिद्धिया
जाव पज्जुवासति ॥

(सू० २५) तेण कालेण तेण समएण ममणस्स
भगवथो महावीरस्स (घट्टमाणस्स) पहवे जोइसिया
देवा अतिय पाउब्भवित्था, विहस्सती घट्टमूरसुक्कस-
णिच्छरा राट्ट धूमकेतुवुरा य अगारकाय तत्ततवणि
ज्जकणगवण्णा जेय गहा जोइसमि चार चरति केऊ
य गहरइया अट्टावीमविहा य णग्गयत्तदेवगणा
णाणासठाणसठियाओ य पचवण्णाओ ताराओ
ठियलेस्सा चारिणोय अग्गिस्साममड्डलगई पत्तेम-
णामकपागद्धियचिंघमउडा महिद्धिया—जाव प-
ज्जुवासति ॥

(सू० २६) तेण कालेण तेण ममएण समणस्स
भगवथो महावीरस्स वेमाणिया देवा अतिय पाउब्भ-
वित्था सोहम्मीसाणसणकुमारमार्हिदवमलतगमहा-
सुक्कस हस्साराणयपाणयारणधच्चुयवई पहिट्ठा देवा

सव्यश्चो समन्तामुंडे भविता अगाराओ अणगारिय
 पव्वइस्सामो, पचाणुव्वइय सत्तसिस्सवावइय दुवाल-
 सविह गिल्धिम्म पडियज्जिस्सामो, अप्पेगइया
 जिणभत्तिरागेण अप्पेगइया जीयमंयति रुट्ठुहाया
 कयवलिकम्मा कयकोउयमगलपायच्छित्ता []
 सिरसाकडेमालरुडा आविद्धमणिसुवण्णा कप्पिय-
 हारद्धहारतिसरयपालयपलंयमाणकडिसुत्तयसुरुय-
 सोहाभरणा पवरवत्थपरिहिया [] चदणोलित्तगा-
 यसरीरा, अप्पेगइया ह्यगया एवं गयगया रहगया
 सिपियागया सदमाणिपागया अप्पेगइया पायचिहा-
 रचारेणो पुरिसवग्गुरापरिस्सित्ता [] महया उक्कि-
 द्विसीहणायथोलकलकलरवेणपक्खुब्भियमहासमुह-
 रयभूय पिवरुरेमाणा [] चपाण्णपरीण मज्झम-
 ज्जेण पिग्गच्छन्ति २ त्ता जेणेव पुण्णभदे चेइए
 तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता समणस्स भगवश्चो महावी-
 रस्स अदूरसामते छत्तादीए तित्थयराइस्से पासति
 पासित्ता जाणवाहणाइ ठावइति [] २ त्ता जाण-
 च्वाहणेहिता पच्चोरुहन्ति पच्चोरुहित्ता जेणेव समणे
 भगव महावीरे तेणेव उवागच्छन्ति, उवागच्छित्ता
 समण भगव महावीर तिस्रुत्तो आयाहिण पया-
 हिण करेति, करित्ता वदति णमसति, वदित्ता

एहिक्ता सजमेण तवसा अण्णाण भात्रेमाणे विहरई ।
 त महप्फल खलु भो देवाणुप्पिया ! तहारूवाण
 अरहताण भगवताण णामगोयस्स वि सवणयाए,
 किमगपुण अभिगमणवदणणमसणपडिपुच्छणप-
 ज्जुवासाणयाए? पगस्स वि आयरियस्म धम्मियस्स
 सुययणस्स सवणयाए, किमग पुण विउलस्स अत्थ-
 स्स गहणयाए? त गच्छामो ण देवाणुप्पिया !
 समण भगव महावीर वदामो णमसामो सङ्कारेमो
 सम्माणेमो रुद्धाण मगल देवय चेश्य [विणएण]
 पज्जुवासामो एय णे पेवभवे इहभवे य हिपाए
 सुहाए खमाए निस्सेयमाए आणुगामियत्ताए भवि-
 स्सइत्तिकहु घहवे उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता
 एय दुपडोयारेण राइएणा [] खत्तिया माहणा
 भडा जोहा पसत्थारो मल्लई लेच्छई लेच्छईपुत्ता
 अण्णे य घहवे राईसरतलवरमाडवियकोट्टवि-
 यइन्मसेट्ठि सेणावइसत्थवाहप्पभित्तयो अप्पेगइया
 घदणवत्तिय अप्पेगइया पूयणवत्तिय एव सङ्कारव-
 त्तिय सम्माणवत्तिय दसणवत्तिय कोऊहलवत्तिय
 अप्पेगइया अट्ठविणिच्छयहेउ अस्सुयाइ सुणेस्सामो
 सुयाइ निस्सकियाइ करिस्सामो अप्पेगइया अट्ठाई
 होउइ कारणाइ वागरणाइ पुच्छिस्सामो अप्पेगइया

उत्तलोद्भयमहिय गोसीसमरसरत्तचदण जाव
 अवद्विभूय करेह कारवेह करित्ता कारवेत्ता एयमा-
 त्तिय पच्चप्पिणाहि । णिज्जाहिस्सामि ममण भगवं
 हावीर अभिवदण ॥

(सू० ३०) तए ण से बलवाडण कृणिएण
 एणा एवं युत्ते समाणे णट्टुत्तु जाव हियण करय-
 परिग्गहिय भिरसावत्त मत्थए अजलिं कट्टु एव
 यामी-सामित्ति आणाए विणएण वयण पडिसुणैह
 त्ता हत्थिवाडय आमतेह आमतेत्ता एव वयामि-
 एप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कृणियस्स रणो
 मभमारपुत्तस्स आभिसेत्तकं हत्थिरयण पडिकप्पे-
 ह ह्यगयरहपवरजोहकलिय आउरगिणिं मेणं
 मण्णाहेहि मण्णाहेत्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणाहि ।

तए ण मे हत्थिवाडण बलवाडयस्स एयमट्टु
 मोच्चा आणाए विणएण वयण पडिसुणैह पडिसु-
 णैत्ता [] छेयायरियउवणममहविकप्पणाविकप्पे-
 ह सुणिउणैहि उज्जलणेवत्थहत्थपरिवत्थिय सुस-
 ज धम्मियसरणद्धवद्धकवहयउप्पीलियकच्चवच्च-
 वेयवद्धगलवरभूसणविरायंत अहियतेयजुत्त स-
 त्तियवरकरणपूरविराइयं पलंचञ्चूलमहुयरकय-
 मयारं चित्तपरिच्छेअपच्छय पहरणावरणभरियजु-

णमस्सित्ता णच्चासणे णाहदूरे सुस्सुसमाणा णम-
समाणा अभिमुहा विणण पज्जलिउडा पज्जुगसति ॥

(सू० २८) तए ण से पवित्तिवाउण हमीसे
कहाए लद्धे समाणे हट्ठुद्ध जाव हियए एहाए
जाव अप्पमहग्घाभरणालकियसरीरे सयाओ गिहा-
ओ पडिणिम्भमइ, सयाओ गिहाओ पडिणिम्भ-
मिता चपाणधरिं मज्झमज्जेण जेणेव चाहिरिया
सब्बेव हेट्ठिला घत्तन्वया जाव णिसीयइ णिसी-
इत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अद्धत्तेरस सपसहस्सा-
इ पीइदाण दलयइ, २ ता सकारेइ सम्माणेइ सफा-
रित्ता सम्माणेत्ता पडिधिसज्जेइ ॥

(सू० २९) तए ण से कृणिण राया भम-
सारपुत्ते पलवाउय आमतइ २ ता एव वयासी-
विप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्क हत्थिर-
यण पडिकप्पेहि, हयगपरहपवरजोहकलिय च चा-
उरगिणिं सेण सण्णाहेहि, मुभद्दपमुहाण य
देवीण चाहिरियाण उयट्ठाणमालाण पाडिण्णपाडि-
एक्काइ जत्ताभिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ उवट्ठवेह
चप णपरि सन्निभतरचाहिरिय [] आसित्त-
सित्तसुइसम्मट्ठरत्थतरावणवीहिथ मचाइमचकलि-
य णाणाविहरागउच्छिउयज्झयपडागाइपडागमडिय

वाहं पञ्चुवेस्त्वेह २ ता वाहणाह सपसज्जह २ ता
वाहणाहं एणीणेह २ ता वाहणाह अप्फालेह २ ता
हसे पवीणेह २ ता वाहणाह समलकरेह २ ता
वाहणाह वरभङ्गमडियाह करेह २ ता वाहणाह
ताणाह जोएह २ ता पओयलहिं पओयधरए घ
मम आडहह २ ता वट्टमग गाहेह २ ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता बलवाउस्स
एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए एयरगुत्तिय आमतेह
२ ता एव बयासो—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया !
चपं एयरिं सन्निभतरयाहिरिय आसित्त जाव कार-
वेत्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणाहि ।

तए ण से एयरगुत्तिए बलवाउयस्स एयमह
आणाए विणएण पटिसुणेह २ ता चपं एयरि
सन्निभतरयाहिरिय आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता एयमाणत्तिय
पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए कोणियत्स रण्णो भंभ-
सार पुत्तस्स आभिसेक्क हत्थिरयण पडिकप्पिय
पामह हयगय जाव सरण्णाहिय पासह, सुभदाप
मुहाणं देवीण पडिजाणाह उवट्ठविधाह पासाह चप

द्वसज्ज सच्छत्ता सज्जकय मघट सपडाम पंचा-
 मेलयपरिमडियाभिराम ओसारियजमलजुयलघट
 विज्जुपणद्ध व कालमेह उप्पाइयपन्नय व चकमत
 मत्त [] गुलगुलत मणपवणजइणवेग भीम सगा-
 मियाओगा आभिमेक्कइत्थिरयण पडिकप्पइ पडिकप्पे
 त्ताइयगयरहपन्नरजोहकलिय चाउरगिणिं सेण स
 रणाहेइ सरणाहिता जेणेव थलवाउण तेणेव उवा-
 गच्छइ उवागच्छित्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणइ ॥

तण ण से थलवाउण जाणसालिघ सहावेइ २
 ता एव वयासी-त्विप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सु-
 भद्दापमुहाण देवीण बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए
 पाडिणक्कपाडिणक्काइ जत्ताभिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ
 उवट्ठवेइ २ ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणाहि ।

तण ण से जाणसालिए थलवाउयस्स एयमट्ठ
 आणाण विणएण वयण पटिसुणेइ २ ता जेणेव
 जाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता
 जाणाइ पच्चुवेग्गवेइ २ ता जाणाइ सपमज्जेइ २
 ता जाणाइ सउट्टेइ २ ता जाणाइ खीणेइ २ ता
 जाणाण दूमे पवीणेइ २ ता जाणाइ समलकरेइ
 २ ता जाणाइ वरभट्टगमडियाइ करेइ २ ता जेणेव
 चाहणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता [] वाह-

णाहं पञ्चुयेऽग्नेह २ ता वाहणाह सपसंज्जह २ ता
वाहणाहं णीणेह २ ता वाहणाह अष्फालेह २ ता
दूसे पयीणेह २ ता वाहणाह समलंकरेह २ ता
वाहणाहं वरभङ्गमडियाह करेह २ ता वाहणाह
जाणाह जोएह २ ता पञ्चोयलद्धि पञ्चोयघरण य
सम आडहह २ ता वटमग गाहेह २ ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता बलवाउस्स
एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए णयरगुत्तिय आमतेह
२ ता एय वयामी—त्विप्पामेव भो देवाणुप्पिया !
चप णयरिं सन्निभतरयाहिरिय आसित्त जाव कार-
वेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि ।

तए ण से णयरगुत्तिए बलवाउयस्स एयमह
आणाए विणएण पडिसुणेह २ ता चप णयरि
सन्निभतरयाहिरिय आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता एयमाणत्तिय
पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए कोणियत्स रण्णो भभ-
सार पुत्तस्स आभिमेक्क हत्थिरयण पडिरुप्पियं
पासह हयगय जाव मरणाहिय पासह, सुभद्दाप-
सुहाण देवीण पडिजाणाह उवह्वियाह पासाह चपं

णयरिं सर्गितर जाव गघवट्टिभूय कय पासइ,
 पासित्ता हट्टतुट्टचित्तमाणदिण [णदिण] पीअमणे
 जाव हियण जेणेव कूणिण राया भभसारपुत्ते तेणेव
 उवागच्छइ २ ता करयल जाव एव वयासी--क-
 प्पिए ण देवाणुप्पियाण आभिसेक्के हत्थिरयणे हय-
 गय जाव पवरजोहकलिया य आउरगिणी सेणा
 सएणाहिया सुभदापमुहाण य देवीण वाहिरियाए
 उवट्टाणसालाण पाडिण्णपाडिण्णकाइ जत्ताभिमुहा
 इ जुत्ताइ जाणाइ उवट्टावियाइ चपाणयरी सर्गित-
 तरवाहिरिया आमित्त जाव गघवट्टिभूया कया, त
 णिज्जतुण देवाणुप्पिया ! समण भगव महावीर
 अभिवदया ॥

(सू० ३१) तए ण से कूणिण राया भभसार-
 पुत्ते वलयाउयस्स अतिण ण्यमट्ट सोच्चा णिसम्म
 हट्टतुट्ट जाव हियण जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवा-
 गच्छइ २ ता अट्टणसाला अणुपविसइ २ ता
 अणेवगवायामजोगाणवामएणमल्लजुद्धरुणेहि सते
 परिस्सते मयपागसहस्सपागेहिं सुगघतेल्लमाइणहिं
 पीणणिज्जेहिं दण्णणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विह-
 णिज्जेहिं सव्विदियगायपत्तायणिज्जेहिं अग्निम-
 गेहिं अग्निमगिए समाने तेल्लचम्मसि पडिपुण-

पाणिपायसुउमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं
 दक्खेहिं पट्टेहिं कुसलेहिं मेरावीहिं निउण-
 सिप्पोवराणहिं अन्निमगणपरिमदणुव्वलणकरण-
 गुणणिम्माएहिं अट्टिसुहाए मससुहाए तयासुहाए
 रोमसुहाए चउव्विहाए सवाहणाए सवाहिण
 समाणे अवगयखेयपरिस्समे अट्टणमालाओ पडि-
 णिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव
 उवागच्छई २ ता मज्जणघर अणुव्विसई २ ता
 समुत्तजालाउलाभिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमयले
 रमणिज्जे एहाणमडवसि पाणामणिरयणमत्तिं
 सि एहाणपीढसि सुहणिसणणे सुद्धोदएहि
 गघोदएहि पुष्कोदएहि सुहोदएहि पुणो २ कल्लाण-
 गपवरमज्जणविहीण मज्जिए तत्थ कोउयसएहि
 बहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसु-
 कुमालगवकासाइयलुहियगे सरम्मसुरहिगोसीस-
 चदणाणुलित्तगतते अहियसुमहग्घदूसरयणसुसयुए
 सुहमालावणगविलेवणे य आविद्धमणिसुवणणे
 फप्पियहारद्धहारतिसरयपालवपलवमाणकडिसुत्त-
 सुकयमोभे पिणद्धगेविज्जअगुलिज्जगललियगय-
 ललियकथाभरणे वरकडगतुडियथभियभुए अहिय
 रूपसस्सिरीए मुदीपपिगलगुलीए कुंडलउज्जोविधा-

णणे मउडदित्तसरिण हारोत्थयसुरुपरइयवच्छे
 पालयपलयमाणपडसुकयउत्तरिज्जे णाणामणिक
 णगरयणविमलमहरिणिउणोत्रियमिसिमिसतविर-
 इयसुसिलिठ्विसिठ्वलठ्ठआविद्ववीरवलए किं षट्ठणा
 कप्परुक्कवण चेव अलक्रियविभूसिण णरवई सकोर-
 टमल्लदामेण [] उत्तेण धरिज्जमाणेण चउचामरवा-
 लयीइयगे [] मगलजयसइकयालोण मज्जणयरा-
 ओ पड्डिणिफल्लमइ २ ता अणेगगणनायगदडनाय-
 गराईसरतलउरमाडपियकोट्टुभियइम्मसेट्ठिसेणाव
 इस्तथवाहदूयसधियालसद्धिं सपरिवुडे धवल महा-
 मेहाणिग्गण इय गहगणदिप्पत्तरिकम्बतारागणाण
 मज्जे ससिब्ब पिअदसणे णरवई जेणेउ यात्तिरिया
 उउट्ठाणसाला जेणेव आभिसेक्के इत्थिरयणे तेणेव
 उवागच्छइ उवागच्छित्ता अजणगिरिकूडसरिणभ
 गयउड णरवई दुरुडे ।

तए ण तस्स कृणियस्स रणणे भभसारपुत्त-
 स्स आभिसेक्क इत्थिरयण दुरुदस्स समाणस्म
 तप्पढमयाए इमे अट्ठमगलया पुरओ अहाणुपु
 व्शीए सपट्ठिया, त जहा —सोवत्थिय-सिरि-
 वच्छ-णदियावत्त --वद्धमाणग-भद्दासण-फलस-
 मच्छ-दप्पण । तथाएतर च ण पुण्णकलसभि-

गारं दिव्या य द्युत्तपद्मागा सचामरा दमणरुष-
 आलोपदरिमणिज्जा चाउद्दयविजयवेजयन्ती य
 ऊमिया गगणतलमणुलिहती पुरथो अहाणुपुष्पीण
 सपट्टिया, तथाणतर च ण वेमलियभिमनविमल-
 दंड पलयकोरटमरलदामोवसोभिय चदमण्डल-
 णिम समूमिय विमल आयवत्ता पवर सीहासण
 घरमणिरयणपादर्पीड मपाडयाजोयसमाउत्त पट्ट-
 किंकरकम्मकरपुरिमपायत्तापरिस्मिता पुरथो अहा-
 णुपुष्पीण मपट्टिय । तथाणतर [च ण, यहवे लट्टि
 गगाहा कुतगगाहा चावगगाहा चामरगगाहा पामगगाहा
 पोत्थयगगाहा फलगगगाहा पीढगगाहा वीणगगाहा
 फुवगगाहा हटप्पयगगाहा पुरथो अहाणुपुष्पीण
 सपट्टिया । तथाणतर [च ण] यहवे दडिणो मुट्टिणो
 सिहट्टिणो जट्टिणो पिण्डिणो हासकरा दमरकरा
 चाडुकरा चादकरा कदप्पकरा दवकरा कोट्टुडया
 किट्टिकरा (य) धायता (य) गायता (य) श्मन्ता (य)
 णच्चता (य) भामता (य) सार्वेता (य) रक्खता (य)
 [कचित्तरवेता य] आलोप च करेमाणाजय २ महं
 पउजमाणा पुरथो अहाणुपुष्पीण मपट्टिया । []

तथाणतर [च ण] जञ्चाण तरमल्लिहायणाण
 हरिमेलामउलमल्लियञ्छाण बुं बुचियललियपुलिय-

णणे मउडदित्तसरिण हारोत्थयसुकयरइययच्छे
 पालयपलयमाणपडसुकयउत्तरिज्जे णाणामणिक
 णगरयणविमलमहरिहणिउणोविधमिमिमिसतविर-
 इयसुसिलिठ्ठविसिठ्ठलठ्ठआविद्धवीरवलण किं षट्ठणा
 कप्परुत्तए चेत्त अलकियविभूसिण णरवई सकोर-
 टमल्लदामेण [] छत्तेण धरिज्जमाणेण वउचावरवा-
 लवीइयगे [] मगलजयसइकयालोण मज्झणघरा-
 ओ पडिणिकस्वमइ २ चा अणेगगणनायगदडनाय-
 गरईसरतलघरमाटपियकोडुयियइब्भसेट्ठिसेणाव
 इसत्थवाहदूयसधिवालसद्धिं सपरिवुडे वयल महा-
 मेहाणिग्गण इव गहगणदिप्पतरिक्कएतारागणाण
 मज्जे ससिब्ब पिअदसणे णरवई जेणेव पाहिरिया
 उवट्ठाणमाला जेणेव आभिसेक्खे हत्थिरयणे तेणेव
 उत्रागच्छइ उवागच्छित्ता अजणगिरिकूडसण्णिभ
 गयवइ णरवई दुरुद्धे ।

तए ण तस्स कूणियस्स रणो भमसारपुत्ता-
 स्स आभिसेक्क हत्थिरयण दुरुद्धस्स समाणस्स
 तप्पदमयाए इमे अट्ठ मगलया पुरओ अहाणुपु
 वीए सपट्ठिया, त जहा — सोवत्थिय-सिरि-
 वत्त-णदियावत्त-वद्धमाणग-भट्टासण-कलस-
 मच्छ-दप्पण । तयाणतर च ण पुण्णकलसभि-

तए णं से कृणिण राया हारोत्थयसुकधरइय-
चच्छे कुडलउज्जोचियाणणे मउटदित्तमिरण णर-
सीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मणुयरायवसभरुप्पे
अग्गभत्ति य रायतेयलच्छीए दिप्पमाणे हत्तिस्सग्गधव-
रगए मकोरटमल्लदामेण छत्तेण धरिज्जमाणेण
सेययरचामराहिं उच्छुब्बज्जमाणीहि २ येसमणो धेव
एरवई अमरवईसण्णिभाण इट्ठीण पहियकित्ती
इयगयरहपवरजोहकलिधाए चाउरगिणीण सेणाए
समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभदे चेइए तेणेव
पहारेंत्थ गमणाए ।

तए णं तस्स कृणियस्म रण्णो भभसारपुत्तस्स
पुरओ महआसा आसधरा उमओ पामि णागा
णागधरा पिट्ठओ रत्तसगेत्थिल ।

तए णं से कृणिण राया भंभसारपुत्ते अस्सुग्ग-
यभिंगारे पग्गहियतालयटे ऊच्चिउयसेयच्छत्ते पघी
इयवालवीयणीण सत्थिवट्ठीण मव्वजुत्तीण सव्वध-
लेण सव्वममुदण्णं सव्वोदरेण मव्वचिभूर्इण सव्व
विभूसाए सव्वसंभमेण [] सव्वपुण्णगधमल्लाल-
लकारेण सव्वतुडियसइसण्णिणाण्ण महया इट्ठ-
दीण महया जुट्ठेण महया धलेण महया ममुदण्णं
महया चरतुडियजमगसमगप्पवाट्टेण सखपणवप-

चलचलचलचलगईण लघणधम्मणधावणघोरणति-
चईजइणसिन्धियगईण ललंतलामगललायघरभू-
सणाण मुहभडगओचूलगयासगअहिलाणचामरग-
रुद्धपरिमण्डियरुद्धीण किंकरवरतरुणपरिग्गहियाण
अट्टसय घरतुरगाण पुरओ अहाणुपुब्बीए सपट्टियं।
तयाणतर च ण ईसीदताण ईसीमत्ताण ईसीतुगाणं
ईसीउच्चगविसालधवलदताण कचणकोसीपविट्ठ-
दताण कचणमणिरयणभूमियाण वरपुरिमारोहग-
मपउत्ताण अट्टसय गथाण पुरओ अहाणुपुब्बीए
सपट्टिय । तयाऽणतर [च ण] सच्छत्ताण सज्झयाण
सघटाण सपटागाण सतोरणवराण सण्दिघोसाणं
सत्तिखिणीजालपरिम्पित्ताण हेमवयचित्तिणिस्स-
कणगणिज्जुत्तदाम्पाण कालापससुकपणेमिजतक-
म्माण सुसिलिद्धउत्तमडलधुराण आइएणघरतुरगसं-
पडत्ताण कुसलनरच्चेयमारहिसुसपग्गाहियाण []
यत्तोसतो णपरिमडियाण सकरुडवडेसगाण सचाव-
सरपहरणाउरणभरियजुद्धसज्जाण अट्टसय रहाण
पुरओ अहाणुपुब्बीए सप्पट्टिय । तयाणतर च णं
असिसत्तिकुततोमरसूललउल्लमिटिमालघणुपाणि-
सज्ज पापत्ताणीय [] पुरओ अहाणुपुब्बीए
सपट्टिय ।

तए ण से कूणिण राया हारोत्थयसुकयरइय-
वच्छे कुंडलउज्जोवियाणणे मउटटित्तसिरए णर-
सीहे णरचई णरिंदे णरचसहे मणुयरायवसभरुप्पे
अवभहिंय रायतेयलच्छीण टिप्पमाणे हत्तिस्सधव-
रगए सकोरटमत्तलदामेण छत्तेण धरिज्जमाणेणं
सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहि ० वेसमणो चेव
एरचई अमरचईसणिभाण इड्ढीण पहियकित्ती
ह्यगयरहपधरजोहकलियाए चाउरगिणीण सेणाए
समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभहे चेइए तेणेव
पहारेत्थ गमणाए ।

तए णं तस्म कूणियस्म रएणो भभसारपुत्तस्स
पुरयो महयासा आसधरा उभयो पासिं णागा
णागधरा पिट्ठयो रहमगेत्ति ।

तए ण से कूणिण राया भभसारपुत्ते अब्भुग्ग-
यभिंगारे पग्गहियतालपटे ऊच्छियसेयच्छत्ते पची
इयवालवीयणीण सन्निड्ढीण सव्वजुत्तीण सव्वय-
लेण सव्वसमुदएणं सव्वादरेणं सव्वविमूर्हण सव्व
विमूसाए सव्वसभमेण [] सव्वपुप्फगधमत्तला-
लकारेण सव्वतुडियसदसणिणणाण मया इड्ढ-
दीण मया जुईण मया धलेण मया समुदएणं
मया चरतुडियजमगसमगप्पवाइण मयवणवप-

टह भेरिभल्लरिखरमुहिरुद्रकमुपमुयगदुहिरिणिवो-
सणाइयरपेण चपाण णयरीए मज्झ मज्झेण
णिग्गउइ ॥

(सू० ३०) तए ण तस्स कृणियस्स रणो
चपानगरिं मज्झमज्झेण निग्गच्छमाणस्स यहवे
अत्थत्थिया कामत्थिया भोगत्थिया किट्ठि
मिया कारोट्टिया लाभत्थिया कारवाहिया सखिया
चक्रिया णगलिया मुहमगलिया चद्धमाणा पुस्समा-
णवा गृहियगणा ताहि इट्ठाहि कताहि पिघाहिं
मणुण्णाहि मणामाहिं मणाभिरामाहिं []
रिययगमणिज्जाहिं चग्गूहिं जयविजयमगल-
सणहिं अणवरय अभिणदता य अभित्थुणता य
एव चयासी-जय जय णदा ! जय जय भद्दा ! भद्द
ते अजिय जिणाहिं जिय (घ) पालेहिं जियमज्झे
चमाहिं । इदो इव देवाण चमरो इव असुराणं
धरणो इव नागाण चदो इव ताराण भरहो इव
मणुयाण घट्टइ वासाइ घट्टइ याससयाइ घट्टइ
वाससरस्साइ घट्टइ वाससयसरस्साइ अणहस-
मग्गो हट्टुट्ठो परमाउ पालयाहिं इट्ठजणसपरिवुडो
चपाण णयरीए अण्णेसि च घट्टण गामागरणपर-
सेडकण्डदोणमुहमडपट्टणयासमनिगमसवाहस-

निवेसाणं आह्वयच्च पोरेवच्च सामित्त भट्टित्तं
महत्तरगत्त आणाईसरसेणावच्च कारेमाणे पाले
माणे महयाऽह्यणट्टगोयवाइयततीतलतालतुडियघ-
णमुअगपट्टप्पवाइयरवेणं चिउलाइ भोगभोगाई
भुजमाणे विहराहिति कट्ठु जय २ सह पडजंति ।

तए णं से कृणिण राया भभसारपुत्ते णयण
मालासहस्सेहिं पेच्छिज्जमाणे २ हिययमाला-
सहस्सेहिं अभिणदिज्जमाणे [कचित् उन्नोडज्जमाणे]
मणोरहमालासहस्सेहिं विच्छिउप्पमाणे २ वयणमा-
लासहस्सेहिं अभियुज्जमाणे २ कति (दिव्य) सोह-
ग्गुणेहिं पत्थिज्जमाणे २ बहण णरणारिसहस्साणं
दाहिणहत्थेण अजलिमालासहस्साइ पटिच्छमाणे २
मजुमजुणा घोसेण पडिवुज्जमाणे २ भवणपति-
सहस्साइ समहच्छमाणे २ [] चपाण नघरीए
मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव पुण्णभइ
चेइए तेणेव उवागच्छइ २ ता समणस्स भगवओ
महागोस्स अदूरसामते छत्ताईए तित्थयराइसेसे
पासइ पालित्ता आभिसेक्कहत्थिरयणं ठवेइ ठवित्ता
आभिसेक्काओ हत्थिरयणाओ पचोरुइ २ ता
अवहट्टु पच रायकउहाइ, तं जहा-खगं छत्तं
उप्फेस वाहणाओ वालवीयण जेणेय समणे भगवः

महावीरे तेणेव उवागच्छद् उवागच्छिता समर्ण
 भगव ममहावीर पचत्रिहेण अभिगमेण अभिग-
 च्छद् । त जहा (१) सचित्ताण दव्याण विउसर
 णयाण (२) अचित्ताण दव्याण अविउसरणयाण
 (३) एगसाद्धियउत्तरासगरुणेण (४) चकत्तुप्फासे
 अजलिपग्गहेण [इत्थिस्स विव्वभणयाण] (५) मणसो
 एगसत्तभाव रुणेण समर्ण भगव महावीर तिक्खुत्तो
 आयाहिणपयाहिण करेत्ता घदति रामंसति घदित्ता
 णमसित्ताहाए पज्जुवासणयाण पज्जुवासइ, त
 जहा -काइयाण वाइयाण माणमियाण काइयाए-ताव
 सक्कुइयग्गहत्थपाण सुस्ससमाणे णमसमाणे अभि-
 मुहे विणएण पजलिउटे पज्जुवासइ वाइयाण-ज
 ज भगव वागरेइ एवमेय भते ! तहमेय भते !
 अवित्तहमेय भते ! असदिद्धमेय भते ! इच्छियमेय
 भते ! पडिच्छियमेय भते ! इच्छियपडिच्छियमेय
 भते ! मे जहेय तुब्भे घदह अपटिकूलमाणे पज्जु
 वासइ माणसियाण-महयासवेग जणइत्ता तिब्ब
 घम्माणुरागरत्तो पज्जुवासइ ॥

(सू० ३३) तए ण ताओ सुभदप्पमुहाओ
 देवीओ अतो अतेउरसि एहायाओ जाव पायच्छि-
 ताओ सव्वाल्लकारविभूतियाओ [] बहहिं

खुज्जार्हि चिलाईहिं वामणीहि वडभीहिं बन्धरीहिं
 पउयासियाहि जोणियाहि पणवियाहिं इसिगिणि-
 यार्हि वासिइणियाहिं लासियाहि लउसियाहि
 सिंहलीहिं दमिलीहिं आरवीहि पुलिंदीहिं पक्कणी-
 हिं बहलीहि मरुडीहिं सबरियाहि पारसोहिं
 णाणादेसीविदेसपरिमडियाहि इगियच्चित्तिपत्तिय-
 विजाणियाहि मदेसणेवत्थग्गहियवेसाहि चेडिया-
 चक्कवालवरिसधरक्कुइज्जमहत्तरवदपरिक्खित्ताओ
 अंतैउराओ णिग्गच्छति २ ता जेणेव पाडिएक्कजा-
 णाहं तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता पाडिएक्क
 पाडिएक्काहं जत्ताभिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ दुरुहति
 दुरुहित्ता णियगपरियाल मद्धि सपरिवुडाओ चपाण
 णपरोण मज्झमज्जेण णिग्गच्छति णिग्गच्छित्ता
 जेणेव पुण्णभदे चेणइ तेणेउ उवागच्छति उवाग-
 च्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूत्ता-
 मते छत्तादीण तित्थपराइमेसे पासति पासित्ता
 पाडिएक्कपाडिएक्काइ जाणाइ ठवेति ठवित्ता जाणे;
 हितो पच्चोम्हति २ ता बहहिं खुज्जार्हि जाव परि-
 क्खित्ताओ जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव
 उवागच्छति २ ता समणं भगवं महावीरं पचवि-
 हेण अभिगमेण अभिगच्छति, त जहा (१) सच्चि.

ત્તાણં દઢગાણ વિઝસરણયાણ (૨) અચિત્તાણ
 દઢવાણ અત્રિઝસરણયાણ (૩) વિણ્ણઓણયાણ ગાય-
 લટ્ટીણ (૪) ચક્કુલ્લાસે અજલિપગ્ગહેણ (૫) મણસો
 ણગત્તિભાવકરણેણ સમણ ભગવ મહાવીર તિવ્વલુ-
 ત્તો આપાહિણપયાહિણ કરેન્તિ વદન્તિ ણમ-
 સન્તિ વદિત્તા ણમસિત્તા કુણિયરાય પુરઞ્જોકદ્ધુ ઠિહ-
 યાઓ વેવ સપરિવારાઓ અભિમુગ્ધાઓ વિણ્ણણ
 પજલિ ડહાઓ પઞ્જુવામન્તિ ॥

(મૂ. ૩૪) તળ ણ મમણે મગવ મહાવીરે કુણિ-
 અસરણણો મમસારપુત્તસ્સ સુમદાપમુદ્દાણ દેવોણં
 તીસે ય મહત્તિમહાલિયાણ પરિસાણે હસિપરિસાણ
 મુણિપરિસાણે જટ્ટપરિસાણે દેવપરિસાણે અણેગસપાણે
 અણેગસયવદાણે અણેગસયવદપરિવારાણે ઓદયલ્લે
 અદ્ધયલ મત્તપ્પલં અપરિમિયવલ્લવીરિયતેયમાહપ્પક-
 તિજુત્તે સારયણવત્થણિયમદુરગમ્મીરકોચણિગ્ધોસ-
 દ્ધુમ્મિસ્સરે ઝરેવિત્થહાણે પઠેઽવટ્ઠિયાણે સિરે સમા-
 હરણાણે અમરલાણે અમમ્મણાણે સુન્દરપરસલ્લિણ-
 વાડપાણે પુરણરત્તાણે સન્નમાસાણુગામિણોણે સર-
 સ્સહણે જોયણીહારિણે સરેણે અદ્ધમાગહાણે મા-
 માણે મામહ અરિહા ધમ્મ પરિકહેહ ।

तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अगिलाए धम्मं
 आइस्खइ, साविय ण अद्वमागहा भासा तेसिं
 सव्वेसिं आरियमणारियाण अण्णो सभासाए
 परिणामेण परिणमइ, त जहा-अत्थि लोण अत्थि
 अलोण एव जीवा अजीवा यये मोक्खे पुण्णे पावे
 आसवे सव्वरे वेयणा, जिज्जरा अरिक्खता चक्खवट्ठी
 चक्षुदेवा वासुदेवा नरगा णेरइया तिरिक्खजोणिया
 तिरिक्खजोणिणीओ माया विया रिसओ देवा देव-
 लोया सिद्धी सिद्धा परिणिब्बाणे परिणिब्बुया,
 अत्थि (१) पाणाइयाण (२) मुसावाए (३) आदिण्णा-
 दाणे (४) मेट्ठणे (५) परिग्गहे अत्थि (६) कोहे
 (७) माणे (८) माया (९) लोभे अत्थि जाव []
 (१०) मिच्छादसणसत्ते । अत्थि पाणाइवायवेरमणे
 मुसावायवेरमणे अदिण्णादाणवेरमणे मेट्ठणवेरमणे
 परिग्गहवेरमणे जाव मिच्छादसणसत्तविचेगे सव्वं
 अत्थिभाव अत्थिस्ति वयति, सव्व णत्थिभाव णत्थि-
 स्ति वयति, सुचिण्णा कम्मा सुचिण्णफला भवति,
 दुचिण्णा कम्मा दुचिण्णफला भवति, फुसइ पुण्ण-
 पावे, पच्चायंति जीवा, सफले कल्लाणपावण । धम्म-
 माइस्खइ.-इणमेय जिग्गंये पावयणे सव्वे अणुत्तरे
 केवलण मसुद्धे पडिपुण्णे णेयाउए सत्तकसणे ।

सिद्धिमग्नो मुक्तिमग्नो निव्याणमग्नो निज्जाणमग्नो
 अविताहमविसधि सन्नदुस्सपप्पहीणमग्नं इहट्ठिया
 जीवा सिज्झति धुज्झति मुच्चति परिणिव्यायति
 सन्नदुस्सपप्पणमत ऊरति । एगच्चापुण एगोभवत्तारो
 पुब्बकम्मावसेसेण अण्णयरेसु देवलोणसु देवत्ताण
 उवयत्तारो भवति, महिट्ठिणसु जाव महात्तुक्कंसेसु
 वूरगइणसु चिरट्ठिणसु । ते ए तत्थ देवा भवन्ति
 महिट्ठिया जाव चिरट्ठिया हारविराइयवच्चा जाव
 [] पभासमाणा कप्पोचगा गतिकुलाणा ठिह-
 कत्ताणा आगमेस्सिभद्दा जाव पडिरूया । तमाइ-
 फम्बइ एव रत्तु चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताण
 कम्म पकरति, णेरइयत्ताण कम्म पकरेत्ता णेरइणसु
 उववज्जति, त जहा—१ महारभयाण २ महापरि-
 गगइयाण ३ पच्चिदियवहेण ४ कुलिमाहारेण, एव
 एण्ण अभिलावेण । तिरिक्खजोण एसु (१) माइ-
 क्लयाण पियटिक्कयाण (२) अलियवयणेण (३) उप्प-
 चणयाण (४) वचणयाण । मणुस्सेसु—(१) पगइभद्द-
 याए (२) पगइविणीययाण (३) साणुक्कोसयाण
 (४) अमच्छरिययाण । देवेसु—(१) सरागसजमेण
 (२) सजमासजमेण (३) अक्कापणिज्जराण (४) घाल-
 तवोकम्मेण, तमाइक्खइ —

जह णरगा गम्मती जे णरगा जा यवेयणाएरण ।
 सारोरमाणुसाइ दुक्खाइं तिरिक्खजोणीए ॥१॥
 माणुस्स च अणिच्च वाहिजरामरणवेयणापउर ।
 देवे प देवलोए देविड्ढि देवसोस्खाइं ॥२॥
 णरग तिरिक्खजोणि माणुस भाव च देवलोअ च ।
 सिद्धे अ सिद्धवसहिं छज्जीवणिय परिकहेइ ॥३॥
 जह जीवा घज्झती मुच्चती जह य सकिलिस्सति ।
 जह दुक्खाण अत करति केई अपडियद्धा ॥४॥
 अट्टदुहट्टियचित्ता जह जीवा दुक्खसागरमुधिति ।
 जह वेरगमुवगया कम्मममुग विहाडति ॥ ५ ॥
 जह रागेण कडाणं कम्माण पावगो, फलविवागो ।
 जह य परिहीणकम्मा सिद्धा सिद्धालयमुधिति ॥६॥

तमेव धम्म दुविह आइस्सवड, त जहा-अगार-
 धम्म अणगारधम्म च । अणगारधम्मो ताव-इह
 खलु सव्वओ सव्वत्ताण मुन्दे भवित्ता अगाराओ
 अणगारियं पव्वइयस्म सव्वाओ पाणाइवायाओ
 वेरमण, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमण, सव्वाओ
 अदिण्णादाणाओ वेरमण, सव्वाओ मेहणाओ
 नेरमण सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं, सव्वाओ

राईभोगणाओ वेरमण अयमाउसो ! अणगारसा-
माइणे धम्मे पणत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए
उवट्ठिए णिग्गथे वा णिग्गथी वा विहरमाणे
आणाए आराहए भवति ।

अगारधम्म दुवालसविह आइस्सइ, त जहा-
(१) पच्च अणुञ्जयाइ (२) तिण्णिण गुणञ्जयाइ,
(३) चत्तारि मिस्सवावयाइ । पच्च अणु-
ञ्जयाइ, त जहा-(१) थूलाओ पाणाइयायाओ वेरमण
(२) थूलाओ सुमावायायाओ वेरमण (३)
थूलाओ अदिण्णादाओ वेरमण (४) मदार-
मतोसे (५) इच्छापरिमाणे । तिण्णिण गुणञ्जयाइ
त जहा-(६) अणत्थदउवेरमण (७) दिसिञ्जय (८)
उवभोगपरिभोगपरिमाण । चत्तारि सिक्खाञ्ज-
याइ, त जहा-(९) सामाइय (१०) देसावयासिय
(११) पोसहोयवासे (१२) अतिहिसविभागे, अव-
च्छिन्ना मारणतिया मवेहणाजूमणाराहणा अयमा-
उसो ! अगारसामाइण धम्मे पणत्ते एयस्स धम्म-
स्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवामए वा समणोवा-
सिया वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ ।

(सू० ३५) तए ण सामहतिमहालिया मणूस-
परिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म

सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया उट्ठाण उट्ठेइ, २
त्ता समण भगव महावीरं तिकखुत्तो आयाहिण
पयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ एमसइ वदित्ता एम-
सित्ता कत्थेगइया सु-टे भवित्ता अगाराओ अण-
गारियं पव्वइया, अत्थेगइया पचाणुव्वइयं सत्तसि-
क्खावइय दुवालसविह गिहिधम्म पडिवण्णा ॥

अवसेमा णं परिमा समण भगव महावीरं वदइ
एमसइ वदित्ता एमंसित्ता एव वयासी " सुअ-
क्खाए ते भते ! निग्गथे पावयणे एव सुपणत्ते
सुभासिए सुविणीए सुभाविण अणुत्तरे ते भते !
निग्गथे पावयणे, धम्म णं आइक्खमाणा तुब्भे
उवसम आइक्खह, उवसम आइक्खमाणा विवंग
आइक्खह, चिवेग आइक्खमाणा वेरमण आइक्ख-
माणा अकरण पावाण कम्माण आइक्खह, णत्थि
ण अरणे केइ समणे वा माहणे वा जे एरिस धम्म-
माइक्खत्तए, किमग पुण एत्तो उत्तरतर ?" एव
वदित्ता जामेव दिस पाउब्भया तामेव दिस पडि-
गया ॥

(सूत्र ३६) तए ण से कृणिए राया भंभसारपुत्ते
समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिण धम्म सोच्चा

राईभोयणाओ बेरमण अयमाउसो ! अणगारसा-
माइए धम्मे, पणत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए
उवट्ठिए णिग्गथे वा णिग्गथी वा विहरमाणे
आणाए आराहए भवति ।

अगारधम्म दुवालसर्विह आइस्खइ, त जहा:-
(१) पच अणुव्वयाइ (२) तिण्णिण गुणव्वयाइ,
(३) चत्तारि सिक्खावयाइ । पच अणुव्वयाइ,
त जहा-(१) धूलाओ पाणाइवायाओ बेरमण
(२) धूलाओ सुमावायाओ बेरमण (३)
धूलाओ अदिण्णादाओ बेरमण (४) मदार-
सतोसे (५) इच्छापरिमाणे । तिण्णिण गुणव्वयाइ
त जहा-(६) अणत्थदडबेरमण (७) दिसिन्नय (८)
उवभोगपरिभोगपरिमाण । चत्तारि सिक्खाव-
याइ, त जहा-(९) सामाइय (१०) देसावयासिय
(११) पोसहोववासे (१२) अतिहिसिबिभागे, अव-
च्छिन्ना मारणतिया सनेहणाजूसणाराहणा अयमा-
उसो ! अगारसामाइए धम्मे पणत्ते एयस्स धम्म-
स्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवासए वा समणोवा-
सिया वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ ।

(सू० ३५) तण ण सामहनिमहालिया मणूस-
परिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म

णसठिए चइरोसहणारायसघयणे कणगपुलगणिय-
सपम्हगोरे उगगतवे दिस्ततवे तत्ततवे महातवे घोर
तवे उराले घोरे घोगुणे घोरतवस्सी घोरवभचेर-
वासी उच्चदसरीरे सखित्तविउल्लतथलेस्से समण-
स्स भगवथो महावीरस्स अदूरसामते उड्डुजाणू
अहोसिरे भाणकोटोवगए सजमेण तवसा अप्पाणं
भावेमाणं विहरइ ।

तए ण सं भगव गोथमे जायसड्ढे जायससए
जायकोऊहल्ले उप्पणसड्ढेउप्पणससए उप्पण-
कोऊहल्ले सजायसड्ढेसजायमसए मजायकोऊहल्ले
समुप्पणसड्ढे समुप्पणससएसमुप्पणकोऊहल्ले
उट्टाए उट्टेइ उट्टाए उट्टित्ता जेणेव समणे भगवं
महावीरे तेणेव उवागळउइ २ ता समण भगवं
महावीर तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिणं करेइ
तिक्खुत्तोआयाहिण पयाहिण करेत्ता वढइ णमसइ
वदित्ता णमसित्ता नचासणणे नाइदूरे सुस्ससमाणे
णमसमाणे अभि मुहेविणएण पजलिउडे
पज्जुवासमाणे एवं वयामी ।

जीवे ण भते ! असजए थविरए अप्पडिहय
पच्चस्सायपावकम्मे सकिरिए असयुडे एगतदडे

णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए वट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समण
 भगव महावीर तिकखुत्तो आयाहिण पयाहिण
 करेइ २ ता वदइ णमसइ वंदित्ता णमसित्ता एव
 वयासी-“सुयस्सए ते भते ! निग्गन्थे पावयणे
 जाव किमग पुण एत्तो उत्तरतर ?,” एव वदित्ता
 जामेव दिस पाउब्भूण तामेव दिस पडिगए ॥

(सू० ३७) तए ण ताओ सुभदापमुहाओ
 देवीओ समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए
 धम्म सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हिययाओ उट्ठाए
 उट्ठित्ता समण भगव महावीर तिकखुत्तो
 आयाहिण पयाहिण करेति २ ता वदति णमसंति
 वदित्ता णमसित्ताएव वयासी-सुयस्सए ण भते !
 निग्गन्थे पावयणे जाव किमग पुण एत्तो उत्तर-
 तर ?,” एववदित्ता जामेव दिसि पाउब्भूयाओ
 तामेव दिसि पडिदयाओ ।

(समोसरण समत्ता) ॥

(सू० ३८) तेण कालेणं तेण समण समस्स
 भगवओ महावीरस्स जेहे अतेवासी इदंभूई णाम
 एवमए एवमए एवमए एवमए एवमए

अश्वाणगसीयायवदंसमसगमेयजल्लमलपकपरिता-
वेणं अप्पतरो वा भुज्जतरो वा काल अप्पाण परि-
किलेसंति अप्पतरो वा भुज्जतरो वा काल अप्पाणं
परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु
वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवति,
तहिं तेसिं गइं तहिं तेसिं ठिईं तहिं तेमि उववाण
पणत्ते । तेसिं ण भत्ते ! देवाण केवइय काल ठिईं
पणत्ता ? गोयमा ! दसवासमहस्माइ ठिईं पणत्ता,
अत्थि णं भत्ते ! तेमि देवाण इड्ढी वा जुई
वा जसे इ वा यले इ वा वीरिण इ वा पुरिससका-
रिपरसकमे इ वा ? एता अत्थि । ते णं भत्ते ! देवा
परलोगस्सआराहगा ? णो इणट्ठे ममट्ठे ॥ ५ ॥

से जे इमे गामागरणवरणिगमरायहाणिले-
डकव्यडमडयदोणमुहपट्ठणागरसवाहसण्णवेसेसु
भणुया भवंति, त जहा—अट्ठवद्धगा णिअलघद्धगा
इड्ढियद्धगा चारगवद्धगा इत्थच्चिण्णगा पायच्चिण्णगा
कण्णच्चिण्णगा एक्कच्चिण्णगा ओढच्चिण्णगा जिन्म
उिण्णगा सोसउिण्णगा मुखउिण्णगा मज्झच्चि-
ण्णगा वेकच्चच्चिण्णगा हियउ प्पाडियगा णयणु-
प्पाडियगा दसणुप्पाडियगा वसणुप्पाडियगा मेव-
च्चिण्णगा तडुलउिण्णगा कागणिमसक्खाविधगा

एगतवाले एगतसुत्ते पावकम्म अएहाइ ?-हता
अएहाइ ॥ १ ॥

जीवे ण भते ! असजए जाव एगतसुत्ते मोह-
णिज्ज पावकम्मा अएहाइ ? हता अएहाइ ॥ २ ॥

जीवे ण भते ! मोहणिज्ज कम्म वेदेमाणे किं मो-
हणिज्ज कम्म बधइ ? वेयणिज्ज कम्म बधइ ? गोयमा !
मोहणिज्जपि कम्म बधइ वेयणोज्जपि कम्म बधइ,
णएणत्थ चरिममोहणिज्ज कम्म वेदेमाणे वेयणिज्ज
कम्म बधइ एो मोहणिज्ज कम्म बधइ ॥ ३ ॥

जीवे ण भते ! असजए जाव एगतसुत्ते
ओसएण तसपाणघाई कालमासे काल किच्चा
एरइणसु उववज्जइ ?, हता उववज्जइ ॥ ४ ॥

जीवे ण भते ! असजए अविरए अप्पडिहय-
पच्छस्सायपायकम्मे इओ सुए पेच्चा देवे सिया ?
गोयमा ! अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया णो
देवे सिया ॥

से केणट्टेण भते ! एव बुच्चइ अत्थेगइया देवे
सिया अत्थेगइया णो देवे सिया ? गोयमा !, जे
इमे जीवा गामागरणपरणिगमरायहाणिखेडक'बड-
मटपदोणसुहपट्टणासममवारसणिणवेसेसु अकाम-
तएहाण अकामलुहाण अकामवभचरेवासेण अकाम-

[] विणीया अम्मापिउसुस्सुसगा अम्मापिईणं
अणइक्कमणिज्जवयणा अप्पिच्छा अप्पारंभा अप्परि-
ग्गहा अप्पेण आरभेण अप्पेण समारभेण अप्पेण
आरभसमारभेण वित्ति कप्पेमाणा बह्व्व वासाइ
आउय पालति पालित्ता कालमासे काल किच्चा
अण्णयरेसु चाणतरेसु त चेव सव्वं णवर ठिई
थउइसचाससहस्साइ [देवा परलोगस्सआराहगा ?
णो इणट्ठे समट्ठे] ॥ ७ ॥

से जाओ इमाओ गामागर जाव मनियेसेसु
इत्थियाओ भवति, त जहा-अंतोअतेउरियाओ
गयपइयाओ मयपइयाओ यालविहवाओ छट्ठिय-
ल्लियाओ माइरत्थिययाओ पियरत्थिययाओ भायर-
त्थिययाओ [] कुलघररत्थिययाओ ससुरकुलर-
त्थिययाओ [] परुट्ठणहमसकेसकक्खरोमाओ
वचगयपुप्फगधमत्तलालाकाराओ अण्हाणगसेयजल्ल-
मलपकपरितात्रियाओ वचगयखीरदहिणवणीयस-
प्पिनेल्लगुललोणमट्ठमज्जमसपरिचत्तकयाहाराओ
अप्पिच्छाओ अप्पारभाओ अप्पपरिग्गहाओ अप्पेण
आरभेण अप्पेण समारभेण अप्पेण आरभसमा-
यभेण वित्ति कप्पेमाणीओ अकामवभचेरवासंण
तामेय पइमेज्जं णाइक्कमइ ताओ णं इत्थियाओ

ओलधियगा लधियगा घसियगा घोलियगा फालिङ-
यगा पीलियगा सूलाह्यगा सूलभिरणगा खारव-
त्तिया वज्रभ्रत्तिया सीहपुच्छियगा दवग्गिदड्ढगा
पकोसरणगा पकेखुत्तगा बलयमयगा वसट्टमयगा
णियाणमयगा अतोसल्लमयगा गिरिपटियगा तर-
पटियगा मरुपटियगा गिरिपत्तदोलिया तरुपक्ख
दोलिया मरुपत्तदोलिया जलपत्तेसिया जलणपत्तेसि
या विसम्भत्तियगा सत्थोवाडियगा घेहाणसिया गि-
द्धपट्टगा कतारमयगा दुब्बिभत्तमयगा असकिलिद्धप-
रिणामाते कालमासे काल किच्चा अणणयेसु धाण-
मत्तरेसु देवलोणसु देवत्ताए उववत्तारो भवति, तर्हि
तेसि गइ तर्हि तेसि ठिई तर्हि तेसि उववाए
पणत्ते । तेसि ण भते ! देवाण केवइय कालं
ठिई पणत्ता ? गोयमा ! पारसवात्तसहस्साइ ठिई
पणत्ता अत्थि ण भते ! तेसि देवाण इड्ढी
चा जुई वा जसे इ वा धले इ वाधीरिए इ वा
पुरिसक्कारपरिकमे इ वा ? हता अत्थि । ते ण भते !
देवा परलोगस्सआराहगा ? णो इण्णे समहे ॥ ६ ॥

से जे इमे गामगर जाव सन्निवेसेसु मणुया
भवति त जहा-पगइभइगा पगइउवसता पगइप-
तणुकोहमाणमायालोहा मिउमइवसपण्णा अल्लीणा

णो मलाहारा रुदाहारा तयाहारा पत्ताहारा पुष्पा-
हारा धीयाहारा परिसटियरुदमूलनयपत्तपुष्क-
लाहारा जलाभिसेयरुद्विणगायभूया आयावणार्हि
पचगितावेहि इगालसोल्लिय रुण्डुमांल्लिय कट्ट-
सोल्लिय पिव अण्णाण करेमाणा बट्टहं चासाइ परि-
याग पाउणति, २ ता कालमामे काल किच्चा उक्को-
मणं जोइमिण्सु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
पलिओवम चाससयसरस्समन्महिय ठिई सेस
तं चेय (—आराहगा ?—णो इणठे समठे) ॥१०॥

से जे इमे जाव मन्निवेसेसु पण्वइया समणा
भवन्ति । त जहा—कदप्पिया कुक्कुइया मोहरिया
गीयाइप्पिया नद्यणमीला, ते ण एएण विहारेणं
विहरमाणा बट्टहं चासाइ सामणणपरियाय पाउणति,
२ ता तस्म ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता कालमासे
काल किच्चा उक्कोसेण मोहम्मे कप्पे रुदप्पिण्सु
देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति । तेहि तेसिं गई,
सेम त चेय णयर पलिओवम चाससयसरस्सम-
न्महिय ठिई ॥ ११ ॥

से जे इमे जाव मन्निवेसेसु परिब्बाया भवन्ति ।
त जहाइंग्या—जोगी काविला भिउव्या हसा
परमहसा बहुउदगा कुडिब्बया कण्हपरिब्बायया ।

एयारूवेण विहारेण विहरमाणीओ वट्टइ वासाई
सेम त चेव जाय चउसई वाससहस्साइ ठिई
पणत्ता ॥ ८ ॥

मे जे इमे गामागर जाय सन्निवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-दगविइया दगतइया दगसत्तामा
दगण्कारसमागोयमा गोन्वइया गित्तिधम्मा धम्मर्चि-
तगा अविन्द्विन्द्वुद्धमावगप्पभित्तयो तेसिं मणु-
याण णो कप्पइ इमायो नय रमविगईओ
आहारेत्ताण, त जहा-एरीर दहि णवणीय सप्पि
तेवल फाणिय महु मज्ज मस, णो एणणत्थ एक्काए
सरिमवविगईण, ते ण मणुया अप्पिन्दा त चेव
सन्व णयर चउरामीस वासमहस्साइ ठिई पण
त्ता ॥ ९ ॥

मे जे इमे गगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवति,
त जहा होत्तिषो पोत्तिषा कोत्तिषा जणणई सङ्गई
थालई हुपउट्टा दंतुअलिया उम्मज्जगा सम्मज्जगा
निमज्जगा सपङ्गाला दक्खिणकूला उत्तरकूलगा
सखधम्मगा कूलधम्मगा मिगलुद्धगा हत्थितावसा
उद्धट्टगा निमापोक्खिणो पाकुरासिणो अनुजामिणो
विलवामिणो जलवामिणो वेलवामिणो रत्तवम्
लिया अयुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेउलभक्खि-

भविता अभिसेयजलपृथग्पाणो अविद्येण संग्ग
गमिस्सामो' ।

तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ अगड वा
तलायं वा णइ वा वार्वि वा पुम्भरिणि वा दीहिय
वा गुजालियं वा सरं वा [क्वित्-सरसिं वा] सागरं
वा ओगाहित्तए णणत्थ अद्वाणगमणेण । णो
कप्पइ सगडं वा जाव संदमाणिय वा दुरुहित्ता णं
गच्छित्तए । तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ
आस वा हत्थि वा उट्ठ वा गोणि वा महिस वा
खर वा दुरुहित्ता ण गमित्तए [णणत्थ बलाभि-
ओगेण ।] तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ नड-
पेच्छा इ वा जाव मागहपेच्छा इ वा पेच्छित्तए ।
तेसि परिव्यायागाण णो कप्पइ हरियाण लेसण्या
वा घटण्या वा थभण्या वा लूमण्या वा उप्पाड-
ण्या वा करित्तए, तेसि परिव्यायागाण णो कप्पइ
इत्थिकहा इ वा भत्तकहा इ वा देसकहा इ वा
रायकहा इ वा चोरकहा इ वा जणवयकहा इ वा
अणत्थदड करित्तए । तेसि णं परिव्यायागाण णो
कप्पइ अयपायाणि वा तउअपायाणि वा तयपायाणि
वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रूपपा-
याणि वा सुवणपायाणि वा अरणपराणि वा यट्ठ-

तत्थ खलु इमे अट्ट माहणपरिब्बायया भवति ।
तजहा—

करणे य करकण्ठे य अवडे य परासरे ।

करहे दीवायणे चेव देवगुत्ते य नारए (१)॥

तत्थ खलु इमे अट्ट खत्तिय परिब्बायया भवति ।
त जहा—

सीलई ससिहारे (य) नग्गई भग्गई ति य ।

विदेहे राया रायारामे यत्ते ति य ॥

ते ण परिब्बायया रिउवेदयजुब्बेदसामवेय
अहव्वणवेयइतिहासपचमाण णिघण्डुद्धाण सगो-
चगाण सरहस्साण चउएह वेयाण सारगा पारगा
धारगा धारगा सउगधी मट्ठिततविसारया सखाणे
सिक्काकप्पे वागरणे छदे निरुत्ते जोडसामयणे
अण्णेषु य [यहसु] यभरणणसु य सत्थेषु सुपरि
णिट्ठिया यावि होत्था ।

ते ण परिब्बायया दाणधम्म च सोयधम्म च
तित्थाभिसेय च आघवेमाणा पणवेमाण परुवेमाणा
विहरति । 'जरुण अम्ह किंचि असुई भउइ तएण
उदएण य मट्ठियाण च परुवालिय सुई भवइ । एव
खलु अम्हे चोम्हा चोम्हायारा सुई सुइसमायारा

भविता अभिसेयजलपूयप्याणो अविद्येण सगं
गमिस्सामो' ।

तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ अगड वा
तलायं वा णइ वा वारिं वा पुम्परिणिं वा दीहिय
वा गुजालियं वा सर वा [क्वित्-मरसिं वा] सागरं
वा ओगाहत्ताए णणत्थ अद्वाणगमणं । णो
कप्पइ सगड वा जाव सदमाणिय वा दुम्हत्ता ण
गच्छित्तए । तेसि णं परिव्यायागाण णो कप्पइ
आस वा हत्तिं वा उट्ठ वा गोणिं वा महिस वा
खर वा दुम्हत्ता ण गमित्तए [णणत्थ यलाभि-
ओगेण ।] तेसि णं परिव्यायागाण णो कप्पइ नड-
पेच्छा इ वा जाव भागपेच्छा इ वा पेच्छित्तए ।
तेसि परिव्यायागाण णो कप्पइ हरियाण लेसण्या
वा घट्टण्या वा धभण्या वा लूसण्या वा उप्पाड-
ण्या वा करित्तए, तेसि परिव्यायागाणं णो कप्पइ
इत्थिकहा इ वा भत्तरुहा इ वा देसरुहा इ वा
रायकहा इ वा चोरकहा इ वा जणयकहा इ वा
अणत्थदड करित्तए । तेसि ण परिव्यायागाण णो
कप्पइ अयपायाणि वा तउअपायाणि वा तयपायाणि
वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रूपपा-
याणि वा सुवणपायाणि वा अणयराणि वा धट्ट-

मुल्लाणि धारित्तए, णणत्थ लाउपाएण वा
 दाप्पाएण वा मट्ठियापाएण वा । तेसि ण परिब्बा
 यगाण णो कप्पइ अयवधणाणि वा तउअपवधणाणि
 वा तयवधणाणि वा जाव चहुमुल्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ णाणाविहवण-
 रागरत्ताइ वत्थाइ धारित्तए, णणत्थ एमाए धाउ-
 रत्ताए । तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ हार
 वा अद्धहार वा एगावलि वा मुत्तावलि वा कण-
 गावलि वा रयणावलि वा मुरवि वा कठमुरवि
 वा पालव वा तिसरय वा कडिसुत्त वा दसमुद्धि-
 आणतग वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अंगयाणि
 वा केऊराणि वा कुटलाणि वा मउड वा चूलामणि
 वा पिणद्धित्तए, णणत्थ एगेण तविएण पवित्तएण ।
 तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ गधिमवेढिमपूरि-
 मसघाइमे चउब्बिहे मल्ले धारित्तए, णणत्थ एगेण
 कएणपूरेण । तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तए, णणत्थ एक्काए गगामट्ठियाए ।

तेसि ण परिब्बायगाण कप्पइ मागहण पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तए सेऽवि व वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदण णो चेव ण

कदमोटा, सेऽवि य धनुष्पसरणे णो चेव ए अवह-
पसरणे, सेऽवि य परिपू णो चेव ण अपरिपू
सेऽवि य णं दिरणे णो चेव ण अदिरणे, सेऽवि य
विचित्तए णो चेव ण हत्थपायचरुचमसपफ्फाल-
पट्टाए सिणाइत्ताए वा । तेसि ण परिव्यायगाण
कप्पइ मागहए आद्धाढा जलस्म पटिग्गात्तिए,
सेऽवि य वहमाणे णो चेव ए अवहमाणे जाव णो
चेवण अदिरणे, सेऽवि य हत्थपायचरुचमसपफ्फाल-
लणट्टयाए णो चेव णं पिचित्तए सिणाइत्ताए वा ।

ते ण परिव्यायगा ण्याख्वेणं विहारेण चित्तर-
माणा बहूइ चासाइ परियाय पाउणति, २ ता
कालमासे काल किद्या उक्कोमेणं उभलोए कप्पे
देवत्ताए उववत्तारो भवति, तहि तेसि गई तहिं
तेसि ठिई वस मागरोवमाई ठिई पणत्ता, सेसं
त चेव ॥१२॥

(सूत्र ३६) तेण कालेण तेण समरण अम्म-
इस्स परिव्यायगस्स सत्त अतेवासिस्तयाइ गिम्ह-
कालसमयमि जेट्टामूलमासमि गगाए महानईए
उभथोकूलेण कविलपुराओ णयरओ पुरिमताल
णयर सपट्टिया विहाराए ।

मुल्लाणि धारित्तण, णणत्थ लाउपाण्ण वा
 दारुपाण्ण वा मट्ठियापाण्ण वा । तेसि ण परिब्बा-
 यगाण णो कप्पइ अयवधणाणि वा तउअपयधणाणि
 वा तयवधणाणि वा जाव बट्टमुल्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ णाणाविहयण-
 रागरत्ताइ वत्थाइ धारित्तए, णणत्थ एगाए धाउ-
 रत्ताए । तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ हार-
 वा अद्धहार वा ण्णावलिं वा मुत्तावलिं वा कण-
 गावलिं वा रयणावलिं वा मुरवि वा कठमुरविं
 वा पालव वा तिसरय वा कडिसुत्त वा दसमुद्दि-
 आणतग वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अगयाणि
 वा केऊराणि वा कुडलाणि वा मउड वा चूलामणिं
 वा पिणद्धित्तण, णणत्थ ण्णेण तधिण्ण पवित्तएण ।
 तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ गधिमनेदिमपूरि-
 मसघाइमे चउव्विहे मल्ले धारित्तए, णणत्थ ण्णेण
 वरणपूरेण । तेसि ण परिब्बायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तण, णणत्थ एक्काण गगामट्ठियाण ।

तेसि ण परिब्बायगाण कप्पइ मागहए पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तण सेऽवि व वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदए णो चेव ण

रुद्धमोदण, सेऽवि य बहुप्पसरणे णो चेव एं अयहु-
 पसरणे, मेऽवि य परिपूण णो चेव ण अपरिपूण
 मेऽवि य ण दिरणे णो चेव ण अदिरणे, सेऽवि य
 पिबित्तण णो चेव ण हत्थपायचरुचमसपफ्फाल-
 एद्वाण सिणाइत्तए वा । तेसि ण परिव्वायगाणं
 कप्पइ मागहए आद्धाढण जलस्स पडिग्गाहित्तए,
 मेऽवि य वहमाणे णो चय ए अयहमाणे जाव णो
 चेयण अदिरणे, सेऽवि य हत्थपायचरुचमसपफ्फाल-
 लणहयाण णो चेव णं पिबित्तण मिणाइत्तए वा ।

ते ण परिव्वायगा ण्यारूपेणं विहारेण विहर-
 माणा षट्ठइ वासाइ परिघाय पाउणति, २ ता
 कालमासे काल किञ्चा उक्कोमेण यमलोए कप्पे
 देवत्ताण उववत्तारो भवति, तर्हि तेमि गई तर्हि
 तेमि ठिई टस मागरोवमाई ठिई पणत्ता, सेसं
 त चेव ॥१२॥

(सूत्र ३६) तेण कालेण तेण ममणण अम्म-
 उस्स परिव्वायगस्म सत्त अतेवासिमयाइ गिम्ह-
 कालममयति जेट्ठामुलमासमि गगाण महानईए
 उभओरुलेण कविल्लपुराओ णयराओ पुरिमताल
 णयर मपट्ठिया विहाराण ।

मुह्लाणि धारित्तण, णणत्थ लाउपाण्ण वा
 दारुपाण्ण वा मद्वियापाण्ण वा । तेसि ण परिव्या-
 यगाण णो कप्पइ अययधणाणि वा तउअययधणाणि
 वा तययधणाणि वा जाव यट्टमुह्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिव्यायगाण णो कप्पइ णाणाविहवण-
 रागरत्ताइ यत्थाइ धारित्तण, णणत्थ एगाण धाउ-
 रत्ताण । तेसि ण परिव्यायगाण णो कप्पइ हार
 वा अद्धहार वा ण्णावलिं वा मुत्तावलिं वा कण-
 गावलिं वा रयणावलिं वा मुरविं वा कठमुरविं
 वा पालथ वा तिसरय वा कडिमुत्त वा दसमुद्दि-
 आणतग वा ऊड्याणि वा तुडियाणि वा अगयाणि
 वा केऊराणि वा कुटलाणि वा मउडं वा चूलामणिं
 वा पिणद्धित्तण, णणत्थ ण्णेण तथिण्ण पवित्तण्ण ।
 तेसि ण परिव्यायगाण णो कप्पइ गधिमवेदिमपूरि-
 ममधाइमे चउव्विहे मल्ले धारित्तण, णणत्थ ण्णेण
 कणपूरेण । तेसि ण परिव्यायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तण, णणत्थ एक्काण गगामद्वियाण ।

तेसि ण परिव्यायगाण कप्पइ मागहए पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तण मेऽवि च वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदण णो चेव ण

मा ण अम्ह तवलोवे भविस्सइ । त सेय खलु
अम्हं देवाणुप्पिया १ तिदंडय कुडियाओ य
हंप्पियाओ य ऊरोडियाओ य भिसियाओय
इण्णालण य अकुसए य केसरियाओ य पवित्तए
य गणेतियाओ य छत्तए बाहणाओ य पाउयाओ
य धाउरत्ताओ य एगते णडित्ता गग महाणइ ओगा-
रित्ता बालुयासंधारण सधरित्ता सलेहणाभूसियाण
भत्तपाणपडियाइम्भियाण पाओवगयाण कालं
अणवकखमाणण विहरित्तए त्तिकट्ठु अणम-
णस्स अतिए एयमट्ठ पडिमुणेंति, २ त्ता तिदंडण
य जाव एगते णडेइ २ त्ता गग महाणइ ओगा-
इइ २ त्ता बालुआसंधारण सधरति २ त्ता बालु-
यासंधारय दुरहिंति वा २ त्ता पुरत्थाभिमुहा सपलिय-
कनिसण्णा करयल जाव कट्ठु एय धयासी ।

“नमोऽत्थु णं अरहताण जाव सपत्ताण, नमो
ऽत्थु ण समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव सपा
विउकामस्स, नमोऽत्थुण अम्मडस्स परिव्वायगस्स
अम्ह धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स । पुच्छि णं
अम्हे [] अम्मडस्स परिव्वायगस्स अतिए थूल-
गपाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए थुलए मुम्मा-
वाए थुलए अदिण्णादाणे पच्चक्खाए जावज्जीवाए,

तए ण तेसिं परिञ्जायगाण तीसे अगामियाण
 द्विण्णोवायाण दीहमद्दाण अटवीण कचि देमतर-
 मणुपत्ताण से पुञ्जग्गहिण उदए अणुपुब्बेण परि-
 भुजमाणे भीण्णे ।

तए ण ते परिञ्जाया भीणोदगा समाणा
 तएहाण पारब्भमाणा २ उदगदातारमपस्ममाणा
 अणमण सहावेन्ति सहावि ता एव वयासी.—

“एव एतु देवाणुप्पिया ! अम्ह इमीसे अगा-
 मिआण जाव अटवीण कचि देसनरमणुपत्ताण से
 उदए जाव भीण्णे त सेय एतु देवाणुप्पिया ! अम्ह
 इमीसे अगामियाण जाव अटवीण उदगदातारस्स
 सव्वओ समता मग्गणगवेसण करित्ता” ति
 कट्ठु अणमणस्स अतिण ण्यमट्ट पटिसुणेंति २
 ता तीसे अगामियाण जाव अटवीण उदगदाता-
 रस्स सव्वओ समता मग्गणगवेसण करेई करित्ता
 उदगदातारमलभमाणा दोवपि अणमण सहा-
 वेन्ति सहावेत्ता एव वयासी —

“इह ण देवाणुप्पिया ! उदगदातारो णत्थि
 त णो खलु कप्पइ अम्ह अदिण गिरिहत्ताण []
 अदिण साइज्जित्ताण, त मा ए अम्हे इयाणि आव-
 इकाल पि अदिण गिरामो अदिण साइज्जामो

कालमासे काल किञ्चा वभलोण कप्पे देवत्ताए उव-
वण्णा । तहि तेसि गई दससागरोवमाइ ठिई
पणत्ता, परलोगस्म आराहगा, सेसं तं चेव ॥१३॥

(सू० ४०) बहुजणे ण भते ! अणमणस्स
एवमाइक्खइ एवं भासइ एव परूवेइ । “एव खलु
अम्मे परिव्वायए कपिल्लपुरे णयरे घरसए आहा
रमाहरेइ, घरसए वसहि उवेइ, से कहमेय भते !
एव ?” ।

“गोयमा ! ज ण से बहुजणो अणमणस्स
एवमाइक्खइ जाव एव परूवेइ—‘एवं खलु अम्मडे
परिव्वायए कपिल्लपुरे जाव घरसए वसहि उवेइ,
सधे ण एसमहे, अहंपिण गोयमा ! एवमाइक्खामि
जाव एव परूवेमि ‘एवं खलु अम्मटे परिव्वायए
जाव वसहि उवेइ’” ।

से केणट्टेण भते ! एवं बुधइ—अम्मडे परिव्वा-
यए जाव वसहि उवेइ ?

“गोयमा ! अम्मटस्स ण परिव्वायगस्स पगइ-
भइयाए जाव विणीयपाए उट्ठंउट्ठेण अनिक्खित्तेण
तथोकम्मेण उट्ठं धाहाथो पगिज्झिय २ सूराभि
सुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स सुभेणं
परिणामेण [] पसत्थाहि लेसाहि विसुज्झमा

सन्ने मेष्टुणे पचस्त्वाए जावज्जीवाए, थूलए परिग्गहे
 पचस्त्वाए जावज्जीवाए, इयानि अम्हे समणस्स
 भगवओ महावीरस्स अतिए सब्ब पाणाइवाय पच-
 कप्पामो जावज्जीवाए, एव जाव सब्ब परिग्गह
 पचस्त्वामो जावज्जीवाए, सब्ब कोह माण माय
 लोह पेज्ज दोस कलह अब्भस्सणाण पेसुएण परप
 रिवाय अरहरइ मायामोस मिच्छादमणसल्ल अक-
 रणिउज जोग पचस्त्वामो जावज्जीवाए, सब्ब असणं
 पाण ग्वाइम साइम जउव्विह पि आहार पचस्त्वामो
 जावज्जीवाए । ज पि य इम सीर इह कस पि
 मणुएण मणाम [पेज्ज] थेज्ज वेसामिय समय पटुमय
 अनुमय भडकरडगममाण मा ण सीय मा ण उएह
 मा ण रुहा मा ण पिवासा मा ण बाला मा ण
 चोरा मा ण दसा मा ण मसगा मा ण बाइयपि-
 स्सिय [] समिवाइयविधिहा रोगायका परीसहो-
 वसग्गा कुमतु तिरिट्ठु एयपि ण चरमेहि उस्साम
 णोसामेहि वोसिरामि तिरिट्ठु सलेहणाभूत्तणा-
 भूसिया भत्तपाणपडियाइक्खिया पाओवगया काल
 अणवरुवमाणा विहरति ।

तए ण ते परिव्याया बहूइ भत्ताइ अणसणाए
 छेदेन्ति छेदित्ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता

सगड वा एव त चेव भाणियव्व जाव णएणत्थ
एगाए गगामट्ठियाण । अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स
णो कप्पइ आराकम्मिए वा उद्देसिए वा मीसजाण
इ वा अज्झोयरए इ वा पूहकम्मे इ वा कीयगडे इ
वा पामिच्चे इ वा अणिसिद्धे इ वा अभिह्ठे इ वा
ठहत्तए वा रहत्तए वा कतारभत्ते इवा दुग्घिमक्ख-
भत्ते इ वा पाहुणगभत्ते इ वा गिलाणभत्ते इ वा
वहलियाभत्ते इ वा भोत्तए वा पाइत्तए वा, अम्म
डस्स ण परिव्वायगस्स णो कप्पइ मूलभोयणे वा
जाव थीयभोयणे वा भोत्तए वा पाइत्तए वा ।

अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स चउव्विहे अणट्ठा-
दडे पच्चक्खाए जावज्जीवाए । त जहाः—अवज्झा-
णायरिए पमायायरिए हिंसप्पयाणे पाचकम्मोवा-
एसे ।

अम्मडस्स कप्पइ मागए अट्ठादए जलस्स
पडिग्गाहित्तए सेऽविय वहमाणए णो चेव ण
अवहमाणए जाव सेऽविय परिपूए णो चेव ण
अपरिपूए, सेऽविय सावज्जेत्तिकारु णो चेव णं
अणवज्जे, सेऽविय जीवा इतिरुद्धु णो चेव णं
अजीवा मेऽविय दिण्णे णो चेव ण अदिएणे से-
ऽविय दत्तएत्थपायचरुचमसपक्खालणट्ठयाए पिबि-

णीहि अन्नया कयाइ तदावरणिज्जाण कम्माण खओ-
वसमेण ईहावूहामगणगसेसण करेमाणस्स वीरि-
यलद्धीण घेउव्वियलद्धीण ओहिणाणलद्धीए समुप्प-
ण्णातण्ण से अम्मडे परिव्वायए ताए वीरियल-
द्धीण घेउव्वियलद्धीण ओहिणाणलद्धी समुप्पण्णाए
जणविम्हायणरेउ कपिलपुरे णगरे घरमणजाव वसहिं
उवेइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव बुच्चई-अम्मडे परि-
व्वायए कपिलपुरे णगरे घरसए जाव वसहिं उवेइ ।

पहू ण भते ! अम्मडे परिव्वायए देवाणुप्पि
याण अतिए मुटे भविता अगाराओ अणगारिय
पव्वइत्तए ?

णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! अम्मडे ण परिव्वा-
याण समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव अप्पाण
भावेमाणे विहरइ, णवर ऊसियफलिहे अवगुयदु-
वारे धियत्ततेउरघरदारपवेमी [] एय ण बुच्चइ ।

अम्मटस्स ण परिव्वायगस्स वूलए पाणाइवाए
पच्चखाए जावज्जीवाण जाव परिगहे णवर सव्वे
मेहुण्णे पच्चखाए जावज्जीवाण ।

अम्मटस्स ण [परिव्वायगस्स] णो कप्पइ
अक्खसोयप्पमाणमेत्तपि जलं सयराह उत्तरित्तए,
णणत्थ अद्धाणगमणेण । अम्मटस्स ण णो कप्पइ

सगड वा एव त चेत् भाणियव्व जाव णणत्थ
एगाए गगामट्टियाण । अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स
णो कप्पइ आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा मीसजाए
इ वा अज्झोयरण इ वा पूहरुम्मे इ वा कीयगटे इ
वा पामिच्चे इ वा अणिसिद्धे इ वा अभिहडे इ वा
ठहत्तए वा रहत्तए वा कत्तारभत्ते इवा दुब्भिक्ख-
भत्ते इ वा पाहुणगभत्ते इ वा गिलाणभत्ते इ वा
चहलियाभत्ते इ वा भोत्तए वा पाहत्तए वा, अम्म
डस्स ण परिव्वायगस्स णो कप्पइ मूलभोयणे वा
जाव बीयभोयणे वा भोत्तए वा पाहत्तए वा ।

अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स चउव्विहे अणट्ठा-
हडे पच्चक्खाए जावज्जीवाण । न जहाः—अवज्झा-
णायरिए पमायायरिए हिंसप्पयाणे पावकम्मोवा-
एसे ।

अम्मडस्स कप्पइ भागए अट्ठाढण जलस्स
पटिग्गाहित्तए सेऽविय वहमाणए णो चेव ण
अवहमाणए जाव सेऽविय परिपूए णो चेव ण
अपरिपूए, सेऽविय सावज्जेत्तिक्काऊ णो चेव ण
अणवज्जे, सेऽविय जीवा इतिकट्ठु णो चेव णं
अजीवा सेऽविय दिण्णे णो चेव ण अदिण्णे से-
ऽविय दत्तहत्थपायचरुचमसपक्खालणट्ठयाए पिचि-

त्तए वा णो चेव ण सिणाइत्तए । अम्मडस्स कप्पइ
मागहए य आढए जलस्स पडिग्गाहत्तए, सेऽवि
य बहमाणए जाव दिन्ने णो चेव ण अदिण्णे, सेऽवि-
य मिणाइत्तए णो चेव ण इत्थपायचरुचमसपफला-
लणह्वयाण पिचित्तए वा ।

अम्मडस्स णो कप्पइ अणणउत्थिया वा अणण-
उत्थियदेवयाणि वा अणणउत्थियपरिग्गाहियाणि वा
चेइयाइ वदित्तए वा णमसित्तए वा जाव पज्जुवा-
सित्तए वा, णणत्थ अरिहते या अरिहत्तचेइयाइ वा ।

अम्मडे ण भते ! परिव्वायए कालमासे काल
किच्चा कर्हिं गच्छिहिति ? कर्हिं उववज्जिहिति ?
गोयमा ! अम्मडे ण परिव्वायए उच्चायणहि सील-
व्वयगुणवेत्तमणपच्चत्तयाणपोसरोववासेहि अप्पाण
भावेमाणे बहूइ वामाइ समणोवासयपरियायं
पाज्जणिहिति, २ ता मासियाण मलेहणाण अप्पाण
भूसित्ता सट्ठि भत्ताइ अणसणाण छेदित्ता आलो-
इयपडिक्कने समाहिपत्ते कालमामे काल किच्चा
बभलोण रूपे देवत्ताण उववज्जिहिति । तत्थ ण
अत्थेगइयाण देवाण दस सागरोवमाइ ठिई
पणत्ता । तत्थ ण अम्मडस्स वि देवस्स दस
सागरोवमाइ ठिई ।

से ण भते ! अम्मडे देवे ताओ देवलोगाओ
आउक्खणं भवस्खएण ठिइस्खएण अणतर चय
चइत्ता कहिं गच्छिहिति कहि उववज्जिहिति ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे जाइ कुलाइ भवति
अड्ढाइ दित्ताइ वित्ताइ विच्छिण्णविउलभयण-
सयणासणजाणवाहणाइ बहुधणजायरुजरययाइ
आओगपओगसपउत्ताइ विच्छद्वियपउरभत्तपाणाइ
बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूयाइ बहुजणस्स
अपरिभूयाइ तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए
पच्चायाहिति ।

तएण तस्स दारगस्स गवभत्थस्स चंव समा-
णस्स अम्मापिईण धम्मे दढा पइएणा भविस्मइ ।

से ण तत्थ णवरह मासाण बट्टपडिपुएणाण
अद्धहमाणराइदियाणगीइक्कताण सुकुमालपाणिपाए
जाव ससिसोमाकारे कते पियदसणे सुरूवे दारए
पयाहिति ।

तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे
दिवसे ठियवडिय काहिति, थिइयदिवसे चदसूर-
दसणियं काहिति, छट्ठे दिवसे जागरिय काहिति,
एक्कारसमे दिवसे वीइक्कने णिवित्ते असुइजायरु-
म्मकरणे सपत्ते चारसाहे दिवसे अम्मापियरो इम्मं

ण्यास्य गोण गुणणिप्करणेण नामधेज्ज कारिति—
 “जम्हा ण अम्ह इमसि दारगसि गढ्मत्थसि चेव
 समाणसि धम्मे दढपइण्णा त होउ ण अम्ह दारए
 दढपइण्णे णामेण” तए ण तस्स दारगस्स अम्मा-
 पियरो णामधेज्ज करेहिति दढपइण्णेस्ति ।

[] त दढपइण्णा दारग अम्मापियरो साइरे-
 गढ्मासजायग जाणित्ता सोभणसि तिहिकरण
 [दिवस] णम्पत्तमुहुत्तमि कलापरियत्तस
 उवणेहिति ।

तए ण से कलापरिए त दढपइण्ण दारग
 लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ मडणम्यपज्जवसा-
 णाओ धावत्तरिकलाओ सुत्तओ य अत्थओ य
 करणओ य सेहाविहिति सिम्खाविहिति, त
 जहा—लेह गणिय रूव णट्ट गीय वाइय सरगय
 पुन्रखरगय समताल जूय जणवाय पासग अट्ठावय
 पोरेकच्च दगमट्ठिय अण्णविहि [पाणविहिं
 चत्थविहिं विलेवणविहि] सयणविहि अज्ज
 पलेलिय भागहिय गाह गोइय सिन्नोय हिरण्ण-
 जुत्ति सुवण्णजुत्ति गघजुत्ति चुण्णजुत्ति आभरण-
 विहिं तरणीपडिकम्म इत्थिलक्खण पुरिसल-
 क्खण हयलक्खण गयलक्खण गोणलक्खण कुक्कु-

टलकखण चकलकखण छतलकखण चम्मलकखण
 दंडलकखण असिलकखण मणिलकखण काकणि-
 लकखण वत्थुविज्ज खंधारमाण नगरमाण उत्थुनि-
 चेसण [] वूह पडिवूह चार पडिचार चकवूह
 गरुलवूह सगडवूह जुद्ध निजुद्ध जुद्धाइजुद्ध
 मुट्टिजुद्ध बाहुजुद्ध लयाजुद्ध ईसत्थ करुणवाहं
 धणुव्वेय हिरणपाग सुवणपाग [] वट्ठेइड
 सुत्तलेइड पालियालेइड पत्ताच्छेज्ज कडगच्छेज्ज
 सज्जीव निज्जीव सउणरुयमिति यावत्तरिकलाओ
 सेहावित्ता मिक्खावेत्ता अम्मापिईण उवणेहिति ।

तए ण तस्स दढपइण्णस्स दारगस्स अम्मापियरो
 त कलायरिय चित्तेण अमणपाणत्ताइमसाइमेणं
 वत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेहिति सम्माणेहिति
 २ ता त्रिउल जोवियारिहं पीइदाण दल्लइस्सति, २
 ता पडिविसज्जेहिति ।

तए ण से दढपइण्णे दारए यावत्तरिकलापडिण
 नवगसुत्तपडिबोहिण अट्ठारसदेसीभासाविसारए
 पीयरई गधव्वणट्ठकुसले हयजोही गयजोही
 हजोही बाहुजोही बाहुण्णमदी वियालचारी साह-
 सेए अलभोगसमत्थे यावि भविस्सइ ।

तए ण दढपइण्ण दारग अम्मापियरो यावत्त-

रिकलापडिय जाव अलभोगसमत्थ वियाणित्ता
विडलेहि अण्णभोगेहि पाणभोगेहि लेणभो-
गेहि वत्थभोगेहि मयणभोगेहि कामभोगेहि
उवणिमतेहिति ।

तए ण से दढपइण्णे दाए तेहि विडलेहि
अण्णभोगेहि जाव सयणभोगेहि णो सज्जिहिति
णो रज्जिहिति णो गिज्झिहिति णो मुज्झिहिति
णो अज्झोववज्झिहिति ।

से जहा णामए उप्पले इ वा पडमे इ वा
कुसुमे इ वा नलिणे इ वा सुभगे इ वा सुगधे इ
वा पोडरीए इ वा महापोडरीए इ वा सयपत्ते इ वा
सहस्सपत्ते इ वा सयसहस्सपत्ते इ वा पके जाए
जले सवुट्ठे णोवलिप्पइ पकरणण णोवलिप्पइ
जलरणण, एवामेव दढपइण्णे वि दारए कामेहि
जाए भोगेहि सवुट्ठे णोवलिप्पिहिति कामरणण
णोवलिप्पिहिति भोगरणण णोवलिप्पिहिति मित्त-
णाइणियगसयणसवधिपरिजणेण ।

से ण तहारूवाण थेराण अतिए केवल
योहि बुज्झिहिति २ ता अगाराओ अणगारिय
पव्वइहिति ।

सेणं भविस्सड् अणगारे भगवते ईरियासमिए
व गुत्तवभयारी ।

तस्स ण भगवतस्स ण्णं विहारेण विहरमा-
स्म अणते अणुत्तरे णिव्वाघाण निरावरणे कसिणे
डिपुण्णे केवलचरणाणदंमणे समुप्पज्जहिति ।

[] तए ण से दढपइण्णे केवली न्हइ वासाइ
वलिपरियाग पाउणिहिति पाउणिहि ता मासियाण
लेहणाए अप्पाण भूमित्ता सट्ठि भत्ताड् अण
णाए छेदित्ता जस्सट्ठाण कीरड् एगग मावे मुडभावे
पण्हाणए अदतवणण केमलोण वभचेरवासे अच्छ-
ग अणोवाहणग भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा
रघरपवेसो लद्धावलद्ध वित्तीण माणावमाणणाओ
रेहि हीलणाओ गिसणाओ निदणाओ मरह-
णाओ तालणाओ तज्जणाओ परिभवणाओ पव्व-
हणाओ उच्चावया गामकट्ठगा बावीम परीसहोव-
सग्गा अहिधामिज्जति तमट्ठमाराहित्ता चरिमेहिं
उस्सामणिस्सासेहिं सिज्झिहिति बुज्झिहिति
मुच्चिहिति परिणिव्वा हिनि सब्बदुक्खाणमंतं
करेहिति ॥ १४ ॥

(सू० ४१) सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णि-
वेसेसु पव्वइया समणा भवति, त जहाः—आय-

रिक्तापडिय जाय अलभोगसमत्थ वियाणित्ता
 विउलेहिं अण्णभोगेहिं पाणभोगेहिं लेणभो-
 गेहिं वत्थभोगेहिं मयणभोगेहिं कामभोगेहिं
 उवणिमतेहिंति ।

तए ण मे ददपइण्णे दारए तेहिं विउलेहिं
 अण्णभोगेहिं जाव मयणभोगेहिं णो सज्झिहिति
 णो रज्झिहिति णो गिज्झिहिति णो मुज्झिहिति
 णो अउभोववज्झिहिति ।

से जहा णामए उप्पले इ वा पउमे इ वा
 कुसुमे इ वा नलिणे इ वा सुभगे इ वा सुगघे इ
 वा षोडरीए इ वा महाषोडरीए इ वा सयपत्ते इ वा
 सहस्सपत्ते इ वा सयसहस्सपत्ते इ वा परे जाए
 जले सबुद्धे णोवल्लिप्पइ पकरण णोवल्लिप्पइ
 जलरण, एवामेव ददपइण्णे वि दारए कामेहिं
 जाए भोगेहिं सबुद्धे णोवल्लिप्पिहिति कामरण
 णोवल्लिप्पिहिति भोगरण णोवल्लिप्पिहिति मित्त-
 णाइणिगसयणमधधिपरिजणेण ।

से ण तहारूवाण थेराण अतिए केवल
 वोहिं बुज्झिहिति २ ता अगाराओ अणगारिय
 पन्वइहिति ।

अप्पाणं भावेमाणा घट्टं वासाहं आउय पालेति
पालिस्ता भत्त पच्चस्सति घट्टं भत्ताहं अणमणा
धेयति धेदत्ता आलोइयपडिक्कना समाहिपत्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोमेण सहस्समारे कप्पे
देवत्ताण उच्चत्तारो भवति, तेहि तेस्सि गइं,
अट्टारम सागरोवमाहं ठिई पण्णत्ता परलोगस्स
आराहगा, सेस्सं त चेत्त ॥ १६ ॥

से जे इमे गामागर जाव सनिवेसेसु आजी-
विया भवति, त जहा—दुघरतरिया तिघरतरिया
सत्तघरतरिया उप्पलव्येदिया घरसमुदाणिया रिज्जु-
यत्तरिया उद्वियासमणा, ते ण त्थारुवेणं विहारेणं
विहरमाणा घट्टं वासाहं परियाय पाउणित्ता काल-
मासे कालं किच्चा उक्कोमेण अरुच्चुत्त कप्पे देवत्ताण
उच्चत्तारो भवति, तेहि तेस्सि गइं यावीस सागरो-
वमाहं ठिई, अणाराहगा, सेस्सं त चेत्त ॥ १७ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु
पव्वइया समणा भवति, त जहा—अत्तुक्को-
सिया परपरिवाइया भूइकम्मिया भुज्जो भुज्जो
कोउयकारगा, ते ण त्थारुवेणं विहारेणं विह-
रमाणा घट्टं वासाहं सामण्णपरियागं पाउणति

रियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया
 गणपडिणीया आयरियउवज्झायाण अयसकारगा
 अवण्णकारगा अकित्तिकारगा बहृहि असम्भावु-
 ञ्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाण च
 पर च तदुभय च वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा विह-
 रिता यद्दइ चासाइ सामण्णपरियाग पाउणति-
 पाउणि ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअप्पटिक्कता
 कालमासे काल किच्चा उक्कोसेण ततए कप्पे
 देवकिण्विसिएसु देवकिण्विमियत्ताए उववत्तारो
 भवति, तहिं तेसि गई, तेरस सागरोवमाइ ठिई,
 अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १५ ॥

सेज्जे इमे सण्णपचिंदियतिरिग्गवजोणिया
 पज्जत्तया भवति, त जहा — जलयरा थलयरा खह-
 यरा तेसि ण अत्येगइयाण सुभेण परिणामेण पस-
 त्थेहि अज्झवसाणेहिं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहि
 तयावरणिज्जाण कम्माण ग्वओउसमेण ईहापोह
 मग्गणगवेसण करेमाणाण सण्णीपुब्बजाईसरणे
 समुप्पज्जई ।

तए ण ते समुप्पण्णजाइसरा ममाणा सयमेव
 पचाणुव्वयाइ पटिज्जति पडिवज्जि ता बहृहिं सीलव्व-
 यणुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं । १ ५

अप्पाणं भावेमाणा बहूइ वासाइं आउय पालेंति
पालित्ता भत्ता पच्चरूपति बहूइ भत्ताइं अणसणा
छेयति छेइत्ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोसेण सहस्सारे कप्पे
देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहि तेसि गइं,
अट्टारस सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता परलोगस्स
आराहगा, सेसं त चेव ॥ १६ ॥

से जे इमे गामागर जाव सनिचेसेसु आजी-
विया भवति, त जहा—दुघरतरिया तिघरतरिया
सत्तघरतरिया उप्पलनेटिया घरसमुदाणिया विज्जु-
यतरिया उट्टियासमणा, ते ण एयारूवेण विहारेणं
विहरमाणा बहूइ धामाइ परियाय पाउणित्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोसेण अच्चुण रूपे देवत्ताण
उववत्तारो भवति, तेहि तेसि गइं बावीस सागरो-
वमाइ ठिई, अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १७ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिचेसेसु
पच्चइया समणा भवति, त जहा—अत्तुक्को-
सिया परपरिवाइया भूइकम्मिया भुज्जो भुज्जो
कोउयकारगा, ते ण एयारूवेणं विहारेण विह-
रमाणा बहूइ वासाइ सामण्णपरियाग पाउणति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसि गइ पावोम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्म
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
रहगा भवति, त जहा-१ घटुरया २ जीवपएसिया
३ अव्वत्तिया ४ साम्भच्छेइया ५ दोफिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिग्रहगा
केवललवरियालिगसामण्णा मिच्छदिट्ठी घट्टहिं
असम्भायुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणियेमेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचतुग्गाहेमाणा दुप्पाए-
माणा विहरित्ता घट्टइ वासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसि गइ एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपुण्ड्र धम्मिष्टा धम्मस्तुष्ट धम्मपुल्लोष्ट
धम्मपुल्लोष्ट धम्मसमुदायारा धम्मणे चेव त्रित्ति
वणेमाणा सुसीला सुव्वया सुपडियाणदा साह
णग्याओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी-
याण, गगच्छाओ अपडिविरया एव जाव परिग-
द्याओ २, गगच्छाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अन्म-
पराणाओ पेसुण्णाओ परपरिवागाओ अरइरईओ
मायामोमाओ मिच्छादमणमल्लाओ पडिविरया
जावज्जीयाण गगच्छाओ अपडिविरया, गगच्छाओ
अर सस्मारमाओ पडिविरया जावज्जीयाण गग-
च्छाओ अपडिविरया, गगच्छाओ करणकारावणाओ
पडिविरया जावज्जीयाण गगच्छाओ अपडिविरया,
गगच्छाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीयाण
गगच्छाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, गगच्छाओ
कोट्टणपिट्ठणतल्लणतालणयहपधपरिकिलेमाओ प-
डिविरया जावज्जीयाण गगच्छाओ अपडिविरया, गग-
च्छाओ पट्टाणमदणवण्णगत्रिलेयणमदफरिसरमरुवगं-
धमल्लालंकाराओ पडिविरया जावज्जीयाण गगच्छाओ
अपडिविरया, जे धावण्णे तत्तप्पगारा माधज्जजोगो-
यहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अच्चुण कप्पे आभि
ओगिण्णु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेमिं गई पावीम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ यदुरया २ जीवणसिया
३ अच्चत्तिया ४ साम्मुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सस पवयणणिप्रहगा
फेवललचरियालिगसामणणा मिच्छद्धिही पहरिं
असम्भावुम्भावणारिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता वट्ठ् वासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसिं गई एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपणुया धम्मिद्वर्ग धम्मसुद्धाई धम्मपलोई
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मणेणं चेव विट्ति
कप्पेमाणा सुमीला सुच्चया सुप्पडियाणदा माह
 एगच्चाओ पाणाइचायाओ पडिविरया जावज्जी
 याए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हायो २ एगच्चाओ मोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमायो] कलहाओ अज्म-
 कयाणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरहरईओ
 मायामोमाओ मिच्छादमणमहाओ पडिविरया
 जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरमसमारमाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्टणनज्जणतालणवहवधपरिकित्तेसाओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमइणवण्णगविलेणसइफरिसरसरुवग-
 धमलालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुवुण कप्पे आभि
ओगिणसु देयेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई पावीस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, मेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
रुहगा भवति, त जहा-१ यदुरया २ जीवणसिया
३ अव्वत्तिया ४ साम्मच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अमद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिण्हगा
केवललवरियालिगसामण्णा मिच्छद्धिी यद्दहिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा धुप्पाए-
माणा विहरित्ता यद्दइ धासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई णक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेम त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारमा अप्परिगहा धम्मिया

धम्मपल्लया धम्मिन्द्रा धम्मसुखाई धम्मपल्लोई
धम्मपल्लज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मोणं चेव वित्ति
कप्पेमाणा सुमीला सुब्बया सुप्पटियाणदा साह
 एगच्चाओ पाणाइवायाओ पटिविरया जावज्जी-
 चाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अन्न-
 रत्ताणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरहरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीचाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरभसमारभाओ पडिविरया जावज्जीचाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पटिविरया जावज्जीचाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीचाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्टणमज्जणतालणवह्वघपरिकिलेमाओ प-
 डिविरया जावज्जीचाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमहणवण्णगणिलेणसद्धफरिसरसरुवग-
 घमल्लालकाराओ पटिविरया जावज्जीचाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 चरिया कम्मता परपाणपरिवावणकरो कज्जति

२ सा तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुचुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गर्ह पावोस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवपएसिया
३ अट्टयत्तिया ४ साम्भुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अयद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामणणा मिच्छदिट्ठी यट्ठिं
असम्भावुम्भावणाहि मिच्छत्ताभिणियेसेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता यट्ठ यामाइ सामरणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेयेज्जेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसिं गर्ह एकतीम सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो
धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो
कणेमाणा सुमीला सुव्वया सुप्पटियाणदा साह
एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी
याए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग-
हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
लोहाओ पेज्जाओ [दोसाओ] कलहाओ अन्म-
स्वाणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरइरईओ
मायामोमाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
आरभसमारभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
कोट्टणपिट्टणमज्झणतालणवट्ठयधपरिकिलेसाओ प-
डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
च्चाओ एहाणमहणवण्णगविलेणमहफरिसरसरुवग-
धमलालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
यट्ठिया कम्मता परपाणपरियावणकरो कज्जति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किच्चा उक्कोमेण अरुवुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेषु देवत्ताण उचवत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई वावीस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु शि-
यहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवणसिया
३ अवसिया ४ सामुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेगमिया ७ अवद्विया इच्चेते सत्त पवयणणिग्रहा
केवललचरियालिंगसामण्णा मिच्छदिट्ठी यद्वहिं
असवभावुग्भावणहिं मिच्छत्ताभिणियेसेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता यद्वइ वासाइ सामण्णपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किच्चा उक्कोमेण
उचरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उचवत्तारो भवति ।
तेहि तेसिं गई एक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा मेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लया' धम्मिद्धा, धम्मसुद्धा' धम्मपल्लोई
धम्मपल्लया धम्मसुद्धाया' धम्मपल्लोई
कप्पेमाणा सुसीला सुब्बया सुप्पडियाणदा माह
 ण्णच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी-
 चाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अज्ज-
 न्णयाओ पेसुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरमसमारंभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकाराण्णाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्ठणतज्जणतालणरहणं परिक्खित्ताओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 चाओ ण्हाणमहणवण्णगविलेणसदफरिसरसरुवग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहण्णगारा सावज्जजोगो-
 चरिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जति

२ ता तस्म ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अच्चुए कप्पे आभि
ओगिण्णु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई वाचीस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवपएसिया
३ अढवत्तिया ४ साम्मच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अयट्ठिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललवहरियालिंगसामणणा मिच्छदिट्ठी यट्ठिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं ॥
अप्पाण च पर च तदुभयचनुग्गाहेमाणा बुप्पाए-
माणा विहरित्ता यट्ठ वासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई णक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो
धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो
कप्पेमाण सुमीला सुव्या सुप्पडियाणदा साह
एगच्चाओ पाणाइवायाओ पट्टिविरया जावज्जी
वाए, एगच्चाओ अपट्टिविरया एव जाए परिग-
हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ भायाओ
लोहाओ पेज्जाओ [दोसाओ] कलहाओ अन्म-
स्वाणाओ पेतुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरईओ
मायामोसाओ मिळ्ळादसणमल्लाओ पट्टिविरया
जावज्जीवाए एगच्चाओ अपट्टिविरया, एगच्चाओ
आरभसमारंभाओ पट्टिविरया जावज्जीवाए एग-
च्चाओ अपट्टिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
पट्टिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपट्टिविरया,
एगच्चाओ पयणपयावणाओ पट्टिविरया जावज्जीवाए
एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपट्टिविरया, एगच्चाओ
कोट्टणपिट्ठणतज्जणताल्लणवहवधपरिकिलेसाओ प-
ट्टिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपट्टिविरया, एग-
च्चाओ णट्ठाणमट्ठणवण्णगविलेणसद्धफरिसरमरुवग-
धमल्लालंकाराओ पट्टिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
अपट्टिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
चहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ सा तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोमेण अच्चुण कप्पे आभि
ओगिण्णु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसि गई वाचोम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि
एहगा भवति, त जहा-? यदुरया २ जीवपणसिया
३ अवरत्तिया ४ साम्मुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामण्णा मिच्छदिट्ठी यदुहिं
असन्भावुग्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा दुप्पाए-
माणा विहरित्ता यदुइ वासाइ सामण्णपरियाग
पाउणति २ कालमामे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई एक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा मेम त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिगहा धम्मिया

वन्नाणुया धम्मिद्वा धम्मस्पाई धम्मप्पलोई
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेणं चेव वित्ति
कप्पेमाणा सुमीला सुव्वया सुप्पडियाणदा साह
 ण्णाचाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी
 याए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ भायाओ
 नोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अब्भ-
 रत्ताणाओ पेत्तुण्णाओ परपरिवायाओ थरहरईओ
 भायामोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीयाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरमसमारभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणसारावणाओ
 पडिविरिया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरिया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणविट्ठणनज्जणतालणउहवधपरिकिलेमाओ प-
 डिविरिया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ णहाणमहणवण्णगविलेउणमहफरिसरसख्वग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरिया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे पावण्णे तहप्पगारा सावज्जीजोगो-
 चट्टिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ सा तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोमेण अरुचुण रूपे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहि
तेमि गइं घावोम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ चटुरया २ जीवपएसिया
३ अव्यत्तिया ४ साम्भच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अषद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिग्रहगा
केवललचरियालिगसामणणा मिच्छदिट्ठी यट्ठहिं
असम्भावुम्भावणारिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचयुग्गाहेमाणा चुप्पाण-
माणा विहरित्ता यट्ठहं घासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु मेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसिं गइं एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिगगा धम्मिया

धम्माणुया धम्मिद्वा धम्मस्पाई धम्मप्पलोई
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेणं चेव विस्ति
कप्पेमाणा सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणदा साह
 एगच्चाओ पाणाहवायाओ पडिविरया जावज्जी
 वाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोसाओ] कलहाओ अम्भ-
 वत्ताणाओ पेसुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणमल्लाओ पडिविरया
 जावज्जोवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरभसमारभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्ठणतज्जणतालणवहवधपरिकिलेमाओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमद्दणवण्णगविलेवणसहफरिसरसरूवग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 वहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

तथो वि जाव ण्गच्छाथो पटिरिरया जावजीवाए
एगच्छाथो अपडिविरया ।

त जहा.— समणोवासगा भवति, अभिगय
जीवाजीवा उयलद्धपुण्णवा आसवसवरनिज्वरकि-
रियाअहिगरणपथमोअग्गुसत्ता असहेज्जाओटेग-
सुरणागजक्खरग्ग्वसक्खिरकिपुरीसगम्लगधअम-
होरगाइणहि देउगणेहिं निग्गथाओ पावयणाओ
अणटक्कमणिज्जा निग्गये पाउयणे णिस्सकिया णिक्क-
खिया निव्वित्तिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा
अभिगयट्ठा विणिच्चियट्ठा अट्ठिमिजपेमाणुरागरत्ता
“अयमाउसो ! निग्गये पावयणे अट्ठे अय परमट्ठे
सेसे अणट्ठे” उमियफलित्ता अवगुयट्ठुवारा चियत्त-
तेउरपरघरदारप्पवेमा चउइसट्ठमुद्धिट्ठपुण्णमासिणी
सु पडिपुण्ण पोमह सम्म अणुपालेमाणा समणे
निग्गथे कासुणसणिज्जेण असणपाणत्वाइमसाइमेण
वत्थपडिग्गहकयलपायपुउणेण ओसहमेमज्जेणं
पडिहारएण य पीढफलगसेज्जासधारण्ण पडिलाभे-
माणा विहरति २ ता भत्त पचअत्ति ते चहइ
भत्ताइ अणसणाए छेदेति छेदित्ता आलोइयपडिक्कना
समाहिपत्ता कालमासे काल किच्चा उक्कोसेण
अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहिं

तेसि गर्ड वावीसं सागरोवमाइ ठिई आराहया
सेस तरेव ॥ २० ॥

सेजे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा — अणारभा अपरिग्गहा धम्मिया
जाव कप्पेमाणा सुमीला सुब्बया सुपडियाणदा
साह सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जाव
सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया सव्वाओ कोहाओ
माणाओ मायाओ लोभाओ जाव मिच्छादसण-
सल्लाओ पडिविरया सव्वाओ आरभसमारभाओ
पडिविरया सव्वाओ करणरारावणाओ पडिविरया
सव्वाओ पयणपयावणाओ पडिविरया सव्वाओ
कुइणपिट्ठणतज्जणतालणवह्वधपरिकिलेसाओ पडि-
विरया सव्वाओ ण्हाणमहणवण्णगविलेवणसद्वकरि-
सरसरुवगधमल्लालकाराओ पडिविरया जेयावणो
तहप्पगारा सावज्जजोगोवहिया रुम्मता परपाण-
परियावणरारा कज्जति तओ वि पडिविरया
जावज्जीवाण ।

से जहा णामण अणगारा भवति:—हरियास-
मिया भीसासमिया जाव इणमेय निग्गथ पावयण
पुरओकाउ विहरति ।

तेसि ए भगवंताणं एएण विहारेण विहरमा-

णाण अत्येगइयाण अणते जाव केवलवरनाणदसणे समुप्पज्जइ । ते षट्ठइ चासाइ केवलपरियाग जाव पाउणति पाउणि सा भत्ता पच्चग्गति भत्ता सा षट्ठइ भत्ताइ अणमणाए छेदेन्ति छेदि सा जस्मट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव अत करति ।

जेमिं वि य ण एगइयाण गो केवलवरननाण-
दसणे समुप्पज्जइ ते षट्ठइ चामाइ उउमत्थपरियाग
पाउणति पाउणि सा आयाहे उप्पण्णे वा अणुप्पण्णे वा
भत्ता पच्चग्गति । ते षट्ठइ भत्ताइ अणसणाए छेदेन्ति
छेदि सा जस्मट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव तमट्ठमारा-
हत्ता चरिमेहिं उसामणोसामेहि अणत अणुत्तर
निव्याघाय निरावरणं कसिण पडिपुण्ण केवल-
वरनाणदसण उप्पाडिमि, तयो पच्छा सिज्झिहिति
जाव अत करेहिति ।

एगच्चा पुण एगे भयनारो पुब्बकम्मावसेसेण
कालमामे काल किंचा उक्कोसेण सन्न्यट्ठसिद्धे महा-
विमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहि तेसिं गई
तेत्तीस सागरोविमाइ ठिई, आराहगा, सेस त
चेव ॥ २१ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव मणिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा—सव्वकामविरया सव्वरागविरया

सव्वेसगातीता सव्वसिणेहाइक्कना अक्कोहा निक्कोहा
हा एवखीणक्को माणमायालोहा अणुपुब्बेण अट्ठ
कम्मपयडीओ खवेत्ता उप्पि लोयग्गपइट्ठाणा
हवति ॥२२॥

(सू० ४२) अणगारे ण भते भावियप्पा केव-
लिसमुग्घाएण समोहणित्ता केवलकप्प लोय
फुसित्ता ण चिट्ठइ ? एता चिट्ठइ ।

से णूण भते ! केवलकप्पे लोए तेहि निज्जरापो-
ग्गलेहि फुडे ? एता फुडे ॥ १ ॥

छडमत्थे ण भते ! मणुस्से तेसि णिज्जरापो-
ग्गलाणं किञ्चि वएणेण वण्ण गधेणंगध रसेण रस
फासेण फासं जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे
समट्ठे ॥२॥

से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ—‘छडमत्थे ण
मणुस्से तेसि णिज्जरापोग्गलाण णो किञ्चि वएणेण
वण्ण जाव जाणइ पासइ ?’

गोयमा ! अय ण जजुहीवे दीवे सव्वदीवसमु-
द्धान सव्ववभतरए सव्वखुट्ठाए वट्ठे तेल्लपूयसठा-
णसठिण वट्ठे रहचक्काल सठाणसठिण वट्ठे पुक्ख-
रकण्णिपासठाण सठिए वट्ठे पडिपुण्णचदसठाण-
सठिए एक्क जोयणसयसहस्स आयामविस्संभेण

तिणिण जोयणमयसहस्साहं सोलमसहस्साहं दोणिण
यसत्तावीसे जोयणसण तिणिण यकोसे अट्ठावीस च
धणुसय तेरस य अगुलाह अद्गुलिय च किंचि
धिसेमाहिणपरिस्से चेण पणत्ते ।

देव ण महिद्धीण महज्जुतीए महव्यले महाजसे
महासुस्से महाणुभावे मणिलेवण गघममगय
गिएह २ ता त अवदालेह २ ता जाय इणामे-
वत्ति रुद्धु केवलकप्प जयुद्धीये दीये तिहिं अन्धरा-
णिवाणहि तिसत्तारुत्तो अणुपरियट्ठित्ता ण हव्व
मागच्छेज्जा ।

से णूण गोयमा ! मे केवलरूपे जयुद्धीये दीये
तेहि घाणपोग्गलेहिं फुडे ? एता फुटे ।

छउमत्थे ण गोयमा ! मणुस्से तेसिं घाणपो
ग्गलाण किंचि वण्णेण वण्ण जाय जाणह पासह ?
अगघ ! णो इणहे ममहे ।

से तेणट्ठेण गोयमा ! एउ बुच्चइ—छउमत्थे ण
मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाण णो किंचि वण्णेण
वण्ण जाय जाणह पासह ।

एसुहुमा ण ते पोग्गलापणत्ता, समणाजसो !
सव्वलोय पि य ण ते फुसित्ता ण चिट्ठति ॥३॥

कम्हा ण भते ! केवली समोहणति ? कम्हा

णं केवली समुग्घाय गच्छंति ? गोयमा ! केवलीणं
चत्तारि कम्मंसा अपलक्खीणा भवति, त जहा:-
(१) वेपणिज्जं (२) आउयं (३) णाम (४)
गोत्तं ।

सव्यवट्टए से वेपणिज्जे कम्मे भवइ,
सव्यत्थोवे से आउए कम्मे भवइ, ।
विसम समं करेइ बघणेहि ठिईहि य,
विसमसमकरणयाए बघणेहि ठिईहि य ।

एव खलु केवली समोहणंति एव खलु केवली
समुग्घाय गच्छंति ॥ ४ ॥

सव्वेवि णं भते ! केवली समुग्घायं गच्छंति ?
णो इण्ढे समट्ठे,
'अकिरिया ण समुग्घाय, अणंता केवली
जिणा जरामरणविप्पमुक्खा, सिद्धिं वरगइं
गया ॥१॥

कइसमए णं भंते ! आउजीरुणे पणणत्ते ?
गोयमा ! अमपेज्जसमइए अतोमुट्ठिए पणणत्ते
॥ ५ ॥

केवलिसमुग्घाए ण भंते ! कइसमइए पणणत्ते ?
गोयमा ! अट्ठसमइए पणणत्ते । त जहा-पढमे समए
दंड करेइ । बिइए समए कवाडं करेइ । तईए समए

मथ करेइ । चउत्ये समण लोय पूरेइ । पचमे समण
लोय पडिसाहरइ । छट्ठे समण मथ पटिसाहरइ ।
सत्तमे समण कवाह पडिसाहरइ । अट्ठमे समण
वड पडिसाहरइ तओ पच्छा मरीत्ये भयइ ॥६॥

से ण भते ! तदा समुग्घाय गण किं मणजोग
जुजइ ? वेयजोग जुजइ ? काययोग जुजइ ? गोयमा !
णो मणजोग जुजइ, णो वेयजोग जुजइ कायजोग
जुजइ, कायजोग जुजइ ॥७॥

कायजोग जजमाणे कि ओरालियमरीरकाय-
जोग जुजइ ? ओरालियमिस्ससरीरकायजोग
जुजइ ? वेडब्बियसरीरकायजोग जुजइ ? वेडन्निय-
मिस्ससरीरकायजोग जुजइ ? आहारगमरीरकाय-
जोग जुजइ ? आहारगमिस्समरीरकायजोग जुजइ ?
कम्मसरीरकायजोग जुजइ ? गोयमा ! ओरालिय-
सरीरकायजोग जुजइ, ओरालियमिस्ससरीरकाय-
जोगपि जुजइ, णो वेडब्बियसरीरकायजोग जुजइ
णो वेडन्नियमिस्ससरीरकायजोग जुजइ, णो आहा-
रगमरीरकायजोग जुजइ णो आहारगमिस्ससरी-
रकायजोग जुजइ कम्ममरीरकायजोग पि जुजइ,
पढमट्ठमेसु समणसु ओरालियसरीरकायजोग जुजइ
पिइयछट्ठसत्तमेसु समणसु ओरालियमि-

स्ससरीरकायजोग जुज्झइ तइयचउत्थपंचमेहिं
कम्मसरीरकायजोगं जुंजइ ॥८॥

से णं भते ! तहा समुग्घायगए सिज्झइ
बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सब्बदुक्खाणमंत
करेइ ? णो इणद्वे समद्वे, से णं तओ पडिणियत्तइ,
२ ता इहमागच्छइ, २ ता तओ पच्छा मणजोगं
पि जुंजइ वयजोग पि जुजइ कायजोग पि जुजइ ।

मणजोग जुंजघाणेकि सच्चमणजोगं जुजइ ?
मोसमणजोग जुजइ ? सच्चामोसमणजोग जुजइ ?
असच्चामोसमणजोग जुजइ ? गोयमा ! सच्चमण-
जोग जुजइ, णो मोसमणजोग जुजइ, णो
सच्चामोसमणजोग जुजइ असच्चामोसमणजोग
पि जुंजइ ।

वयजोगं जुजमाणेकि सच्चवइजोग जुजइ ?
मोसवइजोग जुजइ ? सच्चामोसवइजोगं जुजइ ?
असच्चामोसवइजोग जुजइ ? गोयमा, सच्चवइजोग
जुंजइ, णो मोसवइजोग जुजइ, णो सच्चामोसवइ-
जोग जुजइ असच्चामोसवइजोग पि जुजइ ।

कायजोग जुजमाणे आगच्छेज्ज वा चिट्ठेज वा
णिसीएज्ज वा तुयद्वेज वा उल्लघेज्ज वा पल्लघेज्ज
वा उरुखेवण वा पम्मेवण वा तिरियम्मेवण वा

करेज्जा पाडिहारिय वा पीढफलगमेज्जासधारग
पच्चप्पिणेज्जा ।

(सू० ४३) से ण भते ! नद्दासजांगी सिज्झइ
जाय अत करेइ ? णो इण्ठे समट्ठे ।

से ण पुज्जामेव सण्णस्स पच्चिदियस्स पज्ज
त्तागस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा असग्गेज्जगुणपरि
हीण पदमं मणजोग निरुभइ, तथाणतर च ण
विंदियस्स पज्जत्तागस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा
असग्गेज्जगुणपरिहीण विट्ठय यइजोग निरुभइ,
तथाणतरं च सुहमस्स पणगजीवस्स अपज्जत्ता
गस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा असग्गेज्जगुणपरिहीण
सइय कायजोग निरुभइ ।

से ण ण्ण [पउत्तेण] उवाण्ण पदम मणजोग
निरुभइ २ ता धयजोग निरुभइ २ ता कायजोग-
निरुभइ कायजोग निरुभइत्ता जोगनिरोह
करेइ, २ ता अजोगत्ता पाउणई, २ ता ईसिहस्स-
पचक्खरुच्चारणद्धाए असग्गेज्जसमईय अतोमुहु-
त्तिय सेलेसिं पट्ठियज्जई, पुच्चरइयगुणसेदीय च
ण कम्मं तीसे सेलेसिमद्धाए असग्गेज्जार्हि गुणसे-
दीहिं अणते कम्मसे खवेति येयणिज्जाउयणाम
गोए ईच्चेते चत्तारि कम्म से जुगव खवेई, २ ता

ओरालिपतेयरुम्माइ सुवार्हिं विप्पजहणार्हिं विप्प-
जह्द, २ ता उज्जूसेदीपडिवण्णे अफुसमाणगई
उड्ढं एकममएण अविग्गरेण [उड्ढ] गता सागा-
रोवउत्ते सिज्झई ।

ते ण तत्थ सिद्धा एवंति सादीया अपज्जवसिया
असरीरा जीवघणा दसणनाणोवउत्ता निट्ठियट्ठा
निरेयणा नीरया णिम्मलवितिमिरा विसुद्धा साम-
यमणागयद्ध कालं चिट्ठति ।

से केणट्ठेण भते ! एव चुच्चई 'ते ण तत्थ
सिद्धा भवति सादीया अपज्जवसिया जाव चिट्ठति' ?
गोयमा ! से जहा णामए थीयाण अग्गिदड्ढाण
पुणरवि अकुरुप्पत्ती ण भवई, एवामेव सिद्धाणं
कम्मवीण दड्ढे पुणरवि जम्मुप्पत्ती ण भवई । से
तेणट्ठेणं गोयमा ! एव चुच्चई-ते ण तत्थ सिद्धा
भवति सादीया अपज्जवसिया जाव चिट्ठति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरं मिसंघयणे
सिज्झन्ति ? गोयमा ! चइरोसभणारायसंघयणे
सिज्झन्ति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरमि संठाणे
सिज्झन्ति ? गोयमा ! छण्ह संठाणाण अरण्यरे
सठाणे सिज्झन्ति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरम्मि उच्चत्ते
सिज्झति ? गोयमा ! जरण्णेण मत्तरयणीं उक्को-
सेण पचघणुमइण सिज्झति ।

जीवा णं भते ! सिज्झमाणा कयरम्मि आउण
सिज्झति ? गोयमा ! जरण्णेण साइरेगट्टवामाउए
उक्कोसेण पुच्चकोट्टियाउण सिज्झति ।

अत्थि ण भते ! इमीसे रयणप्पहाण पुढवीण
अहे सिद्धा परिचसति ? णो इण्ठे समहे, एव जाव
अहे सत्तमाण ।

अत्थि ण भते ! सोहम्मस्म कप्पस्म अहे सिद्धा
परिचसति ?—णो इण्ठे समहे, एव सज्जेसिं पुच्छा,
ईसाणस्स मणकुमारस्स जाव अच्चुयस्स गेवेज्जवि
माणाण अणुत्तरविमाणाण ।

अत्थि ण भते ! ईसोपब्भाराण पुढवीण अहे
सिद्धा परिचसति ?, णो इण्ठे समहे ।

सं कर्हि एवाइ ण भते ! सिद्धा परिचसति ?
गोयमा ! इमीमे रयणप्पहाण पुण्योए यहुसमर
मणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढ चदिमत्तूरियगह-
गणणदग्गत्तनाराभवणाओ यहुइ जोयणाइ, यहुइ
जोयणसयाइ यहुइ जोयणसरस्साइ यहुइ जोयण
सयसरस्साइ यहुओ जोयणकोडीओ यहुओ जोय

णकोडाकोडीओ उद्धतर उप्पइत्ता सोहम्मीसाण
 सणंरुमारमारिंदयभलतगमहासुक्कसहस्सारआण-
 यपाणयआरणरुचुय तिणिण य अट्टारे गेविज्जविमा-
 णावासमण वोढ्हत्ता विजयवेजयतजयनअपराजि-
 यसव्वउठसिद्धस्स य मराविमाणस्स सव्वउवरि-
 ह्हाओ थूभियग्गाओ दुवालसजोयणाइ अवाहाण
 एत्थ णं ईसीपम्भारा णाम पुढवी पणत्ता पणया
 लीस जोयणसयसहस्साइ आयामविम्वभेण एगा
 जोयणकोटी धायालीस [च] सयसहस्साइ तीसं
 च नहस्साइ दोणिण य अउणापण्णे जोयणसए
 किंचि विसेसारिण परिरएण ।

ईसीपम्भाराण ण पुढवीण बहुमउम्भदेसभाण
 अट्टजोयणिण गेत्ते अट्ट जोयणाइ बाहल्लेणं, तयाण-
 तर च ण मायाण २ परिहायमाणो २ मध्वेसु चरि-
 मपेरतेसु मच्छिउयपत्ताओ तणुयतरा अंगुलस्स
 असपेज्जइभाग बाहल्लेण पणत्ता ।

ईसीपम्भाराण ण पुढवीण दुवालस णामधेज्जा
 पणत्ता, त जहा—ईसी इ वा ईसीपम्भारा इ वा
 तणू इ वा तणुतणू इ वा सिद्धी इ वा सिद्धालय इ
 वा मुत्तिी इ वा मुत्तालण इ वा लोयग्गे इ वा

जीवा ण भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि उच्चसे
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण सत्तरयणीए उफो-
सेण पचघणुमइए सिज्झति ।

जीवा ण भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि आउए
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण साइरेगट्टासाउए
उफोसेण पुवकोडियाउए सिज्झति ।

अत्थि ण भंते ! इमीसे रयणप्पहाए पुढवीए
अहे सिद्धा परिवसंति ? णो इणट्टे समट्टे एव जाव
अहे सत्तमाए ।

अत्थि ण भंते ! मोहम्मस्स कप्पस्स अहे सिद्धा
परिवसति ?—णो इणट्टे समट्टे, एव सन्वेसिं पुच्छा,
ईसाणस्स सणकुमारस्स जाव अन्धुयस्स गेवेज्जवि
माणेण अणुत्तरविमाणेण ।

अत्थि ण भंते ! ईमोपम्भाराए पुढवीए अहे
सिद्धा परिवसति ? , णो इणट्टे समट्टे ।

मे कर्हि खाइ ण भंते ! मिद्धा परिवसति ?
गोयमा ! इमीसे रयणप्पहाए पुणवोए यहसमर
मणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ड चदिमसूरियग्गह-
गणणक्खत्तताराभवणाओ यहइ जोयणाइ, यहइ
जोयणसयाइ यहइ जोयणसहस्साइ यहइ जोयण
सयसहस्साइ यहओ जोयणकोडीओ यहओ , जोय

णकोडाकोडीओ उड्ढतर उण्डत्ता मोहम्मीसाण
 सणंङ्कुमारमारिंदधभलतगनहासुफसहस्सारआण-
 यपाणयआरणञ्चुय तिणिण य अट्टारे मेविज्जविमा-
 णावाससण वोईहत्ता विजयवेजयतजघंतअपराजि-
 यसव्वड्ढसिद्धस्स य महाविमाणस्स सव्वउवरि-
 ल्लाओ थूभियग्गाओ दुवालसजोयणाइ अवाहाए
 गत्थ णं ईसीपम्भारा णाम पुढवी पणत्ता पणया-
 लीस जोयणसयसहस्साइ आयामविरुत्तंमेण एगा
 जोयणकोटी धायालीसं [च] सयसहस्साइ तीसं
 च महस्साइ दोणिण य अउणापण्णे जोयणसए
 किंचि विसेसारिण परिरण्ण ।

ईसीपम्भाराए ण पुढवीए बहुमउभदेसभाए
 अट्टजोयणिए गेत्ते अट्ट जोयणाइ बाहल्लेणं, नयाणं-
 तर च ण मायाए २ परिहायमाणो २ मन्वेसु चरि-
 मपेरतेसु मच्छिउयपत्ताओ तणुयतरा अगुलस्स
 असंग्गज्जइभाग बाहल्लेण पणत्ता ।

ईसीपम्भाराए ण पुढवीए दुवालस णामधेज्जा
 पणत्ता, त जहा—ईसी इ वा ईसीपम्भारा इ वा
 तणू इ वा तणुतणू इ वा सिद्धी इ वा सिद्धालय इ
 वा मुत्ती इ वा मुत्तालय इ वा लोयग्गे इ वा

लोयगगधूमिला इ वा लोयगगपडिवुज्झणा इ वा
मव्वपाणभूयजोवसत्तसुरावहा इ वा ।

ईसीपम्भारा ण पुढवी सेया सखतलविमल-
सोल्लियमुणालदगरयतुसारगोक्खीरहारवण्णा उत्ता-
णयद्धत्तसठाणसठिया सव्वज्जुणसुवण्णयमाई
अच्छासण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरयाणिम्मला
णिप्पका णिक्ककडच्छाया समरीचिया सुप्पभा पासा-
दीवा दरिसणिज्जा अभिरूपा पटिरूवा ।

ईसीपम्भाराण ण पुढवीए मीयाए जोयणमि
लोगते । तस्स जोयणस्स जे से उवरिल्ले गाडण
तस्स ण गाडयत्तम जे से उवरिल्ले छम्भागे तत्थ
ण निद्धा भगवतो सादिया अपज्जवसिया अण्णेग-
जाइजरामरणजोणियेयण मसारकलकलीभावपु-
णम्भवगम्भवासवसहीपवचं अइक्कता सासयमणा-
गयद्ध चिट्ठति ।

कहिं पडिहया सिद्धा ? कहिं सिद्धा पइठ्ठिया ? ।
कहिं बोदि चइत्ता ण, कत्थ गतूण सिज्झई ॥ १ ॥
अलोगे पडिहया सिद्धा, लोयगगे य पडिठ्ठिया ।
इहयोदि चइत्ता ण, तत्थ गतूण सिज्झई ? ॥ २ ॥
ज सठाण तु इह भव चय तस्स चरिमसमयमि ।
आसी य पएसघण त सठाण तहिं तस्स ॥ ३ ॥

દીર્ઘં વા હસ્તં વા જ ચરિમભવે જ્ઞેજ્ઞ સઠાણ ।
 તત્તો તિભાગહીણ સિદ્ધાણોગાહણા ભણિયા ॥ ૪ ॥
 તિણિણ સયા તેત્તીસા ધણુત્તિભાગો ય હોઈ વોદ્ધવ્વા ।
 એસા સ્વલુ સિદ્ધાણ ઉક્કોમોગાહણા ભણિયા ॥ ૫ ॥
 ચત્તારિ ય રયણીઓ રયણિતિભાગૂણિયા ય ધોદ્ધવ્વા ।
 એસા સ્વલુ સિદ્ધાણ મજ્જિમ્મયોગાહણા ભણિયા । ૬ ॥
 ણ્કા ય હોઈ રયણી સારીવા અગુલાઈ અટ્ટ ભવે ।
 એસા સ્વલુ સિદ્ધાણ જરણ્ણઓગાહણા ભણિયા ॥ ૭ ॥
 ઓગાહણાણ સિદ્ધા ભવત્તિભાગેણ હોઈ પરિહીણા ।
 સઠાણમણિત્થથ જરામરણવિપ્પમુક્કાણ ॥ ૮ ॥
 જત્થ ય ણ્ગોમિદ્ધોતત્થ અણતા ભવસ્સવપવિમુક્કા ।
 અણ્ણોણ્ણસમોગાદા પુટ્ટા સવ્વે ય લોગતે ॥ ૯ ॥
 ફુસઈ અણતે સિદ્ધે સવ્વપણ્ણસેહિ ણિયમસા સિદ્ધો ।
 તે વિ અસસેજ્જગુણા દેસપણ્ણસેહિં જે પુટ્ટા ॥ ૧૦ ॥
 અસરીરા જીવઘણા ઉવઉત્તા દંસણે ય ણાણે ય ।
 સાગારમણાગાર લક્ષણમેય તુ સિદ્ધાણ ॥ ૧૧ ॥
 કેવલણાણુવઉત્તા જાણહિ સવ્વભાવગુણભાવે ।
 પાસંતિ સવ્વઓ સ્વલુ કેવલદિટ્ઠીઅણતાર્હિં ॥ ૧૨ ॥
 ણવિ અત્થિ માણુસાણ ત સોક્કરણવિય સવ્વદેવાણ ।
 જ સિદ્ધાણ સોક્ક અવ્વાયાહ ઉવગયાણ ॥ ૧૩ ॥

ज देवाण सोऽस्य मन्त्रद्वार्षिष्टिय अणतगुण ।
 ण य पावह मुत्तिसुह णतारिं वग्गचग्गहि ॥ १४ ॥
 मिद्धस्स सुहो रासो मन्त्रद्वार्षिष्टियो जह हवेज्जा ।
 सोणतवग्गभइथो मव्यागामे ण माणज्जा ॥ १५ ॥
 जह णाम कोह मिच्छो णगरगुणे णहुविहेविघाणतो ।
 ण चणह परिकहेउ उवमाण तहि असतोण ॥ १६ ॥
 इय सिद्धाण सोऽस्य अणोऽम णत्थि तस्स थोवम्म ।
 किंचि त्तिसेमेणेतो थोवम्ममिण सुणह वोच्छ ॥ १७ ॥
 जह सव्वकाऽगुणिय पुरिमो भोत्तूण भोयण कोह ।
 तणह बुहाविमुको अन्धेज्ज जह अमियतित्तो ॥ १८ ॥
 इय सव्वकालतित्ता अतुल निव्वाणमुवगया सिद्धा ।
 सासयमव्यापाह चिट्ठति सुहो सुह पत्ता ॥ १९ ॥
 सिद्धत्ति य कुद्धत्ति य पारगयत्ति य परपरगयत्ति ।
 उम्मुक्ककम्मकयया अजरा थमरा थमगा य ॥ २० ॥
 णिच्छिण्णमन्त्रद्वार्या जाइजरामरणवधणविमुक्का ।
 अव्यापाह सुग्ग अणुहोमी सामय सिद्धा ॥ २१ ॥
 अतुलसुहसागरगया अव्यापाह अणोवम पत्ता ।
 सव्वमणागयमद्व चिट्ठति सुहो सुह पत्ता ॥ २२ ॥

ॐ उपनिषद् उपग समता ॐ



भ भवतु ।

जीवन कार्यालय अजमेर के स्थाई ग्राहक और पत्र व्यवहार के नियम

- (१) स्थाई ग्राहक बनने की प्रवेश- फीस एक रुपया ।
 - (२) " माला " की पुस्तकें प्रकाशित होने पर १५ दिना पहले मूल्य आदि का "सूचना-पत्र" भेज देने के बाद ग्राहकों को २५) मिकदा कमीशन काट कर बी० पी० भेजी जाती है ।
 - (३) एक रुपया से कम बी० पी० नहीं भेजी जाएगी ।
 - (४) आर्डर भेजते समय स्पष्ट लिखना चाहिए कि पुस्तकें रेल से या डाक से किस प्रकार भेजी जायें ।
 - (५) पुस्तकें मंगाकर वापस करने पर मुद्रस्तान तथा डाक महसूल कुछ वर्ष मगाने वाले से वापस किया जायेगा, अतः आर्डर देने से पूर्व बहुत सावधानी कर पुस्तकें मगानी चाहियें ।
 - (६) वार्षिक पत्र नहीं लिखे जायेंगे और न पत्र के साथ भेज हुए टिकटों की कोई जिम्मेदारी कार्यालय पर होगी ।
 - (७) आर्डर भेजते समय मुकाम, डाकस्थान तथा जिला व रेलवे स्टेशन बहुत साफ, व स्पष्ट लिखना चाहिये ।
 - (८) यदि किसी बी० पी० में भूल जान पड़े तो उसे छोटाना नहीं चाहिये, बी० पी० सुझाकर हमें पुराना लिखें, मूल ठीक कर देंगे ।
- नोट—हिन्दी की भाषा सभी प्रसिद्ध २ प्रकाशकों की पुस्तकें उचित मूल्य पर जीवन कार्यालय अजमेर में सदैव मिल सकेंगी ।

पत्र व्यवहार का पता

पटित छोटेलाटा पति

जीवन कार्यालय (तारघर के पास) अजमेर